THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

वर्ष-30 अंक : 129 (हैदराबाद, निज़ामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) श्रावण शु.10 2082 सोमवार, 4 अगस्त-2025

प्रधान संपादक – डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर ✻ पृष्ठ : 14 मूल्य : 8 रुपये

प्रज्वल की नई पहचान कैदी नंबर 15528

बेंगलुरू, 3 अगस्त (एजेंसियां)। पूर्व जेडीएस सांसद और पूर्व प्रधानमंत्री एचडी देवेगौड़ा के पोते प्रज्वल रेवन्ना बेंगलुरू की अग्रहारा सेंट्रल जेल में कैदी नंबर 15528 बन गए हैं। रेवन्ना ने शनिवार को जेल में अपनी पहली रात बिताई। बेंगलुरू की स्पेशल कोर्ट ने शनिवार को प्रज्वल रेवन्ना को नौकरानी से रेप केस में उम्र कैद की सजा सुनाई। सांसदों/विधायकों की स्पेशल कोर्ट के जज संतोष गजानन भट ने रेवन्ना पर 11.50 लाख रुपये का जुर्माना भी लगाया। इसमें से 11.25 लाख रुपये पीड़ित को दिए जाएंगे। जेल अधिकारियों ने बताया कि सजा सुनाए जाने के बाद शाम को रेवन्ना का मेडिकल चेकअप करवाया गया। इस दौरान वह मेडिकल स्टाफ के सामने रोता रहा।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु से मिले मोदी

>क्या थी मुलाकात की वजह<

नई दिल्ली, 3 अगस्त (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रविवार को राष्ट्रपति भवन पहुंचे। यहां उन्होंने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु से मुलाकात की। राष्ट्रपति भवन की तरफ से सोशल मीडिया साइट एक्स पर इस संबंध में जानकारी दी गई। एक्स पर राष्ट्रपति भवन ने पीएम मोदी और राष्ट्रपति मुर्मु की मुलाकात की तस्वीर शेयर की। इसके कैप्शन में राष्ट्रपति भवन ने लिखा, 'प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु से मुलाकात की।' राष्ट्रपति से पीएम की मुलाकात के बाद ही अलग-अलग तरह के कयास लगने लगे। बैठक का विवरण तत्काल उपलब्ध नहीं पाया, लेकिन इसकी वजह अब लगभग साफ हो गई है।

इन मुद्दों पर हुई चर्चा :

बताया जा रहा है कि पीएम और प्रेसिडेंट के बीच यह बैठक बिहार विधानसभा चुनाव से पहले बिहार में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभ्यास पर चर्चा की विपक्ष की मांग को लेकर संसद में गतिरोध की पृष्ठभूमि में हो रही है। दरअसल ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा की मांग को लेकर संसद में सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच काफी खींचतान हुई। संसद का मानसून सत्र 21 जुलाई से शुरू हुआ है, लेकिन तब से अब तक दोनों सदनों में बेहद कम कामकाज हुआ है। राष्ट्रपति मुर्मु के साथ पीएम मोदी की यह मुलाकात अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा भारत पर 25 प्रतिशत टैरिफ लगाने और रूस से मिलिट्री इक्विपमेंट और कच्चे तेल खरीदने के कारण पेनाल्टी लगाने की घोषणा के कुछ दिनों बाद हुई है।

खदान में चट्टान खिसकने से 6 मजदूरों की मौत, 10 घायल

बापटला, 3 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। आंध्र प्रदेश के बापटला जिले में एक निर्माण स्थल पर खदान में चट्टान खिसकने से 6 मजदूरों की मौत हो गई, जबकि 10 मजदूर घायल हो गए। हादसे के समय वहां 16 मजदूर काम कर रहे थे। इनमें से कई ओडिशा से आए प्रवासी मजदूर थे।

पुलिस के मुताबिक, पत्थर तोड़ते समय अचानक एक बड़ी चट्टान गिर गई, जिससे मजदूर मलबे में दब गए। चार घायलों की हालत गंभीर है। राहत और बचाव टीम ने तुरंत कार्रवाई शुरू की। मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायुडू ने घटना पर दुख जताया और मृतकों के परिवारों को सांत्वना दी। उन्होंने घायलों के इलाज के आदेश दिए और कहा कि हादसे की जांच की जाएगी।

पूर्व मुख्यमंत्री वाईएस जगन मोहन रेड्डी ने भी हादसे को दुखद बताते हुए सरकार से मदद की मांग की। प्रशासन ने जांच शुरू कर दी है कि क्या सुरक्षा नियमों की अनदेखी हुई थी। यह हादसा राज्य में खदानों की सुरक्षा पर बड़ा सवाल खड़ा करता है। सरकार ने पीड़ितों को हर संभव सहायता देने का भरोसा दिया है।

अमेरिका के फैसले से चिंतित नायुडू

बताया टैरिफ से क्या होगा नुकसान, ऐसे निपटेंगे

अमरावती, 3 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायुडू ने जलीय किसानों पर अमेरिकी टैरिफ से पड़ने वाले प्रभाव पर चिंता जताई। उन्होंने शनिवार को एक जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि राज्य के जलीय किसानों पर इस टैरिफ का संभावित प्रभाव देखने को मिल सकता है। इसलिए राज्य सरकार अमेरिका की तरफ से भारतीय उत्पादों पर लगाए गए 25 प्रतिशत टैरिफ के जवाब में आवश्यक कदम उठाएगी। बता दें कि चंद्रबाबू नायुडू की पार्टी तेलुगु देशम पार्टी राज्य और केंद्र दोनों स्तरों पर एनडीए की सहयोगी है और वह ट्रंप के टैरिफ फैसले से पड़ने वाले प्रभाव को लेकर चिंता जताने वाले पहले मुख्यमंत्री हैं।

जलीय किसानों पर बढ़ेगा बोझ :

सीएम ने दारसी में पीएम किसान- अन्नदाता सुखी भव योजना का शुभारंभ किया। योजना के शुभारंभ के दौरान उन्होंने किसानों को संबोधित करते हुए कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की तरफ से भारत पर लगाए गए 25 प्रतियत टैरिफ से

राज्य के जलीय किसानों पर बोझ बढ़ जाएगा। उन्होंने कहा कि सरकार किसानों की चिंता से भली भांति परिचित है और इसके लिए वह किसानों के चर्चा करने उचित कर योजना बनाएगी।

किसानों को सब्सिडी बिजली उपलब्ध कराती है सरकार :

नायुडू ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि राज्य सरकार जलीय किसानों को 1.50 पैसे प्रति यूनिट की रियायती दर पर बिजली उपलब्ध कराती है। उन्होंने कहा कि अमेरिका में टैरिफ बढ़ने से राज्य के मत्स्य पालकों पर बोझ पड़ेगा। लेकिन किसानों को इस बात को लेकर चिंतित होने की आवश्यकता नहीं है। राज्य सरकार इसके लिए कार्य योजना तैयार करेगी। उन्होंने कहा कि सरकार पहले मछुआरों को 10,000 रुपये देती थी, लेकिन अब उसकी राशि बढ़ाकर 20,000 रुपये कर दिए गए हैं। सीएम ने कहा कि सरकार ने मत्स्यकारा सेवालो के तहत 1 लाख से अधिक लोगों को पैसा दिया है।

केंद्र को पत्र लिख सुरक्षा की मांग की :

नायुडू ने ट्रंप के टैरिफ लगाने से पहले केंद्र सरकार को पत्र लिख राज्य के जलीय किसानों को अमेरिकी टैरिफ से सुरक्षा प्रदान करने की मांग की थी। सीएम ने केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल को पत्र लिखकर आग्रह किया था कि वह ट्रंप प्रशासन द्वारा लगाए जा रहे अतिरिक्त शुल्कों से जलीय उत्पादों को छूट दिलाने के लिए कदम उठाए।

बता दें कि 31 जुलाई को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने भारतीय उत्पादों पर 25 प्रतिशत टैरिफ लगाने की घोषणा की थी। इसके अलावा उसके बांग्लादेश और पाकिस्तान पर भारत से कम टैरिफ लगाया है। बांग्लादेश पर 20 प्रतिशत और पाकिस्तान पर मात्र 19 प्रतिशत टैरिफ लगाया है।

महाराष्ट्र की मंत्री मेघना बोर्डिकर ने अधिकारी को दी थप्पड़ मारने की धमकी

मुंबई, 3 अगस्त (एजेंसियां)। महाराष्ट्र की राज्य मंत्री मेघना बोर्डिकर एक वीडियो को लेकर विवादों में घिर गईं हैं। वायरल वीडियो में भाजपा नेता एक सार्वजनिक कार्यक्रम के दौरान वह एक ग्राम अधिकारी को सरकारी योजना के लाभार्थियों को कार्यक्रम में न लाने पर फटकार लगाते हुए कथित रूप से थप्पड़ मारने की धमकी देती दिख रही हैं। इस वायरल वीडियो में राज्य मंत्री

ग्राम अधिकारी को थप्पड़ मारने की धमकी देने के बाद उनको निलंबित करने को कह कहती हुई सुनाई दे रही हैं। परभणी जिले के जिंतूर तालुका के बोरी गांव में एक सार्वजनिक कार्यक्रम के दौरान कथित तौर पर ये टिप्पणी की गई थी। मेघना बोर्डिकर जन स्वास्थ्य, जल आपूर्ति और स्वच्छता राज्य मंत्री हैं। वो कथित तौर वीडियो में कहती हुईं सुनाई दे रही हैं कि अगर तुम इस तरह से काम करोगे तो तुम्हें थप्पड़ मार दूंगी। तुम्हें सैलरी कौन देता है। ससपेंड कर दिए जाओगे। चाटुकार मत बनों, मुझे पता है तुम किसके लिए काम करते हो।

विधायक रोहित पवार ने उठाए सवाल

इस मामले पर विधायक रोहित पवार ने मंत्री के भाषण को लेकर महाराष्ट्र सरकार से सवाल करते हुए पूछा की ग्राम अधिकारी को धमकाने की शक्ति उनको किसने दी है? रोहित पवार ने सीएम फडणवीस पर हमला करते हुए कहा कि सरकारी कार्यक्रम के दैरान एक जूनियर मंत्री ग्राम अधिकारी को थप्पड़ जड़ देने की धमकी कैसे दे सकता हैं?

सरंडा जंगल में बड़ा नक्सली हमला

झारखंड-ओडिशा के बीच रेलवे ट्रैक उड़ाए, कई ट्रेनें रूकी

बिमलागढ, 3 अगस्त (एजेंसियां)। झारखंड और ओडिशा की सीमा पर रविवार सुबह नक्सलियों ने बड़ा हमला किया। संदिग्ध माओवादियों ने झारखंड के करमपाड़ा और ओडिशा के रेंजेदा स्टेशन के बीच रेलवे लाइन को निशाना बनाते हुए धमाका किया। इस विस्फोट में ट्रैक का बड़ा हिस्सा पूरी तरह उड़ गया और इस रूट पर ट्रेन सेवाएं तुरंत रोक दी गईं। यह धमाका ऐसे समय हुआ है, जब नक्सली संगठन 28 जुलाई से 3 अगस्त तक 'शहीद सप्ताह' मना रहे हैं।

इसी दौरान सरंडा जंगल क्षेत्र में उनकी गतिविधियां अचानक तेज हो गई हैं। सुरक्षा एजेंसियों ने पहले से ही रेड अलर्ट जारी किया था, लेकिन रविवार की सुबह यह धमाका सुरक्षा व्यवस्था की बड़ी चुनौती बन गया। धमाका बिमलागढ़ सेक्शन के अंतर्गत हुआ, जो झारखंड और ओडिशा को जोड़ने वाला अहम रेल मार्ग है। शुरूआती जानकारी के मुताबिक, ट्रैक के कई मीटर हिस्से को भारी नुकसान पहुंचा है। गनीमत रही कि धमाके के समय कोई ट्रेन इस रूट से नहीं गुजर रही थी, इसलिए जान-माल का नुकसान नहीं हुआ।

हम सब जानते हैं : शशि थरूर

नई दिल्ली, 3 अगस्त (एजेंसियां)। जगदीप धनखड़ के अचानक इस्तीफे के बाद देश में नए उपराष्ट्रपति के चुनाव की प्रक्रिया ने रफ्तार पकड़ ली है। इस बीच कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने रविवार को इसे लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि परिणाम लगभग तय है और यह स्पष्ट रूप से सत्तारूढ़ एनडीए के पक्ष में जाता दिख रहा है। शशि थरूर ने संवाददाताओं से बातचीत में कहा, हम सब जानते हैं कि उपराष्ट्रपति वही होगा जिसे सत्तारूढ़ पार्टी नामित करेगी, क्योंकि हम पहले से ही निर्वाचन मंडल की संरचना से परिचित हैं। उन्होंने आगे कहा, हमें उम्मीद है कि विपक्ष से भी सलाह-मशविरा किया जाएगा, लेकिन कौन जानता है?

कांग्रेस से दूर जा रहे थरूर :

केरल से सांसद थरूर इन दिनों कांग्रेस पार्टी के भीतर कथित असहजता को लेकर भी सुर्खियों में हैं। खासकर पहलगाम आतंकी हमले और 'ऑपरेशन सिंदूर' के बाद भारत की आतंकवाद विरोधी नीति को अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर पहुंचाने वाली टीम में थरूर को शामिल किए जाने के बाद यह दूरी और बढ़ गई। हाल ही में संसद में 'ऑपरेशन सिंदूर' पर हुई बहस में भी कांग्रेस ने थरूर को वक्ता सूची में शामिल नहीं किया। जब थरूर से इस पर प्रतिक्रिया मांगी गई तो उन्होंने सिर्फ इतना कहा- 'मौनव्रत'।

कैसे चुना जाएगा अगला उपराष्ट्रपति

जगदीप धनखड़ का 21 जुलाई को अचानक इस्तीफा देना राजनीतिक हलकों में चर्चा का विषय बन गया है। यह पहला मौका था जब किसी कार्यकाल के बीच में उपराष्ट्रपति ने पद छोड़ा और कोई उच्च पद की दावेदारी भी नहीं जताई। इस्तीफे के समय धनखड़ के कार्यकाल में अभी दो साल से अधिक का वक्त बाकी था। उपराष्ट्रपति चुनाव को लेकर शशि थरूर ने प्रक्रिया को स्पष्ट करते हुए कहा कि राष्ट्रपति चुनाव के उलट, जिसमें राज्य विधानसभाओं के सदस्य भी शामिल होते हैं, उपराष्ट्रपति केवल संसद के सदस्यों द्वारा चुना जाता है। उपराष्ट्रपति चुनाव 9 सितंबर को होना तय है। कांग्रेस नेतृत्व वाले विपक्ष की ओर से एक साझा उम्मीदवार उतारे जाने की संभावना है, जबकि यहां संख्याबल निश्चित रूप से भाजपा नेतृत्व वाले एनडीए के पास है।

कुलगाम में शुक्रवार से एनकाउंटर जारी

अब तक 3 आतंकवादी ढेर, तीनों आतंकी लोकल

कुलगाम, 3 अगस्त (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर में आतंकवादियों के खिलाफ सुरक्षाबलों की ओर से लगातार अभियान चलाया जा रहा है। कुलगाम जिले में शुक्रवार शाम से ही सुरक्षाबलों और आतंकवादियों के बीच एनकाउंटर चल रहा है और अब तक 3 आतंकवादियों का सफाया किया जा चुका है। ऑपरेशन अभी भी जारी है। एनकाउंटर में ये आतंकवादी कल मारे गए थे। अभी भी 2 से 3 आतंकी वहां पर छिपे हुए हैं। सेना से जुड़े अधिकारियों ने बताया कि आतंकवादियों की मौजूदगी को लेकर खुफिया जानकारी मिलने के बाद सुरक्षाबलों ने दक्षिण कश्मीर के कुलगाम जिले के अखल के वन क्षेत्र में घेराबंदी कर सर्च ऑपरेशन शुरू किया था, जिसके बाद शुक्रवार शाम से ही दोनों के बीच एनकाउंटर शुरू हो गया। कुलगाम में मारे गए आतंकवादियों की पहचान हो गई है।

बिना सबूत अब नहीं बदल सकेंगे नाम और जन्म-तिथि

बंगाल स्वास्थ्य विभाग ने जारी किए सख्त निर्देश

कोलकाता, 3 अगस्त (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल स्वास्थ्य विभाग ने जन्म और मृत्यु प्रमाणपत्रों में मनमाने बदलावों पर रोक लगा दी है। अब कोई भी व्यक्ति बिना वैध दस्तावेज और रजिस्ट्रार की अनुमति के इन प्रमाणपत्रों में कोई बदलाव नहीं कर पाएगा। यह निर्णय राज्य में प्रमाणपत्रों की विश्वसनीयता बनाए रखने और फर्जीवाड़े को रोकने के लिए लिया गया है।

स्वास्थ्य विभाग के अनुसार, अब किसी भी प्रकार के परिवर्तन की इजाजत केवल स्थानीय रजिस्ट्रार ही देंगे। रजिस्ट्रार द्वारा प्रमाणपत्र में बदलाव की अनुमति तभी दी जाएगी जब संबंधित व्यक्ति सभी आवश्यक दस्तावेज प्रस्तुत करेगा और रजिस्ट्रार को यह बदलाव उचित लगेगा। इसमें केवल टाइपिंग या वर्तनी की गलतियों जैसे मामूली सुधार की ही इजाजत होगी।

बदलाव के लिए आधार कार्ड, वोटर आईडी या पैन कार्ड जैसे पहचान पत्र अनिवार्य होंगे। यदि किसी को उपनाम (सरनेम) में बदलाव करवाना है, तो प्रथम श्रेणी न्यायिक मजिस्ट्रेट द्वारा जारी हलफनामा और स्कूल एडमिशन सर्टिफिकेट या समकक्ष दस्तावेज देना जरूरी होगा। यह प्रक्रिया प्रमाणपत्रों में एकरूपता लाने और गलत जानकारी को रोकने के लिए शुरू की गई है।

तलाक पर भी नहीं बदलेगा पिता का नाम :

नए नियम के तहत, तलाक या पुनर्विवाह जैसी परिस्थितियों में भी बच्चे के जन्म प्रमाणपत्र में एक बार दर्ज हो चुका पिता का नाम नहीं बदला जा सकेगा। विभाग ने स्पष्ट किया कि यह कदम कानूनी उलझनों से बचाव और स्कूल दाखिले जैसे मौकों पर दस्तावेज सत्यापन को आसान बनाने के लिए उठाया गया है।

1969 अधिनियम के तहत कार्रवाई संभव :

स्वास्थ्य विभाग ने यह निर्देश जन्म और मृत्यु पंजीकरण अधिनियम, 1969 के प्रावधानों के तहत जारी किया है। अधिनियम के अनुसार ऐसे बदलाव जो कानूनी या प्रशासनिक भ्रम पैदा कर सकते हैं, उनकी अनुमति नहीं दी जा सकती। विभाग का मानना है कि यह दिशा-निर्देश राज्य भर में प्रमाणपत्र प्रबंधन को एकरूप बनाएगा और नागरिकों के डेटा के दुरूपयोग को रोकेगा।

चुनाव आयोग का तेजस्वी यादव को नोटिस

कहा- प्रेस कांफ्रेंस में दिखाया दूसरा वोटर कार्ड नंबर ऑफिशियल नहीं, इसे हैंडओवर करें

पटना, 3 अगस्त (एजेंसियां)। चुनाव आयोग ने तेजस्वी यादव को नोटिस भेजा है। बिहार की दीघा विधानसभा के निर्वाचन निबंधन पदाधिकारी ने नोटिस में कहा है कि आपने प्रेस कांफ्रेंस में ईपिक संख्या आरएबी2916120 दिखाया, जो आधिकारिक रूप से जारी नहीं किया गया है।

इस ईपिक कार्ड का विवरण और मूल कार्ड आयोग को उपलब्ध कराए, ताकि इसकी गहन जांच की जा सके। एनडीए नेताओं ने तेजस्वी के खिलाफ वो वोटर आईडी रखने के मामले में एफआईआर करने की मांग की है। नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने शनिवार को पटना में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर कहा- उनका नाम वोटर लिस्ट से कट गया है।

उन्होंने कहा, बीएलओ आई थीं और हमारा सत्यापन करके गई हैं। फिर भी मतदाता सूची में नाम नहीं है।

प्रेस कॉन्फ्रेंस में तेजस्वी यादव ने अपना वोटर आईडी कार्ड जारी किया। वोटर लिस्ट में अपना नाम देखने के लिए ईपीआईसी नंबर डाला, जिसके रिजल्ट में लिखा आया- कोई रिकॉर्ड नहीं मिला। तेजस्वी ने ये पूरी प्रोसेस स्क्रीन पर दिखाई थी। रविवार को पटना में एनडीए के घटक दलों भाजपा, जदयू, लोजपा (रामविलास), हम पार्टी और आरएलएम के प्रवक्ताओं ने तेजस्वी पर दो वोटर आईडी रखने का आरोप लगाते हुए एफआईआर दर्ज करने की मांग की।

चिदंबरम बोले- चुनाव आयोग कर रहा अधिकारों का दुरूपयोग

इसका राजनीतिक और कानूनी विरोध जरूरी

नई दिल्ली, 3 अगस्त (एजेंसियां)। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व गृह मंत्री पी. चिदंबरम ने बिहार में मतदाता सूची की विशेष सघन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया को लेकर चुनाव आयोग (ईसीआई) पर गंभीर आरोप लगाए हैं।

उन्होंने कहा कि आयोग राज्यों की चुनावी संरचना और मतदाता स्वरूप को बदलने की कोशिश कर रहा है, जो अधिकारों का दुरूपयोग है और इसका विरोध राजनीतिक व कानूनी तरीके से किया जाना चाहिए।

बिहार और तमिलनाडु को लेकर जताई चिंता :

पी. चिदंबरम ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में लिखा कि बिहार में 65 लाख मतदाता अपने मताधिकार से वंचित हो सकते हैं, जबकि तमिलनाडु में 6.5 लाख नए मतदाताओं को जोड़ने की खबरें चिंताजनक और गैरकानूनी हैं।

मंत्री नितिन गडकरी के घर को बम से उड़ाने की धमकी

नागपुर, 3 अगस्त (एजेंसियां)। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी के नागपुर स्थित घर को बम से उड़ाने की धमकी मिली है। पुलिस कंट्रोल रूम को ये धमकी भरा कॉल आया है। इस कॉल के बाद पुलिस विभाग में हड़कंप मच गया। कुछ ही देर में आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया। मिली जानकारी के अनुसार, रविवार सुबह 8:46 बजे पुलिस

कंट्रोल के 112 नंबर पर गडकरी के घर को बम से उडाने की धमकी मिली है। धमकी का कॉल आने के बाद पुलिस ने स्थानीय पुलिस थाने को मामले की जानकारी दी है। कंट्रोल रूम को कॉल आने के बाद प्रताप नगर पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी थी। पुलिस और डॉग स्कॉयड की टीम ने गडकरी के घर में सर्च ऑपरेशन भी चलाया। कुछ घंटों बाद गडकरी के घर को बम से उड़ाने की धमकी देने वाले आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तार आरोपी का नाम उमेश विष्णु राउत है। उमेश विष्णु राउत मेडिकल चौक स्थित एक देसी शराब की दुकान पर काम करता है। पुलिस ने उसे नागपुर के बीमा दवाखाना के पास से गिरफ्तार किया है। बता दें कि केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी नागपुर में ही मौजूद हैं।

टीआरएफ से लेकर टीआरएफ तक

प्रियंका चतुर्वेदी का मणिशंकर अय्यर को जवाब, पाक के खिलाफ बने प्रतिनिधिमंडल की रही हैं सदस्य

मुंबई, 3 अगस्त (एजेंसियां)। कांग्रेस नेता मणिशंकर ने अय्यर द्वारा ऑपरेशन सिंदूर और अलग-अलग देशों में गए डेलीगेशन समूह को लेकर एक बयान दिया था। शिवसेना (यूबीटी) सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने बयान पर पलटवार करते हुए कहा कि मणिशंकर अय्यर ने अमन की आशा के बारे में ऐसे समय में बात की है, जब पहलगाम हमले में 26 लोग अपनी जान गवा चुके हैं। उन्होंने कहा कि मुझे लगता है कि वह एक निष्कासित कांग्रेसी नेता है।

बता दें कि कांग्रेस नेता मणिशंकर अय्यर ने पाकिस्तान का पक्ष लेते हुए पहलगाम आतंकी हमले और ऑपरेशन सिंदूर को लेकर सरकार पर सवाल उठाए थे। उन्होंने कहा था कि अलग-अलग देशों में गए भारत के प्रतिनिधिमंडल में से किसी ने भी पाकिस्तान को हमले का जिम्मेदार नहीं ठहराया। अय्यर ने कहा कि भारत के पास ऐसा कोई सबूत ही नहीं है जिससे यह सिद्ध हो सके कि पहलगाम हमला पाकिस्तान ने करवाया है। प्रियंका चतुर्वेदी ने मणिशंकर अय्यर को घेरते हुए कहा हमें अय्यर के पिछले इतिहास को नहीं भूलना चाहिए। वह पाकिस्तान के साथ बेहतर संबंधों के लिए एक मुखर आवाज थे।

उन्होंने कहा कि वह कई बार पाकिस्तान गए हैं। उन्होंने अमन की आशा के बारे में तब बात की है जब पहलगाम हमले में 26 लोग अपनी जान गंवा चुके हैं और इस हमले के बाद पर्यटन ने जम्मू-कश्मीर की अर्थव्यवस्था को बुरी तरह प्रभावित किया है।

मुख्य चुनाव आयुक्त पर भड़के सौरभ भारद्वाज कहा- 'हर जगह सरकार का ढोल बजा रहे'

नई दिल्ली, 3 अगस्त (एजेंसियां)। आम आदमी पार्टी के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज ने मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) पर गंभीर आरोप लगाए हैं। ये बयान उन्होंने आरजेडी नेता तेजस्वी यादव के उस आरोप के बाद दिया, जिसमें तेजस्वी ने दावा किया कि उनका नाम बिहार की मतदाता सूची से गायब है। इसी मुद्दे पर प्रतिक्रिया देते हुए भारद्वाज ने कहा कि चुनाव आयोग अब भाजपा की किसी सेल की तरह काम कर रहा है। सौरभ भारद्वाज ने कहा, 'मुख्य चुनाव आयुक्त ऐसे बयान दे रहे हैं जैसे वो भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की किसी इकाई के अध्यक्ष हों। ऐसा लगता है कि सरकार किसी बाबू को रिटायरमेंट के बाद ईनाम के तौर पर चुनाव आयुक्त बना रही है।' उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि रिटायरमेंट के बाद कुछ अफसरों की 'लॉटरी' लग जाती है। उन्हें सरकारी गाड़ी, बंगला, रुतबा सब कुछ मिल जाता है और फिर वो सरकार के पक्ष में हर जगह ढोल बजाते हैं। भारद्वाज ने मुख्य चुनाव आयुक्त को एक खास सलाह भी दी। उन्होंने कहा, 'मुख्य चुनाव आयुक्त को अपने ऑफिस में टी।एन। शेषन की एक तस्वीर लगानी चाहिए और उसे सुबह-शाम देखना चाहिए। तब शायद उनके विचारों में थोड़ी शुद्धता आ जाएगी।' टीएन. शेषन भारत के सबसे चर्चित और सख्त चुनाव आयुक्तों में से एक माने जाते थे।

दुर्गा पूजा के लिए 1 लाख रुपये देने पर ममता बनर्जी पर भड़की भाजपा, कहा- दान बांट रही सरकार

कोलकाता, 3 अगस्त (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल भाजपा ने ममता बनर्जी सरकार पर धर्म की राजनीति करने का आरोप लगाया है। ममता बनर्जी सरकार द्वारा सामुदायिक दुर्गा पूजा समितियों को 1.1 लाख रुपये का सरकारी अनुदान देने का फैसला किया गया है, जिसकी भाजपा ने आलोचना की है। भाजपा की प्रदेश महासचिव अग्निमित्रा पॉल ने आरोप लगाया कि ममता बनर्जी की सरकार विकास की अनदेखी कर दान बांट रही है। आसनसोल दक्षिण सीट से विधायक अग्निमित्रा पॉल ने आरोप लगाया कि 'मंदिर बनाने और पूजा

के लिए अनुदान देना सरकार का काम नहीं है'। उन्होंने कहा कि 'ये दिखाता है कि इस सरकार की प्राथमिकताएं क्या हैं। सड़कें बनाने और रोजगार के अवसर पैदा करने के बजाय ममता बनर्जी धर्म की राजनीति करने में व्यस्त हैं।' भाजपा विधायक ने कहा कि अब दूसरे समुदाय के लोग भी मांग करेंगे कि सरकार उनके भी पूजा स्थल बनाए, जैसे उन्होंने दीघा का जगन्नाथ मंदिर बनवाया। अग्निमित्रा पॉल ने कहा कि वे चाहती हैं कि सरकार शिक्षा के क्षेत्र को बेहतर करने, रोजगार पैदा करने और हर नागरिक के जीवन को बेहतर बनाने की दिशा में काम करे। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने गुरुवार को एलान किया कि उनकी सरकार राज्य भर में लगभग 40 हजार दुर्गा पूजा समितियों में से प्रत्येक को 1।10 लाख रुपये का अनुदान देगी। पिछले वर्ष दुर्गा पूजा समितियों में से प्रत्येक को 85,000 रुपये की अनुदान राशि दी गई थी। मुख्यमंत्री ने इसके अलावा यह घोषणा भी की कि अग्निशमन विभाग, कोलकाता नगर निगम, पंचायतें और नगर पालिकाएं जैसी सरकारी एजेंसियां और नगर निकाय भी पूजा समितियों से कोई कर या सेवा शुल्क नहीं लेंगे।

'करीब 100 सीटों पर हुआ घोटाला चुनाव आयोग साजिश का हिस्सा

मुंबई, 3 अगस्त (एजेंसियां)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी की तरफ से चुनाव आयोग के खिलाफ मोर्चा खोलने के बाद अब उन्हें तमाम विपक्षी दलों से समर्थन भी मिल रहा है। बता दें कि शिवसेना (यूबीटी) के सांसद संजय राउत ने राहुल गांधी के धांधली के दावे का समर्थन करते हुए कहा, 'करीब 100 सीटों पर घोटाला हुआ। चुनाव आयोग इस साजिश का हिस्सा था।

अगर ऐसा नहीं होता, तो नरेंद्र मोदी प्रधानमंत्री नहीं बन पाते। राहुल गांधी के पास सबूत हैं।' 23 जुलाई को राहुल गांधी ने आरोप लगाया था कि देश में चुनावों की चोरी की जा रही है। उन्होंने दावा किया कि उनकी पार्टी ने कर्नाटक की एक लोकसभा सीट पर गहराई से अध्ययन किया है और वोट चोरी की पूरी प्रक्रिया का पता लगा लिया है। उन्होंने कहा, 'कर्नाटक में हमने एक सीट को चुना और उसकी वोटर लिस्ट को डिजिटल फॉर्मेट में कन्वर्ट किया। इस प्रक्रिया में छह महीने लगे। इसके बाद हमें समझ में आ गया कि वोट चोरी कैसे होती है, कौन करता है और नए वोटर्स कहां से लाए जाते हैं।' राहुल गांधी का कहना है कि 'हमें इसका कागजी सबूत मिल गया है। हम इसे जनता और चुनाव आयोग के सामने रखेंगे।'

महबूबा ने दिया बड़ा बयान, कहा- 'भारत-पाक के बीच खेल दोबारा शुरू होना चाहिए

जम्मू, 3 अगस्त (एजेंसियां)। पीडीपी अध्यक्ष और जम्मू-कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती ने भारत-पाकिस्तान के बीच चल रहे तनाव को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा है कि दोनों देशों के बीच खेल प्रतियोगिताएं दोबारा शुरू होनी चाहिए ताकि माहौल सामान्य हो और शांति की तरफ बढ़ा जा सके। महबूबा ने कहा, 'अगर आप शांति से रहना चाहते हैं और युद्ध पर पैसा खर्च नहीं करना चाहते तो भारत और पाकिस्तान के बीच खेल प्रतियोगिताएं होनी चाहिए। अगर हम बेरोजगारी और गरीबी पर काबू पाना चाहते हैं, तो आपको स्थिति को सामान्य बनाना होगा और खेल इस लक्ष्य को प्राप्त करने का सबसे अच्छा तरीका है।' उन्होंने हाल ही में हुए पहलगाम आतंकी हमले और उसके बाद भारतीय सेना द्वारा किए गए ऑपरेशन सिंदूर का जिक्र करते हुए कहा कि इस पूरी स्थिति ने माहौल को और ज्यादा तनावपूर्ण बना दिया है। महबूबा मुफ्ती ने कहा कि भले ही युद्ध रुक गया हो, लेकिन देश में अभी भी युद्ध जैसा माहौल बना हुआ है। उन्होंने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का जिक्र करते हुए कहा कि वह कई बार परमाणु युद्ध टालने का श्रेय लेते रहे हैं। उन्होंने केंद्र सरकार पर भी निशाना साधते हुए कहा कि 'भाजपा ने देश में ऐसा माहौल बना दिया है कि सभी पार्टियों को सरकार से पूछना पड़ रहा है कि पाकिस्तान से युद्ध विराम क्यों किया गया। अगर कोई बम गिराने की बात नहीं करता, तो उसे देशद्रोही कहा जाने लगा है।'

कांग्रेस अध्यक्ष हर्षवर्धन बोले: सहयोगी महायुति दलों को किनारे लगाने की कोशिश कर रही है भाजपा

मुंबई, 3 अगस्त (एजेंसियां)। महाराष्ट्र कांग्रेस अध्यक्ष हर्षवर्धन सपकाल ने आरोप लगाया है कि भाजपा राज्य में महायुति की अपनी सहयोगी पार्टियों शिवसेना और एनसीपी को दबाव में लेने के लिए उन क्षेत्रों से पूर्व कांग्रेस नेताओं को पार्टी में शामिल कर रही है। जहां विधानसभा चुनावों में शिवसेना और एनसीपी के विधायक विजयी हुए थे। सपकाल ने कहा कि हाल के महीनों में पार्टी छोड़ने वाले नेताओं ने डर और लालच के कारण ऐसा किया, लेकिन कांग्रेस स्पष्टता और आक्रामकता के साथ अपनी विचारधारा की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है।

उन्होंने कहा कि 2024 विधानसभा चुनाव में सिर्फ 16 सीटें जीतने के बाद से कांग्रेस लगातार दलबदल का सामना कर रही है। सपकाल ने कहा, जो पूर्व कांग्रेसी विधायक पार्टी छोड़ गए हैं। वे कई वर्षों तक विधायक रहे, लेकिन अब वे रुकने को तैयार नहीं हैं। हमारे पास उन क्षेत्रों में संगठन को पुनर्गठित करने के लिए पर्याप्त समय है। बुलढाणा से विधायक सपकाल ने कहा कि जो नेता पार्टी छोड़ गए वे सत्ता-लोभी थे और कांग्रेस ने उन पर अपने दरवाजे बंद करने का फैसला कर लिया है।

पश्चिम बंगाल में 1 करोड़ फर्जी मतदाता

चुनाव आयोग इन नामों को मतदाता सूची से हटाए: सुवेंदु अधिकारी

कोलकाता, 3 अगस्त (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल विधानसभा में विपक्ष के नेता सुवेंदु अधिकारी का कहना है कि राज्य में एक करोड़ फर्जी वोटर हैं और उनके नाम वोटर लिस्ट से हटाए जाने चाहिए। बिहार की तरह पश्चिम बंगाल में स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन की मांग करते हुए सुवेंदु अधिकारी ने वोटर लिस्ट में कई तरह की गड़बड़ियों की तरफ इशारा किया है। हावड़ा में पत्रकारों से बात करते हुए भाजपा नेता ने कहा कि पश्चिम बंगाल में लगभग एक करोड़ रोहिंग्या प्रवासी, बांग्लादेशी मुस्लिम मतदाता, मृत मतदाता, डुप्लिकेट एंट्री और फर्जी मतदाता हैं। भारत के चुनाव आयोग को मतदाता सूची की विश्वसनीयता सुनिश्चित करने के लिए इन नामों को हटाना चाहिए। बिहार के बाद पश्चिम बंगाल में भी स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन की तैयारी शुरू हो चुकी है। यहां अगले साल विधानसभा चुनाव होने हैं। इससे पहले चुनाव आयोग ने सभी राजनीतिक दलों से बीएलओ की लिस्ट मांगी है, ताकि वोटर लिस्ट के पुनरीक्षण की प्रक्रिया शुरू की जा सके। चुनाव आयोग के दिशा निर्देश के अनुसार हर पार्टी को हर बूथ पर एक व्यक्ति को बीएलओ के रूप में नामित करना होगा। यह व्यक्ति उसी बूथ का मतदाता होना चाहिए। बूथ लेवल एजेंट का काम चुनावी प्रबंधन के अलावा मतदाता सूची में बदलाव से भी जुड़ा होगा। किसी भी मतदाता का नाम सभी दलों के बीएलओ की सहमति के बिना नहीं हटाया जाएगा।

जितेंद्र आव्हाड के बयान पर भाजपा का पलटवार

कहा- तुष्टिकरण की राजनीति कर रहे एनसीपी-एसपी के नेता

मुंबई, 3 अगस्त (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के एनसीपी-एसपी के विधायक जितेंद्र आव्हाड के सनातन धर्म को लेकर दिए गए बयान पर भाजपा ने पलटवार किया है। भाजपा नेता राम कदम ने कहा कि एनसीपी एसपी के नेता तुष्टिकरण की राजनीति कर रहे हैं। एनसीपी एसपी विधायक जितेंद्र आव्हाड ने कहा था कि सनातन धर्म ने भारत को बदनाम कर दिया है। इस पर भाजपा नेता राम कदम ने कहा कि शरद पवार के गुट के नेता का बयान शास्त्रों के अधूरे अध्ययन पर आधारित है। क्या आप सनातन धर्म को बदनाम कर रहे हैं? क्या अब आप अपनी राजनीति के लिए ऐसा करेंगे? यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि जितेंद्र आव्हाड केवल तुष्टिकरण की राजनीति के लिए ऐसे बयान दे रहे हैं। इससे पहले एनसीपी-एसपी विधायक जितेंद्र आव्हाड ने कहा था कि सनातन धर्म ने भारत को बर्बाद कर दिया है। सनातन धर्म नाम का कोई धर्म कभी था ही नहीं। हम हिंदू धर्म के अनुयायी हैं।

'मरा हुआ इंसान फोन कॉल कैसे कर सकता है?' पुलिस की मक्कारी से परेशान हुए जज

भोपाल, 3 अगस्त (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश हाईकोर्ट की एक डिवीजन बेंच ने हत्या के एक मामले में आरोपी बाप-बेटे को बरी करते हुए पुलिसकर्मी के खिलाफ जांच के आदेश दिए हैं। इसके साथ ही पुलिसकर्मियों के लिए दिशा-निर्देश जारी करने को कहा है, जिसका पालन पुलिसकर्मियों को किसी भी केस में जांच करते समय

करना होगा। अदालत ने कहा कि कोई भी व्यक्ति मरने के बाद अपनी गर्लफ्रेंड के साथ फोन पर बात कैसे कर सकता है। इसी आधार पर पुलिस की जांच को अविश्वसनीय करार दिया गया और दोनों आरोपियों को बरी कर दिया गया। मध्य प्रदेश के मंडला जिले से 19 सितंबर 2021 को राजेंद्र नाम का एक युवक लापता हो गया था और बाद में उसकी लाश मिली थी। पुलिस ने इस मामले में नैन सिंह धुर्वे और उनके बेटे को हत्या का आरोपी बनाया। पुलिस ने पांच महीने बाद केरल से चेत सिंह नाम के एक युवक को बुलाया और मामले का गवाह बनाया। चेत सिंह नौकरी की तलाश में केरल गया था। चेत सिंह ने अदालत को बताया कि 19 सितंबर 2021 को उसकी बाइक खराब हो गई थी। ऐसे में वह आरोपियों के यहां रुका था और उसने देखा था कि दोनों आरोपी किसी व्यक्ति को पीट रहे थे। गवाह और पुलिस जांच के आधार पर मंडला की सेशन कोर्ट ने दोनों आरोपियों को उम्रकैद की सजा सुनाई थी, जबकि जस्टिस विवेक अग्रवाल और जस्टिस एके सिंह की बेंच ने दोनों आरोपियों को बरी कर दिया।

सिद्धू मूसेवाला हत्या के सात आरोपियों की जमानत याचिका खारिज

चंडीगढ़, 3 अगस्त (एजेंसियां)। बहुचर्चित सिद्धू मूसेवाला हत्याकांड मामले में पंजाब-हरियाणा हाईकोर्ट ने सातों आरोपियों की जमानत की मांग वाली याचिकाओं को खारिज कर दिया है। कोर्ट ने कहा कि मामला बेहद गंभीर है और चश्मदीद गवाहों की गवाही पूरी होने तक जमानत पर विचार नहीं किया जा सकता। हिरासत में मौजूद 7 आरोपियों ने विभिन्न आधार बनाते हुए हाईकोर्ट से जमानत की मांग की थी। प्रभदीप सिंह उर्फ पब्बी, जगतार सिंह, मनप्रीत सिंह उर्फ भाऊ, नसीब दीन, राजिंदर उर्फ जोकर, पवन कुमार बिश्नोई और सराज की याचिकाएं एक साथ सुनवाई के लिए पहुंची थीं। सभी पर हत्या सहित अन्य धाराओं में पुलिस ने मामला दर्ज किया था। याचिकाकर्ताओं के वकीलों ने दलील दी कि वे दो साल से हिरासत में हैं और ट्रायल की गति बेहद धीमी है। पंजाब सरकार ने विरोध करते हुए कहा कि मामले में कुल 180 अभियोजन गवाह हैं जिनमें से तीन चश्मदीद हैं।

सेब से भरा पिकअप वाहन यमुना नदी में गिरा, चार घायल

टिहरी, 3 अगस्त (एजेंसियां)। उत्तराखंड में टिहरी जिले के जौनपुर ब्लाक के नैनबाग क्षेत्र में सुमन क्यारी के समीप सेब से भरा एक पिकअप वाहन दुर्घटनाग्रस्त होकर यमुना नदी में जा गिरा। हादसे में वाहन में सवार चार लोग बुरी तरह से घायल हो गए हैं। घायलों को उपचार के लिए नैनबाग प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती किया गया है। वहीं, एक व्यक्ति की गंभीर स्थिति को देखते हुए डॉक्टरों ने उसे हायर सेंटर विकासनगर के लिए रेफर कर दिया है।

लाखों के नकली ऑटो पार्ट्स रैकेट का किया भंडाफोड़, 5 गिरफ्तार

नई दिल्ली, 3 अगस्त (एजेंसियां)। अगर आप गाड़ियों में ऑटो पार्ट्स लगवा रहे हैं, तो थोड़ा सावधान हो जाइए। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने दिल्ली में नकली ऑटो पार्ट्स के बड़े रैकेट का पर्दाफाश करते हुए पांच लोगों को गिरफ्तार किया है। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने करोल बाग और मदनपुर इलाके में की गई छापेमारी में होंडा, टीवीएस और एएसके जैसी नामी ऑटो कंपनियों के नकली स्पेयर पार्ट्स और इंजन ऑयल की भारी खेप बरामद हुई है, जिसकी अनुमानित बाजार कीमत लाखों में बताई जा रही है। पुलिस ने इस मामले में शुभम पंजियार, हिमांशु कवात्रा, नवीन उर्फ दीपक तनेजा, रमाकांत चौरसिया और श्याम नारायण को गिरफ्तार किया है।

मनसे कार्यकर्ताओं ने नवी मुंबई के एक डांस बार में की जमकर तोड़फोड़

मुंबई, 3 अगस्त (एजेंसियां)। महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) के कार्यकर्ताओं ने नवी मुंबई स्थित एक डांस बार के परिसर में जमकर उत्पात मचाया है। मनसे के कार्यकर्ताओं ने डांस बार परिसर में तोड़फोड़ की है। नवी मुंबई के पनवेल में शनिवार देर रात को यह घटना हुई है। इस पूरे मामले की अधिक जानकारी देते हुए पुलिस ने कहा कि मनसे के कुछ कार्यकर्ता पनवेल के बाहरी इलाके में स्थित 'नाइट राइडर्स बार' में घुस गए, जहां उन्होंने कथित तौर पर फर्नीचर में तोड़फोड़ की, शराब की बोतलें तोड़ दीं और संपत्ति को भारी नुकसान पहुंचाया। कई सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर इस घटना का एक वीडियो भी सामने आया है, जिसमें टूटी हुई मेजें, टूटे हुए कांच और बार के अंदरूनी हिस्से में हुई तोड़फोड़ नजर आ रही है।

आर्मी ऑफिसर का तांडव

स्पाइसजेट के कर्मचारियों को लात-घूसों से पीटा, टूटी हड्डी, अस्पताल में भर्ती

जम्मू, 3 अगस्त (एजेंसियां)। श्रीनगर से दिल्ली जाने वाली उड़ान संख्या एसजी-386 के बोर्डिंग गेट पर एक यात्री ने स्पाइसजेट के चार कर्मचारियों पर गंभीर हमला किया। स्पाइसजेट के एक प्रवक्ता ने बताया कि लात-घूंसे से हमला और कतार में खड़े होने से हमारे कर्मचारियों की रीढ़ की हड्डी टूट गई और उनके जबड़े में गंभीर चोटें आईं। उन्होंने बताया कि स्पाइसजेट का एक कर्मचारी बेहोश होकर जमीन पर गिर पड़ा।

बेहोश होने के बावजूद भी यात्री उस कर्मचारी को लात-घूँसे मारता रहा। बेहोश हुए कर्मचारी की मदद के लिए नीचे झुके एक व्यक्ति के जबड़े पर जोरदार लात मारने से उसकी नाक और मुंह से खून बहने लगा। घायल कर्मचारियों को अस्पताल ले जाया गया। अस्पताल में कर्मचारियों की गंभीर चोटों का इलाज चल रहा है।

तीन बदमाशों ने 15 साल की लड़की को जलाया

दिल्ली एम्स के डॉक्टर भी नहीं बचा पाए

पुरी, 3 अगस्त (एजेंसियां)। ओडिशा के पुरी में तीन अज्ञात बदमाशों ने जिस लड़की को आग के हवाले किया था, उसकी दिल्ली एम्स में इलाज के दौरान मौत हो गई। मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने बताया कि एक पखवाड़े पहले कथित तौर पर आग के हवाले कर दी गई 15 वर्षीय लड़की की इलाज के दौरान मौत हो गई। पुरी जिले में भार्गवी नदी के तट पर 19 जुलाई की सुबह तीन अज्ञात लोगों ने लड़की का कथित तौर पर अपहरण कर लिया और उसे आग लगा दी थी। पीड़ित लड़की की मां ने बलंगा थाने में दर्ज कराई गई प्राथमिकी में बताया कि घटना उस समय हुई जब नाबालिग एक दोस्त से मिलने के बाद अपने घर जा रही थी। तीन लोगों ने उसे रोककर अगवा कर लिया और उस पर ज्वलनशील पदार्थ डालकर आग लगा दी।

वह 70 प्रतिशत से अधिक झुलस चुकी थी। उसे 19 जुलाई को सबसे पहले पिपिली सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया। बाद में उसे उसी दिन एम्स, भुवनेश्वर ले जाया गया और अगले दिन हवाई मार्ग से दिल्ली के एम्स ले जाया गया, जहां उसकी कम से कम दो 'सर्जरी' और 'स्किन ग्राफ्टिंग' की गई। मजिस्ट्रेट की मौजूदगी में पीड़िता का बयान दर्ज किया था।

पंजाब के किसान को पाकिस्तान में जेल

फिरोजपुर, 3 अगस्त (एजेंसियां)। पंजाब का किसान पाकिस्तान की जेल में बंद है। वहीं अब किसान को पाकिस्तान की अदालत ने कैद की सजा भी सुनाई है। ऐसे में किसान को जेल में ही रहना पड़ेगा। फिरोजपुर के जलालाबाद के गांव खैरेके उताड़ के 23 वर्षीय किसान अमृतपाल सिंह डेढ़ महीने से पाकिस्तान में है। किसान अमृतपाल सिंह 15 जून को गलती से पाकिस्तान की सीमा में चला गया था। इसके बाद उसे पाकिस्तान पुलिस की हिरासत में लिया था। परिवार ने केंद्रीय विदेश मंत्रालय से अमृतपाल को सुरक्षित स्वदेश लौटने की गुहार लगाई थी।

गांव खैरेके उताड़ के किसान अमृतपाल सिंह को पाकिस्तान की कोर्ट ने एक माह की कैद और 50 हजार रुपये जुर्माने की सजा सुनाई है। जुर्माना न देने की स्थिति में उसे 15 दिन अतिरिक्त जेल में रहना होगा। किसान अमृतपाल को इस्लामाबाद की जेल में रखा गया है। अमृतपाल के पिता जगराज सिंह ने बताया इस फैसले से उन्हें पर कुछ राहत मिली है, क्योंकि अदालत ने सजा पूरी होने के बाद उन्हें भारत वापस भेजने (डिपोर्ट) के लिए आवश्यक प्रबंध करने के निर्देश भी दिए हैं।

पत्नी के अफेयर से परेशान शख्स ने बच्चों को खिलाया जहर, फिर कर लिया सुसाइड

सूरत, 3 अगस्त (एजेंसियां)। शहर के डिंडोली इलाके में एक बेहद दर्दनाक और चौंकाने वाली घटना सामने आई है। 41 वर्षीय स्कूल टीचर अल्पेशभाई कांतीभाई सोलंकी ने अपनी पत्नी पर अवैध संबंध होने के शक में अपने दो मासूम बच्चों को जहर देकर मार डाला और फिर खुदकुशी कर ली। रिपोर्ट के मुताबिक, यह वारदात उस वक्त सामने आई जब जिला पंचायत कार्यालय में क्लर्क के पद पर कार्यरत अल्पेशभाई की पत्नी घर पहुंची और देखा कि दरवाजा अंदर से बंद है। ई बार फोन करने के बावजूद जब अल्पेश ने जवाब नहीं दिया, तो उसने रिश्तेदारों को बुलाया। दरवाजा तोड़कर जब वे घर में दाखिल हुए, तो देखा कि दोनों बच्चे बिस्तर पर मृत पड़े हैं और पास ही अल्पेशभाई का शव भी मिला।

डिंडोली पुलिस को मौके से एक सुसाइड नोट, दो डायरियां और कुछ वीडियो क्लिप्स अल्पेश के मोबाइल में मिले हैं। पुलिस उपायुक्त विजय सिंह गुर्जर ने बताया कि सुसाइड नोट करीब 5-6 पन्नों का है, जो अल्पेश ने अपने माता-पिता और पत्नी को संबोधित करते हुए लिखा था। इसमें उसने साफ तौर पर बताया कि वह अपनी पत्नी के अफेयर की वजह से मानसिक तनाव में था और इसी वजह से उसने यह खौफनाक कदम उठाया।

प्याज की कीमतों में भारी गिरावट

नासिक, 3 अगस्त (एजेंसियां)। महाराष्ट्र में प्याज की कीमतों में भारी गिरावट से किसानों की चिंता बढ़ गई है। इसे लेकर महाराष्ट्र प्याज उत्पादक संघ ने मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से एशिया की सबसे बड़ी प्याज मंडी लासलगांव कृषि उपज बाजार समिति (एपीएमसी) में तत्काल विशेष बैठक बुलाने की मांग की है। संघ ने कहा है कि बैठक में किसानों की समस्या का समाधान निकाला जाए। संघ के प्रतिनिधिमंडल ने लासलगांव एपीएमसी के अध्यक्ष और सचिव को पत्र लिखकर सीएम को बैठक में बुलाने के लिए कहा है। महाराष्ट्र राज्य प्याज उत्पादक संघ के संस्थापक अध्यक्ष भरत दिघोले और नासिक जिला अध्यक्ष जयदीप भदाने ने पत्र में प्याज की कीमतों में गिरावट के कारण किसानों को हुए नुकसान का जिक्र किया है।

संघ ने कहा कि महाराष्ट्र भर में प्याज किसानों को मौजूदा समय में केवल 800 रुपये से 1,200 रुपये प्रति क्विंटल का दाम मिल रहा है। जबकि उत्पादन लागत कम से कम 2,500 रुपये प्रति क्विंटल है। इससे प्याज किसानों को रोज भारी नुकसान हो रहा है।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH
स्वतंत्र वार्ता
सोमवार, 4 अगस्त, 2025 3

मेरा हैदराबाद

सुविचार: पैसे वाले का जमाना है साहब लोगों से वफादारी की उम्मीद मत रखा करो।

तेलंगाना हर स्तर पर बनकाचेरला परियोजना का विरोध करेगा : उत्तम

हैदराबाद, 3 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। सिंचाई, खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री एन उत्तम कुमार रेड्डी ने रविवार को कहा कि तेलंगाना की कांग्रेस सरकार आंध्र प्रदेश की बनकाचेरला परियोजना का हर स्तर पर विरोध करेगी। उन्होंने इसे आंध्र प्रदेश पुनर्गठन अधिनियम और 1980 के गोदावरी नदी जल समझौते का उल्लंघन बताया।

पेद्दापल्ली जिले में विभिन्न कार्यक्रमों में मंत्रियों पोन्नम प्रभाकर, डी. श्रीधर बाबू, तुम्मला नागेश्वर राव और अदलुरी लक्ष्मण कुमार के साथ बोलते हुए, उत्तम कुमार रेड्डी ने कहा कि केंद्रीय जल आयोग (सीडब्ल्यूसी), गोदावरी नदी प्रबंधन बोर्ड (जीआरएमबी) और पोलावरम परियोजना प्राधिकरण ने तेलंगाना की आपत्तियों के आधार पर बनकाचेरला परियोजना के लिए अनुमति देने से इनकार कर दिया था। उन्होंने आगे कहा कि केंद्र ने राज्य के अनुरोधों के जवाब में पर्यावरणीय मंज़ूरी भी रोक दी थी। दिल्ली में मुख्यमंत्रियों की हालिया बैठक का हवाला देते हुए, उत्तम कुमार रेड्डी ने कहा कि तेलंगाना ने बनकाचेरला परियोजना पर अपनी आपत्तियां दृढ़ता से रखीं। उन्होंने बीआरएस नेताओं पर गैर-ज़िम्मेदाराना बयान देने और जनता को गुमराह करने का आरोप लगाया, जबकि वे जानते हैं कि यह परियोजना अंतर-राज्यीय जल-बंटवारा कानूनों का उल्लंघन करती है।

उन्होंने आंध्र प्रदेश के मंत्री नारा लोकेश की भी बनकाचेरला परियोजना पर आगे बढ़ने की कसम खाने के लिए आलोचना की और कहा कि तेलंगाना इस परियोजना का निर्माण नहीं होने देगा। उत्तम कुमार रेड्डी ने आरोप लगाया कि तेलंगाना की औपचारिक आपत्तियों के कारण ही केंद्र ने इस परियोजना का विरोध किया। उन्होंने दोहराया कि बनकाचेरला परियोजना पुनर्गठन अधिनियम और पहले हुए जल-बंटवारा समझौतों के प्रावधानों के खिलाफ है और घोषणा की कि तेलंगाना इसके निर्माण को रोकने के लिए हर संभव कदम उठाएगा। मंत्री ने पूर्व मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव पर आरोप लगाया कि उन्होंने पहले कहा था कि गोदावरी का पानी रायलसीमा की ओर मोड़ दिया जाएगा, और इसे तेलंगाना के जल अधिकारों के साथ विश्वासघात बताया। उन्होंने कहा कि तेलंगाना न केवल मौजूदा सिंचाई ढांचे का उपयोग करने का इरादा रखता है, बल्कि गोदावरी नदी के किनारे इचंपल्ली परियोजना सहित नई परियोजनाएं भी स्थापित करेगा ताकि अपने हिस्से का पूरा उपयोग किया जा सके। राज्य के कल्याणकारी प्रयासों पर, उत्तम कुमार रेड्डी ने कहा कि कांग्रेस सरकार वर्तमान में 3.17 करोड़ लाभार्थियों को उत्तम चावल वितरित कर रही है, जो पिछली सरकार के शासनकाल में 2.81 करोड़ लोगों को मिले निम्न-गुणवत्ता वाले टूटे चावल की जगह ले रहा है।

उन्होंने कहा कि राज्य की 84 प्रतिशत आबादी इस योजना के अंतर्गत आती है। उन्होंने बताया कि कांग्रेस के सत्ता में आने के बाद से 8.64 लाख नए कार्ड जारी किए गए हैं और राशन कार्डों की संख्या 89 लाख से बढ़कर 98.59 लाख हो गई है।

42 प्रतिशत आरक्षण हासिल करने के लिए संघर्ष करना होगा : जॉन वेस्ली

हैदराबाद, 3 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। सीपीएम के राज्य सचिव जॉन वेस्ली ने रविवार को कहा कि सभी नेताओं को राज्य के पिछड़े वर्गों के लिए 42 प्रतिशत आरक्षण हासिल करने के लिए संघर्ष के लिए तैयार रहना चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि अगर तेलंगाना राज्य में जाति जनगणना कराने और उसके आधार पर पिछड़े वर्गों के लिए 42 प्रतिशत आरक्षण लागू करने के लिए विधानसभा में कोई विधेयक पारित करके केंद्र को भेजा जाता है, तो केंद्र सरकार पिछड़े वर्गों के आरक्षण को रोक रही है।

उन्होंने कहा, अगर कोई अध्यादेश लाकर राज्यपाल के पास भेजा जाता है, तो राज्यपाल उसे भी टाल रहे हैं। इसी वजह से भाजपा स्थानीय निकाय चुनावों में देरी कर रही है और ग्राम पंचायतों को केंद्र से मिलने वाली राशि नहीं मिल पा रही है। राज्य विधानसभा में हुई बैठक में सभी दलों ने इसका समर्थन किया। लेकिन भाजपा पिछड़ी जातियों के आरक्षण से मुसलमानों को बाहर करने की नाजायज़ मांग ला रही है। गुजरात, उत्तर प्रदेश, कर्नाटक और राजस्थान जैसे भाजपा शासित राज्यों में मुसलमानों के लिए आरक्षण लागू किया जा रहा है, लेकिन तेलंगाना में इसे लागू न करने की बात कहकर इसका विरोध किया जा रहा है। मैं इस मुद्दे पर सामाजिक न्याय चाहने वाली सभी ताकतों से इस पर विचार करने की अपील करता हूं।

लोकप्रिय फिल्म अभिनेता चिरंजीवी ने मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी से उनके जुबली हिल्स, हैदराबाद स्थित आवास पर शिष्टाचार भेंट की।

किशन रेड्डी ने हथकरघा क्षेत्र में प्रगति की सराहना की

हैदराबाद, 3 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय मंत्री किशन रेड्डी ने रविवार को राष्ट्रीय हथकरघा दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित सप्ताह भर के समारोह के उद्घाटन समारोह को संबोधित किया। उन्होंने इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में उपस्थित सभी लोगों को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि हथकरघा और वस्त्र उद्योग भारत की अर्थव्यवस्था का एक महत्वपूर्ण हिस्सा हैं, जिसके माध्यम से लाखों लोगों को रोजगार मिलता है और इस क्षेत्र में विदेशी मुद्रा भी उल्लेखनीय रूप से बढ़ रही है। उन्होंने कहा, कृषि क्षेत्र के बाद, सबसे अधिक रोजगार हथकरघा क्षेत्र में सृजित हो रहा है। इस क्षेत्र के माध्यम से लगभग 5 करोड़ लोग प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार प्राप्त कर रहे हैं। केंद्र सरकार ने मेक इन इंडिया कार्यक्रम के माध्यम से इस क्षेत्र को बढ़ावा दिया है। वह 5एफ रणनीति को लागू कर रही है। खेत से रेशा, कपड़ा फैशन और विदेशी बाजार।

केंद्र इसी दृष्टिकोण के साथ आगे बढ़ रहा है। इसी के कारण, पिछले 11 वर्षों में हथकरघा क्षेत्र साल दर साल बढ़ रहा है। रेड्डी ने बताया कि हथकरघा क्षेत्र देश के सकल घरेलू उत्पाद में 2.3 प्रतिशत का योगदान देता है और कहा कि औद्योगिक उत्पादन का 13 प्रतिशत हथकरघा क्षेत्र से आता है, जबकि निर्यात का 12 प्रतिशत हमारे हथकरघा क्षेत्र से आता है। इस प्रोत्साहन के कारण, भारत दुनिया में हथकरघा और वस्त्रों का छठा सबसे बड़ा निर्यातक है। 2023-24 में, हथकरघा क्षेत्र के माध्यम से 3 लाख करोड़ रुपये का निर्यात किया गया। मोदी सरकार इसे 2030 तक बढ़ाकर 9 लाख करोड़ रुपये करने के लक्ष्य के साथ काम कर रही है। इसीलिए वह उत्पादक प्रोत्साहन योजना (पीएलआई) के माध्यम से पूरा समर्थन प्रदान कर रही है। राष्ट्रीय हथकरघा विकास परियोजना (एनएचडीपी) के माध्यम से, केंद्र हथकरघा बुनकरों के साथ खड़ा है। इस परियोजना के माध्यम से, अंतर्राष्ट्रीय बाजार के लिए विपणन सुविधाएं और तदनुसार बुनियादी ढांचे का निर्माण प्रदान किया जा रहा है। इसके अलावा, यह रियायती ऋण भी प्रदान कर रहा है। मोदी सरकार राष्ट्रीय और राज्य पुरस्कार जीतने वाले बुनकरों को 8,000 रुपये की मासिक पेंशन भी प्रदान कर रही है। उन्होंने कहा कि बुनकरों के बच्चों के लिए, यदि वे कपड़ा अध्ययन के क्षेत्र में उच्च शिक्षा में रुचि दिखाते हैं, तो केंद्र प्रति वर्ष 2 लाख रुपये की छात्रवृत्ति भी प्रदान कर रहा है। इसके अलावा, केंद्र हमारे बुनकरों के काम को उचित मान्यता दे रहा है और घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय प्रदर्शनियों में भाग लेने के लिए पूर्ण सहायता प्रदान कर रहा है। उन्होंने कहा कि तेलंगाना के लगभग 20 हथकरघा कारीगरों ने ऑस्ट्रेलिया, जर्मनी, इटली और संयुक्त राज्य अमेरिका में आयोजित प्रदर्शनियों में हमारी बुनाई कला का प्रदर्शन किया है। इससे स्थानीय हथकरघा कारीगरों को विश्व बाज़ार की जानकारी मिलेगी और वे अपने उत्पादों का प्रचार कैसे कर सकते हैं। तेलंगाना राज्य एक अंतरराष्ट्रीय हथकरघा केंद्र के रूप में उभर रहा है। यहां की बुनाई कला को दुनिया भर में मान्यता प्राप्त है। हमारे 17 हज़ार से ज़्यादा हथकरघे, लगभग 48 हज़ार बुनकर और उनसे जुड़े कारीगर हमारे हथकरघा क्षेत्र की एक बड़ी संपत्ति हैं। यह उनकी कला के कारण है... पोचमपल्ली इक्कत, गदवाल साड़ियां, नारायणपेट सूती साड़ियां, सिद्दीपेट गोलाभामा साड़ियां और तेलिया रुमाल। वारंगल कालीन को जीआई टैग मिला है। इसे अंतरराष्ट्रीय पहचान भी मिली है।

ऑपरेशन मुस्कान ने 328 बाल मजदूरों को बचाया

आदिलाबाद, 3 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। हाल ही में संपन्न 'ऑपरेशन मुस्कान' के दौरान पूर्ववर्ती आदिलाबाद जिले में मजदूरी के लिए मजबूर 300 से अधिक बच्चों को बचाया गया, जिससे वे स्कूल लौट सकें और अपना बचपन वापस पा सकें। अधिकारियों ने बताया कि 1 से 31 जुलाई तक चले एक महीने के अभियान के तहत कुल 328 बच्चों को बचाया गया। इनमें से सबसे अधिक 122 बच्चे मंचेरियल जिले से, उसके बाद आदिलाबाद (93), निर्मल (65) और कुमराम भीम आसिफाबाद (48) से बचाए गए।

महिला विकास एवं बाल कल्याण विभाग के तत्वावधान में, पुलिस, जिला बाल संरक्षण इकाइयों, श्रम, शिक्षा एवं स्वास्थ्य विभागों और गैर-सरकारी संगठनों के सहयोग से, यह बचाव अभियान चलाया गया। संयुक्त टीमों ने भोजनालयों, ईंट भट्टों, फलों की दुकानों, निर्माण स्थलों और अन्य प्रतिष्ठानों का औचक निरीक्षण किया और नाबालिगों को शोषणकारी परिस्थितियों से बचाया। इस अभियान के दौरान नियोक्ताओं और अभिभावकों को बाल श्रम के कानूनी और सामाजिक परिणामों के बारे में जागरूक करने के लिए जागरूकता अभियान भी चलाए गए।

पुलिस अधिकारियों ने बताया कि बचाए गए बच्चों को काउंसलिंग के बाद उनके माता-पिता को सौंप दिया गया है। कम वेतन और शोषणकारी परिस्थितियों में बच्चों से काम कराने वाले प्रतिष्ठानों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी गई है। बचाए गए कई बच्चे ओडिशा, मध्य प्रदेश, राजस्थान, छत्तीसगढ़ और महाराष्ट्र सहित अन्य राज्यों के रहने वाले हैं। अधिकारियों ने बताया कि 2017 से जुलाई 2025 के बीच ऑपरेशन स्माइल के आठ संस्करणों के माध्यम से अविभाजित आदिलाबाद जिले से 7,000 से अधिक बच्चों को बचाया गया है। जबकि कई को उनके मूल राज्यों में वापस भेज दिया गया, अनाथ और बेसहारा बच्चों के साथ-साथ विशेष जरूरतों वाले बच्चों को राज्य द्वारा संचालित गृहों में भर्ती कराया गया।

महीने भर चले अभियान के दौरान, प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में चार पुलिस कांस्टेबलों सहित सात सदस्यों की एक विशेष टीम ने बाल श्रमिकों की पहचान की और उन्हें मुक्त कराया।

इन टीमों ने परिवारों को परामर्श भी दिया और यह सुनिश्चित किया कि बच्चों का स्कूल में नामांकन हो। नाबालिगों को काम पर रखने वाले छोटे-मोटे ढाबों, बेकरियों, फल विक्रेताओं और अन्य व्यवसायों के खिलाफ मामले दर्ज किए गए। राज्य ने बाल श्रम उन्मूलन के लिए 2017 में ऑपरेशन मुस्कान नामक दोहरे अभियान की शुरूआत की थी, जिसका नाम था जनवरी में ऑपरेशन स्माइल और जुलाई में ऑपरेशन मुस्कान। इस पहल का नेतृत्व महिला विकास एवं बाल कल्याण विभाग पुलिस, श्रम अधिकारियों और स्वयंसेवी संगठनों के सहयोग से कर रहा है।

एसपीसीए कार्यालय का बीआरके भवन में उद्घाटन

हैदराबाद, 3 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य पुलिस शिकायत प्राधिकरण (एसपीसीए) का कार्यालय उद्घाटन समारोह आज हैदराबाद स्थित बीआरकेआर भवन के डी ब्लॉक, आठवीं मंजिल पर आयोजित किया गया। एसपीसीए की स्थापना 2006 में सेवानिवृत्त आईपीएस प्रकाश सिंह द्वारा दायर जनहित याचिका पर दिए गए सर्वोच्च न्यायालय के दिशानिर्देशों के अनुसार की गई है ताकि पुलिस उपाधीक्षक और उससे ऊपर के पदों के पुलिसकर्मियों के खिलाफ शिकायतों का पारदर्शिता, जवाबदेही और निष्पक्ष निवारण सुनिश्चित किया जा सके। इस कार्यक्रम में न्यायमूर्ति (सेवानिवृत्त) बी. शिवशंकर राव, अध्यक्ष, उपस्थित थे, जिन्होंने बीआरकेआर भवन में एसपीसीए कार्यालय का औपचारिक उद्घाटन किया। एसपीसीए के सदस्य प्रमोद कुमार, सेवानिवृत्त आईपीएस, डॉ. वरे वेंकटेश्वरलू, जिला पुलिस शिकायत प्राधिकरण के अध्यक्ष, जिला न्यायाधीश (सेवानिवृत्त) वाई. अरविंद रेड्डी, सदस्य के.वी. राम नरसिम्हा रेड्डी, अपर पुलिस अधीक्षक श्री. एसपी (सेवानिवृत्त), एस. राजेंद्र और श्री रमण कुमार, एआईजी (कानून और व्यवस्था) ने भाग लिया। अध्यक्ष न्यायमूर्ति (सेवानिवृत्त) शिव शंकर राव ने अपने संबोधन में लोकतंत्र को मजबूत करने और पुलिस व्यवस्था में जनता के विश्वास को बढ़ावा देने में ऐसे संस्थानों के महत्व पर बल दिया और यह भी बताया कि एसपीसीए स्वतंत्र रूप से कार्य करेगा और नागरिकों को पुलिस उपाधीक्षक और उससे ऊपर के रैंक के पुलिस कर्मियों द्वारा किसी भी कदाचार या कर्तव्य की उपेक्षा के खिलाफ शिकायत दर्ज करने के लिए एक सुलभ मंच प्रदान करेगा। एसपीसीए पुलिस बल की अखंडता को बनाए रखने और कानून के शासन को बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। अध्यक्ष ने आम जनता से पुलिस कदाचार से संबंधित अपनी शिकायतों के निवारण के लिए हैदराबाद के बीआरकेआर भवन, डी ब्लॉक, आठवीं मंजिल पर स्थित एसपीसीए कार्यालय से संपर्क करने की अपील की है।

कांग्रेस पिछड़े वर्गों और अल्पसंख्यकों के सशक्तिकरण के लिए प्रतिबद्ध : शब्बीर अली

हैदराबाद, 3 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना कांग्रेस जनहित पदयात्रा के तहत, कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और सरकार के सलाहकार मोहम्मद अली शब्बीर ने रविवार को निज़ामाबाद ज़िले के अरमूर कस्बे के पीवीआर गार्डन में आयोजित एक संयुक्त ज़िला-स्तरीय प्रमुख पार्टी कार्यकर्ताओं की बैठक में भाग लिया। इस कार्यक्रम में अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की तेलंगाना प्रभारी मीनाक्षी नटराजन, टीपीसीसी अध्यक्ष महेश कुमार गौड़, मंत्री डी. सीतक्का और कई विधायकों एवं जनप्रतिनिधियों सहित वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं ने भाग लिया। पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए, शब्बीर अली ने तेलंगाना में कांग्रेस पार्टी की सत्ता में वापसी का श्रेय जमीनी कार्यकर्ताओं के अथक प्रयासों को दिया। उन्होंने उपस्थित लोगों से कहा, आपके 10 साल के संघर्ष की बदौलत आज हम सरकार में हैं। आपने हमारे लिए कड़ी मेहनत की है- अब यह हमारी ज़िम्मेदारी है कि हम आपके लिए काम करें और आपको नेता बनने में मदद करें।

उन्होंने राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा की प्रशंसा की, जो देश भर में 4,000 किलोमीटर से ज़्यादा चली और कहा कि इससे उन्हें "लोगों के दिलों को समझने" और तेलंगाना की ज़रूरतों के मुताबिक़ कल्याणकारी नीतियां बनाने में मदद मिली। उन्होंने कहा कि तेलंगाना पिछड़े समुदायों को राजनीतिक शक्ति प्रदान करने में अग्रणी राज्य के रूप में उभरा है। शब्बीर अली ने कहा कि राहुल गांधी के आह्वान पर मीनाक्षी नटराजन और महेश कुमार गौड़ द्वारा शुरू की गई जनहित पदयात्रा का उद्देश्य जनता की समस्याओं को समझना, कांग्रेस के कार्यक्रमों के बारे में जागरूकता फैलाना और जन-केंद्रित शासन प्रदान करना है। कामारेड्डी में पिछड़ा वर्ग घोषणापत्र का ज़िक्र करते हुए उन्होंने कहा कि पिछड़ा वर्ग कोटा बढ़ाकर 42 प्रतिशत करने को तेलंगाना विधानसभा में पहले ही मंज़ूरी मिल चुकी है। उन्होंने घोषणा की, हम 5 अगस्त से दिल्ली में विरोध प्रदर्शन शुरू कर रहे हैं ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि इस घोषणापत्र को केंद्र भी मंज़ूरी दे।

कलेक्टर ने 20 किमी साइकिल चलाकर अस्पताल का किया निरीक्षण

फिटनेस को दिया बढ़ावा

मेदक, 3 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। जिला कलेक्टर राहुल राज ने रविवार को मेदक से रामायमपेट तक 20 किलोमीटर साइकिल चलाकर सरकारी अस्पताल का निरीक्षण किया, जहां उन्होंने स्वास्थ्य सेवाओं का आकलन करते हुए शारीरिक फिटनेस को बढ़ावा दिया। राज अपनी पत्नी के साथ रविवार सुबह कलेक्टर के कैंप कार्यालय से रवाना हुए और एक घंटे के अंदर अस्पताल पहुंच गए। वहां पहुंचकर उन्होंने अस्पताल के कर्मचारियों के उपस्थिति रजिस्टर की जांच की और दी जा रही सेवाओं की गुणवत्ता को समझने के लिए मरीज़ों से बातचीत की।

मीडिया से बात करते हुए कलेक्टर ने कहा कि जिले में मलेरिया का कोई मामला सामने नहीं आया है, तथा सक्रिय निवारक उपायों के कारण केवल डेंगू के कुछ मामले सामने आए हैं। उन्होंने कहा कि उनकी मैराथन साइकिल यात्रा का उद्देश्य समाज के सभी वर्गों में शारीरिक व्यायाम और अच्छे स्वास्थ्य को बनाए रखने के महत्व के बारे में जागरूकता बढ़ाना है।

228 साइबर अपराध आरोपियों को पकड़ा

मामलों में 13 प्रतिशत की गिरावट

हैदराबाद, 3 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना साइबर सुरक्षा ब्यूरो (टीजीसीएसबी) ने पिछले सात महीनों के दौरान भारत भर में विभिन्न साइबर अपराधों में शामिल 27 महिला अपराधियों सहित 228 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। ये गिरफ्तारियां तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, गुजरात, कर्नाटक, महाराष्ट्र, तमिलनाडु, उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल और झारखंड सहित कई राज्यों में की गईं।

टीजीसीएसबी की निदेशक शिखा गोयल ने कहा, इस साल की कार्रवाई में फर्जी कॉल सेंटरों और नौकरी घोटालों से लेकर बाल शोषण और साइबर गुलामी गिरोहों तक, साइबर अपराधों की एक विस्तृत श्रृंखला शामिल थी। टीजीसीएसबी द्वारा इस अवधि के दौरान चलाए गए तीन विशेष अभियानों सहित इस व्यापक प्रवर्तन प्रयास के परिणामस्वरूप इस वर्ष की पहली छमाही के दौरान तेलंगाना में साइबर अपराध के मामलों में 13 प्रतिशत की गिरावट आई।

इनमें से एक प्रमुख कार्रवाई हैदराबाद के हाई-टेक सिटी स्थित पत्रिका नगर से संचालित एक फर्जी कॉल सेंटर का भंडाफोड़ किया गया, जिसमें 63 व्यक्तियों को गिरफ्तार किया गया, जिनमें से अधिकांश गुजरात और पूर्वोत्तर राज्यों से थे। ये लोग साइबर धोखाधड़ी योजनाओं में एनआरआई और अमेरिकी नागरिकों को निशाना बना रहे थे। इसी अवधि के दौरान, टीजीसीएसबी की बाल संरक्षण इकाई (सीपीयू) ने तेलंगाना भर में बाल यौन शोषण और दुर्व्यवहार सामग्री (सीएसईएएम) से संबंधित 57 साइबर टिप लाइन शिकायतों से जुड़े 15 आदतन अपराधियों को गिरफ्तार किया।

इन विशेष अभियानों के अलावा, ब्यूरो ने देश भर में विभिन्न अपराधों में शामिल कई अन्य आरोपियों को भी गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार किए गए 228 आरोपी 1313 अखिल भारतीय और 189 तेलंगाना अपराध से जुड़े हैं, जिनमें 92 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी की गई थी। गिरफ्तार किए गए लोग भारत के हर कोने से हैं, जिनमें तेलंगाना (93), नागालैंड (42), गुजरात (20), आंध्र प्रदेश (17), पश्चिम बंगाल (6), उत्तर प्रदेश (6), मणिपुर (5), असम (5), महाराष्ट्र (5), ओडिशा (5), कर्नाटक (3), बिहार (3), मेघालय (2), तमिलनाडु (1), हरियाणा (1), झारखंड (1) और मध्य प्रदेश (1) शामिल हैं।

शिखा गोयल ने बताया कि गिरफ्तार किए गए लोग विभिन्न प्रकार के साइबर अपराधों में संलिप्त पाए गए, जिनमें 66 फर्जी कॉल सेंटरों से संबंधित, 77 निवेश और नौकरी धोखाधड़ी, 15 सीएसईएएम से संबंधित, 18 साइबर गुलामी मॉड्यूल, 13 ऑनलाइन ट्रेडिंग धोखाधड़ी और कई अन्य अपराध जैसे अवैध सिम बॉक्स ऑपरेटर, डिजिटल गिरफ्तारी, पहचान की चोरी, प्रतिरूपण आदि शामिल हैं।

चुनावी वर्ष में कांग्रेस को बड़ा झटका

पार्टी के वरिष्ठ नेता ने थाम लिया जेडीयू का दामन

पटना, 3 अगस्त (एजेंसियां)। चुनावी वर्ष में कांग्रेस को बड़ा झटका लगा है। वरिष्ठ नेता अशोक राम कांग्रेस छोड़कर जेडीयू में शामिल हो गए हैं। प्रदेश अध्यक्ष उमेश कुशवाहा ने उन्हें पार्टी की सदस्यता दिलाई। मंत्री विजय चौधरी, कार्यकारी अध्यक्ष संजय झा, जदयू कोटे के मंत्री श्रवण कुमार, मंत्री रत्नेश सदा इस मौके पर मौजूद रहे।

अशोक राम बड़े दलित चेहरे हैं

अशोक राम बिहार में कांग्रेस विधायक दल के नेता, कार्यकारी अध्यक्ष, मंत्री भी रह चुके हैं। कांग्रेस सीडब्ल्यूसी और सीईसी के सदस्य भी रह चुके हैं। 6 बार विधायक रहे हैं।

भाजपा के कद्दावर नेता और प्रवक्ता ने थामा लालू का दामन

पटना, 3 अगस्त (एजेंसियां)। राष्ट्रीय जनता दल के प्रदेश कार्यालय में राजद के प्रदेश उपाध्यक्ष डॉ। तनवीर हसन के समक्ष भाजपा अति पिछड़ा मोर्चा के प्रदेश प्रवक्ता सुरेश प्रसाद चौरसिया ने अपने समर्थकों के साथ राष्ट्रीय जनता दल की सदस्यता ग्रहण की। इस अवसर पर प्रदेश प्रवक्ता एजाज अहमद, प्रदेश महासचिव फैयाज आलम कमाल और संजय यादव भी उपस्थित थे। इस अवसर पर प्रदेश प्रवक्ता एजाज अहमद ने बताया कि प्रदेश उपाध्यक्ष डॉ। तनवीर हसन ने भाजपा नेता सुरेश प्रसाद चौरसिया और उनके समर्थकों को राजद की सदस्यता रसीद के साथ लालू जी की जीवनी 'गोपालगंज से रायसीना' पर लिखी पुस्तक देकर सम्मानित किया। और सभी को राजद की सदस्यता ग्रहण कराकर स्वागत किया।

इस अवसर पर प्रदेश उपाध्यक्ष डॉ। तनवीर हसन ने कहा कि देश के संविधान और लोकतंत्र को कमजोर करने की लगातार साजिश चल रही है। हम सभी को ऐसी ताकतों का डटकर मुकाबला करना होगा और लालू जी के विचारों और तेजस्वी जी के कार्यों को जन-जन तक पहुंचाना होगा। उन्होंने आगे कहा कि 17 महीने की महागठबंधन सरकार के दौरान तेजस्वी जी ने नौकरी, रोज़गार, शिक्षा, चिकित्सा, पर्यटन, आईटी सेक्टर, सिंचाई आदि के क्षेत्र में बिहार के विकास का जो रोडमैप तय किया, उससे बिहार में सकारात्मक राजनीति को बल मिला है।

बाढ़ में लापता हुए सपा सांसद

खोजने वाले को 150 रुपये का इनाम

हमीरपुर, 3 अगस्त (एजेंसियां)। हमीरपुर-म हो बा - तिं द वा री लोकसभा क्षेत्र से सपा सांसद अजेंद्र सिंह राजपूत जिले में आई बाढ़ के दौरान अपने क्षेत्र से नदारद हैं। बाढ़ पीड़ितों से मिलने न पहुंचने पर नाराज लोगों ने सोशल मीडिया पर उनके खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। फेसबुक पर एक पोस्ट वायरल हो रही है, जिसमें सांसद को लापता बताया गया है। उन्हें खोजकर लाने वाले को 150 रुपये का इनाम देने की बात कही गई है। पिछले तीन दिनों से जिले के कई इलाके बाढ़ की चपेट में हैं। इस दौरान केंद्रीय जलशक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह, जलशक्ति राज्यमंत्री रामकेश निषाद, सदर विधायक डॉ। मनोज प्रजापति और नगर पालिका अध्यक्ष कुलदीप निषाद जैसे नेता लगातार बाढ़ पीड़ितों से मिलकर उनकी समस्याओं का जायजा ले रहे हैं। लेकिन, सपा सांसद अजेंद्र सिंह राजपूत की तरफ से न तो कोई खबर ली गई है और न ही वे बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में गए हैं। इसी से नाराज होकर लोगों ने सोशल मीडिया के जरिए अपना गुस्सा जाहिर किया है। इस पोस्ट पर पक्ष और विपक्ष दोनों तरफ से कमेंट आ रहे हैं।

महिला का न्यूड शव मिला पुलिस बोली-तेंदुए ने मारा

बिजनौर, 3 अगस्त (एजेंसियां)। बिजनौर में चारा लेने गई महिला का खेत में न्यूड शव मिला। अंतड़ियां बाहर निकली थीं, हाथ का मांस नोचा हुआ था और गला पूरी तरह क्षतिग्रस्त था। महिला की चीख सुनकर गांव वाले पहुंचे तो महिला की मौत हो चुकी थी। लहूलुहान हालत में शव पड़ा हुआ था। सूचना पर पुलिस और वन विभाग की टीमें मौके पर पहुंचीं।

बड़ा हादसा ,नहर में पलटी श्रद्धालुओं से भरी बोलेरो, 11 की मौत

गोंडा, 3 अगस्त (एजेंसियां)। गोंडा में रविवार को पृथ्वीनाथ मंदिर जा रही श्रद्धालुओं से भरी बोलेरो नगर में पलट गई। इसमें 11 श्रद्धालुओं की मौके पर ही मौत हो गई। चार की हालत गंभीर बताई जा रही है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गोंडा सड़क हादसे की प्रशासन से जानकारी ली है। उन्होंने घायलों के इलाज के निर्देश दिए हैं। जानकारी के अनुसार मोतीगंज थाना के सीहागांव के रहने वाले प्रह्लाद गुप्ता बोलेरो गाड़ी से परिवार व दोस्तों के साथ पृथ्वीनाथ मंदिर जा रहे थे। बोलेरो में 15 लोग सवार थे। इस दौरान पारासराय अलावल देवरिया मार्ग पर रेहरा गांव में सरयू नहर पुल के पास उनका बोलेरो से कंट्रोल खो गया। वह सीधे नहर जा कर गिरी। थानाध्यक्ष इटियाथोक केजी राव ने जानकारी दी कि इस हादसे में 11 लोगों की मौत हो गई है। उनके शवों को नहर से निकाल लिया गया है। सभी शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा है। चार लोगों को नहर से निकालकर इलाज के लिए अस्पताल भेजा है।

55 जिलों में भारी बारिश और बिजली गिरने का अलर्ट

लखनऊ, 3 अगस्त (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में बीते कई दिनों से उमस और गर्मी से राहत देने के लिए बादलों ने रफ़्तार पकड़ ली है। मौसम विज्ञान विभाग ने अगले 24 घंटों में प्रदेश के कई जिलों में भारी बारिश, तेज हवाओं और बिजली गिरने की चेतावनी जारी की है। मौसम विभाग ने 55 जिलों के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया है, जिसमें लखनऊ, मऊ, गोरखपुर, बलिया, वाराणसी, सोनभद्र, मिर्जापुर, चंदौली, जौनपुर, गाजीपुर, आजमगढ़, कुशीनगर, देवरिया, संत कबीर नगर, बस्ती, सीतापुर, बाराबंकी, बहराइच, गोंडा, श्रावस्ती, लखीमपुर खीरी, हरदोई, और मुरादाबाद जैसे जिले शामिल हैं। मौसम विभाग के मुताबिक अगले 24 घंटों में उत्तर प्रदेश के पूर्वी और पश्चिमी हिस्सों में हल्की से मध्यम बारिश के साथ कुछ स्थानों पर भारी बारिश की संभावना है। लखनऊ और आसपास के क्षेत्रों में हल्की से मध्यम बारिश होगी, जबकि पूर्वी उत्तर प्रदेश के कई जिलों में भारी बारिश (64.5 मिमी से 115.5 मिमी) की चेतावनी है। तेज हवाएं (30-55 किमी/घंटा) और गरज-चमक के साथ बिजली गिरने का खतरा भी बना हुआ है।

जलभराव और बाढ़ का खतरा

प्रदेश में हाल के दिनों में हुई भारी बारिश के कारण कई नदियां, जैसे गंगा, यमुना, रामगंगा, गोमती, शारदा, और राप्ती, खतरे के निशान के करीब बह रही हैं। बहराइच, बलरामपुर, लखीमपुर खीरी, सीतापुर, बाराबंकी, गोंडा, और श्रावस्ती जैसे उत्तरी जिलों में बाढ़ जैसे हालात बन सकते हैं। निचले इलाकों में जलभराव की समस्या गंभीर हो सकती है, जिससे सड़कों पर यातायात बाधित होने और अंडरपास बंद होने की आशंका है। इसके साथ ही पिछले 24 घंटों में मुरादाबाद (270 मिमी), संभल (210 मिमी), हरदोई (170 मिमी), और बाराबंकी (320 मिमी) जैसे जिलों में भारी बारिश दर्ज की गई, जिसके कारण कई गांवों में बाढ़ का खतरा बढ़ गया है। मौसम विभाग ने चेतावनी दी है कि शहरी क्षेत्रों में जलभराव, ग्रामीण क्षेत्रों में फसलों को नुकसान, और कच्ची सड़कों को क्षति हो सकती है।

कलेक्टर आईएएस मेधा रूपम का दिखा रौद्र रूप

दादरी तहसील समाधान दिवस पर रोकी 5 अफसरों की सैलरी

गौतमबुद्ध नगर, 3 अगस्त (एजेंसियां)। गौतमबुद्ध नगर की नई डीएम आईएएस मेधा रूपम जिले का नया पदभार संभालते हुए एक्टिव हो गई हैं। इस बीच डीएम मेधा रूपम का कड़क तेवर भी देखने को मिला है। आईएएस मेधा रूपम ने ड्यूटी में लापरवाही को लेकर 5 अधिकारियों पर कार्रवाई की है। यह मामला दादरी तहसील पर समाधान दिवस से जुड़ा हुआ है। आइए आपको विस्तार से इस मामले की जानकारी देते हैं। असल में गौतमबुद्ध नगर की दादरी तहसील पर डीएम मेधा रूपम की अध्यक्षता में समाधान दिवस का आयोजन हुआ था। इस मौके पर डीएम ने लोगों की शिकायतें सुनीं। काफी संख्या में ग्रामीण अपनी समस्या को लेकर समाधान दिवस पर पहुंचे थे। डीएम मेधा रूपम ने मौके पर ही संबंधित विभाग के अधिकारियों को लोगों की समस्याओं को सुलझाने का आदेश और निपटारे का निर्देश दिया। इस बीच डीएम मेधा रूपम ने पाया कि तहसील समाधान दिवस पर 5 अधिकारी अनुपस्थित थे। उन्होंने तत्काल प्रभाव से ऐक्शन लेते हुए इन पांचों अधिकारियों का वेतन रोकने का निर्देश जारी कर दिया।

चंगाई सभा के बहाने धर्मांतरण का आरोप, बजरंग दल का हंगामा

मऊ, 3 अगस्त (एजेंसियां)। यूपी के मऊ में चंगाई सभा के नाम पर धर्म परिवर्तन करान एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। सूचना पर बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने हंगामा किया और पुलिस को बुलाया। मौके पर 400 से अधिक महिलाएं थीं। पुलिस ने दो लोगों को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि मौके से धार्मिक सामग्री भी बरामद हुई है। बता दें कि घोसी थाना क्षेत्र के ग्राम सभा पवनी में एक चंगाई सभा विवादों के घेरे में आ गई है। बजरंग दल के जिला संयोजक प्रांशु सिंह उर्फ तेजस ने अपने समर्थकों के साथ पहुंचकर इस सभा को धर्मांतरण का खेल करार दिया। सभा संजय कुमार प्रजापति के घर पर आयोजित की गई थी, जिसमें आसपास के 10 गांवों से करीब 400 महिलाएं शामिल थीं। घटना की सूचना मिलते ही घोसी पुलिस मौके पर पहुंची और संजय कुमार प्रजापति को हिरासत में लिया।

पुलिस विभाग में चयनित कर्मियों को सीएम योगी ने सौंपा नियुक्ति पत्र, इन पदों पर हुई भर्ती

लखनऊ, 3 अगस्त (एजेंसियां)। राजधानी लखनऊ में रविवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पुलिस दूरसंचार विभाग के लिए चयनित 1494 कर्मचारियों को नियुक्ति पत्र सौंपा। कार्यक्रम इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान के सभागार में हो रहा है। कार्यक्रम में सीएम के साथ कैबिनेट मंत्री सुरेश खन्ना समेत अन्य लोग मौजूद रहे। इससे पहले डीजीपी राजीव कृष्णा ने सीएम को प्रतीक चिन्ह भेंटकर उनका स्वागत किया। बताते चलें कि 60244 सिपाहियों की भर्ती के बाद उप्र पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड द्वारा पुलिस के आधुनिकीकरण के प्रक्रिया के तहत दूरसंचार विंग में रिक्त पदों पर भर्ती के लिए परीक्षा कराया था।

इसके आधार पर ही सहायक परिचालकों और कर्मशाला कर्मचारियों का चयन किया गया है। जिन लोगों को नियुक्ति पत्र दिया जाएगा, उनमें 1314 सहायक परिचालक और 120 कर्मशाला कर्मचारी शामिल हैं।

डबल मर्डर का खुलासा पागल प्रेमी ने भाई बहन को जिंदा जलाया

पटना, 3 अगस्त (एजेंसियां)। जानीपुर थाना क्षेत्र के नदवा गांव में दो सगे भाई-बहन की निर्मम हत्या कर दी गई थी। दोनों नाबालिग भाई बहनों पर किरासन तेल डालकर आग लगा दी गई थी, जिसमें जिंदा जलकर दोनों की मौत हो गई थी। नृशंस हत्या के इस मामले में पटना पुलिस ने सनसनीखेज खुलासा किया है। इस मामले में पटना एसएसपी कार्तिकेय शर्मा ने प्रेस वार्ता कर बताया कि हत्या की साजिश पहले से रची गई थी और इसके पीछे प्रेम-प्रसंग की गहरी कहानी छिपी थी। एसएसपी ने बताया कि इस दोहरे हत्याकांड की गंभीरता को देखते हुए एसआईटी का गठन किया गया था।

राम मंदिर के बाद अब सीता मंदिर के लिए गाएंगी:स्वाति मिश्रा

पटना, 3 अगस्त (एजेंसियां)। राम मंदिर के उद्घाटन के दौरान 'राम आएंगे तो अंगना सजाऊंगी' गाने से फेमस हुई बिहार की बेटी स्वाति मिश्रा अब पुनैराधाम स्थित माता सीता के मंदिर निर्माण में भी गाना गाएंगी।

उन्होंने कहा कि मैंने इस गाने की तैयारी भी शुरू कर दी है और मुंबई में इस गाने की रिकॉर्डिंग चल रही है। स्वाति मिश्रा ने कहा कि सीता मंदिर के शिलान्यास के दौरान माता सीता को लेकर उनका गाना आने वाला हैं। इसके लिए उन्होंने तैयारी भी शुरू कर दी है। मुंबई के स्टूडियो में इस गाने की रिकॉर्डिंग चल रही है। दर्शकों को यह गाना जल्द ही सुनने को मिलेगा।

स्वाति ने कहा कि सीता मंदिर के शिलान्यास के दौरान मैं वहां मौजूद रहूंगी। स्वाति मिश्रा के पिता राजेश मिश्रा के बीजेपी ज्वाइन पर उन्होंने कहा कि पिता के ज्वाइन करने पर यह बात फैल गई थी कि मैंने बीजेपी ज्वाइन किया है,

'जैसी बयानबाजी बीजेपी करती है

वैसी ही चुनाव आयोग भी करने लगे तो जनता को कैसे विश्वास होगा, तेजस्वी यादव को ईसी के जवाब पर बोले कांग्रेस सांसद

पटना, 3 अगस्त (एजेंसियां)। आरजेडी नेता तेजस्वी यादव ने यह आरोप लगाए थे कि उनका नाम वोटर लिस्ट ड्राफ्ट में नहीं है। हालांकि इसके तुरंत बाद ही में चुनाव आयोग ने ये पुष्टि की कि उनका नाम कटा नहीं है, उनका नाम मौजूद है। अब इस पर रविवार को कांग्रेस नेता अखिलेश प्रसाद सिंह ने अपनी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग को पार्टियों की तरह बयानबाजी नहीं करनी चाहिए। कांग्रेस नेता अखिलेश प्रसाद सिंह ने कहा, चुनाव आयोग तो अपनी बात कहेगा लेकिन बिहार से हजारों फोन हमें भी आ रहे हैं जिसमें गड़बड़ियां हैं। उसे दुरुस्त करने की जरूरत है और चुनाव आयोग को राजनीतिक पार्टियों की तरह बयानबाजी करने की जरूरत नहीं है। अगर तेजस्वी यादव कुछ कहते हैं तो उसे गंभीरता से लिया जाना चाहिए। जिस तरह की बयानबाजी बीजेपी करती है, यदि उसी तरह की बयानबाजी चुनाव आयोग भी करने लगे तो जनता को कैसे विश्वास होगा कि वे स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव करवाएंगे। दरअसल तेजस्वी यादव के आरोप के बाद चुनाव आयोग ने कहा था कि यह दावा कि उनका नाम सूची से हटा दिया गया है, पूरी तरह निराधार है। उन्हें ठीक से देखना चाहिए। चुनाव आयोग ने इस मामले में एक्स पोस्ट किया और तेजस्वी यादव के दावों को भ्रामक, निराधार और गैरजिम्मेदाराना बताया। बता दें कि पटना में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में तेजस्वी यादव ने दावा किया था कि एक अगस्त को जारी ड्राफ्ट लिस्ट से उनका नाम हटा दिया गया है। उन्होंने मीडिया के सामने चुनाव आयोग के मोबाइल ऐप में अपना महाकाव्य नंबर डाला और बताया कि ऐप कोई रिकॉर्ड नहीं मिला' दिखा रहा है।

तेजस्वी के मतदाता सूची में नाम न होने वाले बयान पर सियासत तेज, विपक्ष और भाजपा का एक-दूसरे पर हमला

पटना, 3 अगस्त (एजेंसियां)। राजद नेता और बिहार के पूर्व डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव के मतदाता सूची में नाम न होने वाले बयान पर सियासत तेज हो गई है। विपक्ष और भाजपा ने इस मुद्दे को लेकर एक-दूसरे पर हमला बोला है। सपा सांसद अवधेश प्रसाद ने कहा कि भाजपा इस देश में लोकतंत्र को खत्म करने में लगी हुई है। वहीं भाजपा नेता बूरा नरसैया गौड़ ने कहा कि विपक्षी गठबंधन लोकतंत्र की जड़ यानी चुनाव पर प्रहार करना चाहता है। सपा सांसद अवधेश प्रसाद ने कहा कि भाजपा इस देश में लोकतंत्र को खत्म करने में लगी हुई है।

वोट का अधिकार ही गरीबों की ताकत है। भाजपा इसी ताकत और सम्मान को खत्म करना चाहती है। इसकी शुरुआत हो चुकी है। बिहार में लोकसभा में पूरा विपक्ष चल रहे एसआईआर के खिलाफ कार्रवाई की मांग कर रहा है। हम कह रहे हैं कि यह वोट की चोरी है और इसे रोका जाना चाहिए। लेकिन सरकार इसे नहीं समझ रही है। कल भी संसद का सत्र है। देखते हैं क्या होता है। वहीं भाजपा नेता बूरा नरसैया गौड़ ने कहा ने कहा कि इस रवैये से बहुत गंभीरता से निपटा जाना चाहिए। अभी तक एनडीए सरकार और प्रधानमंत्री मोदी चुपचाप देख रहे हैं। राहुल गांधी, तेजस्वी यादव और इंडिया गठबंधन जैसे लोकतंत्र विरोधियों पर प्रहार करने का यह सही समय है। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी और उनकी टीम, तेजस्वी यादव और बिहार व पूरे भारत में इंडिया गठबंधन गोएबल्स विश्वविद्यालय के मास्टर बन गए हैं।

लोकतंत्र की जड़ यानी चुनाव पर प्रहार करना चाहते हैं। वे फर्जी मतदाता सूचियों के ज़रिये चुनाव जीतना चाहते हैं। इसीलिए वे बिहार में एसआईआर के खिलाफ हैं। ये लोग रोते-बिलखते बच्चे बन गए हैं क्योंकि वे अपनी जीत के लिए नकली मतदाताओं, बांग्लादेशी मतदाताओं, धोखेबाज मतदाताओं और नकाबपोश मतदाताओं पर निर्भर हैं। उन्होंने कहा कि अगर कोई और देश होता तो इन लोगों को जेल हो जानी चाहिए थी, क्योंकि यह देशद्रोह के अलावा और कुछ नहीं है। इस रवैये से बहुत गंभीरता से निपटना होगा। अभी तक एनडीए सरकार और प्रधानमंत्री मोदी चुपचाप देख रहे हैं।

'विधायक नहीं, डीएम बनूंगी'

बच्ची का जवाब सुनकर खुश हो गए जिलाधिकारी

औरैया, 3 अगस्त (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के औरैया में बाढ़ प्रभावित इलाकों के दौरे के दौरान एक मासूम बच्ची ने डीएम बनने की इच्छा जताई, लेकिन जब डीएम और विधायक ने नेता बनने की सलाह दी तो बच्ची ने साफ मना कर दिया। इस दौरान का वीडियो अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। औरैया में जिलाधिकारी डॉक्टर इंद्रमणि त्रिपाठी और बीजेपी सदर विधायक गुड़िया कठेरिया बाढ़ के चलते राहत कार्यों का जायजा लेने पहुंचे। तभी एक बच्ची ने डीएम से मिलने की इच्छा जाहिर की और मिलते ही बोला कि वह बड़ी होकर डीएम बनेगी। डीएम ने मुस्कराते हुए बच्ची को समझाया कि डीएम बनने के लिए बहुत मेहनत करनी पड़ती है।

रोज 14 घंटे काम करना होता है, जबकि नेता बनने में इतना झंझट नहीं है और डीएम से बड़ा विधायक होते हैं, लेकिन बच्ची का जवाब साफ था। हमें नेता नहीं बनना, हम मेहनत करेंगे और आप जैसे डीएम ही बनेंगे। जिलाधिकारी और विधायक गुड़िया कठेरिया ने भी बच्ची को नेता बनने के लिए प्रेरित करने की कोशिश की और पूछा फिर नेता कौन बनेगा? मगर बच्ची भी टस से मस नहीं हुई और कहा कि हम मेहनत करेंगे, लेकिन अफसर ही बनेंगे।

क्या शकील अहमद बचा पाएंगे कांग्रेस का किला

किसे चुनेगी कदवा की जनता

कटिहार, 3 अगस्त (एजेंसियां)। बिहार के कटिहार जिले की कदवा विधानसभा चर्चित सीटों में से एक है। यह सीट ना सिर्फ राजनीतिक दृष्टि से महत्वपूर्ण रही है, बल्कि अपने सामाजिक-सांस्कृतिक और भौगोलिक परिदृश्य के कारण भी लगातार सुर्खियों में रही है। कदवा की राजनीति अक्सर बदलते समीकरणों के साथ आगे बढ़ी है। वर्ष 2000 में यहां आरजेडी, 2005 में जेडीयू और 2010 में बीजेपी ने जीत दर्ज की थी।

इसके बाद 2015 और 2020 में कांग्रेस के शकील अहमद खान ने लगातार दो बार जीत हासिल कर कांग्रेस को यहां मजबूत स्थिति में पहुंचाया। अगर इस बार एंटी इनकंबेंसी फैक्टर प्रभावी नहीं हुआ, तो कांग्रेस फिर से यहां अच्छी स्थिति में रह सकती है, हालांकि मुकाबला बेहद कड़ा होने वाला है। कदवा विधानसभा क्षेत्र का राजनीतिक इतिहास भी काफी दिलचस्प है। इसकी स्थापना 1951 में हुई थी, लेकिन 1962 के बाद परिसीमन के चलते इसे हटा दिया गया। करीब 15 वर्षों के अंतराल के बाद 1977 में यह सीट फिर से अस्तित्व में आई। इस क्षेत्र की भौगोलिक स्थिति भी राजनीतिक रुख तय करने में बड़ी भूमिका निभाती है।

दो बांग्लादेशी गिरफ्तार

किशनगंज, 3 अगस्त (एजेंसियां)। भारत-नेपाल सीमा पर किशनगंज से सटे पश्चिम बंगाल में सी कंपनी पानी टंकी 41वीं वाहिनी एसएसबी बार्डर इंटरैक्शन टीम ने लगभग डेढ़ बजे दिन में दो बांग्लादेशी नागरिकों को पुराने पुल पानी टंकी पर उस समय गिरफ्तार किया गया, जब वे नेपाल से भारत में अवैध रूप से सीमा पार कर रहा था।

यह कार्रवाई बार्डर पीलर संख्या 90/1 के पास लगभग दो सौ मीटर भारतीय सीमा के भीतर की गई। पकड़ाए व्यक्तियों में नूर होसैन खोंडोकर पिता जाफर अहमद खोंडोकर ग्राम बौरपथोर, परशुराम पौरसभा परशुराम फेनी, बांग्लादेश और ओमर फारूक अरमान पिता टिपू खान कालिमारा, वार्ड संख्या 9, मदारीपुर सदर, मदरा 7900, बांग्लादेश शामिल है। संदिग्ध बांग्लादेशियों के पास से पांच मोबाइल फोन दो सिम कार्ड , नेपाली मुद्रा 17 सौ रुपये, बांग्लादेशी एक विकलांगता पहचान पत्र एवं एक बांग्लादेशी पहचान पत्र जब्त किया गया। पूछताछ में गिरफ्तार व्यक्ति नूर होसैन खोंडोकर जो पेशे से एक पिकअप ड्राइवर है।

गंगा नदी में मिली अमेरिकन कैटफिश

गाजीपुर, 3 अगस्त (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के गाजीपुर से चौंकाने वाला मामला सामने आया है। सैदपुर तहसील के पटना गांव के पास गंगा नदी में मछली पकड़ रहे मछुआरों के जाल में एक दुर्लभ मछली फंस गई। जिसे देखकर सभी दंग रह गए। मछुआरों ने बताया कि यह मछली आम मछलियों से बिल्कुल अलग थी। इसके पूरे शरीर पर बिल्ली जैसे चितकबरे रंग के निशान और कांटेदार बनावट थी। यह इसे अनोखा बनाती थी। इस विचित्र मछली को देखने के लिए सैकड़ों लोग उमड़ पड़े। यह गांव में कौतूहल का माहौल बन गया। बुजुर्ग मछुआरों और नाविकों ने बताया कि ऐसी मछली गंगा नदी में पहली बार देखी गई है। इसके बड़े पंख और कांटेदार शरीर के कारण इसे नंगे हाथ पकड़ना मुश्किल था। मछुआरों ने प्रजाति की जानकारी के लिए विज्ञान शिक्षकों से संपर्क किया। इसके साथ ही कुछ स्थानीय मछुआरों ने गूगल पर तस्वीर अपलोड कर इसकी पहचान अमेरिकन कैटफिश के रूप में की। यह मछली दक्षिण अमेरिका की नदियों तालाबों और झीलों में पाई जाती है।

बिहार में प्रेमी-प्रेमिका ने लांघी बेशर्मी की सीमाएं

भागलपुर, 3 अगस्त (एजेंसियां)। बिहार से अजब प्रेम की गजब कहानी सामने आई है। यहां एक बेमेल प्रेमी जोड़े ने शादी कर अपने घरवालों को शर्मिंदगी झेलने पर विवश कर दिया है। नाती-पोते वाली महिला ने महज 18 साल की उम्र के लड़के के साथ ब्याह रचाकर लोक-लाज और मर्यादा की सारी सीमाएं लांघ दी है। महिला के बेटी-दामाद ने थाना पहुंचकर पुलिस से इस मामले में इंसाफ की गुहार लगाई है। पचास साल की दुल्हन और अठारह वर्ष का दूल्हा पूरे इलाके में चर्चा का विषय बना हुआ है।

मामला घोघा थाना क्षेत्र के पक्कीसराय गांव का है। यहां सल्लो मंडल का अठारह वर्षीय पुत्र कन्हाई कुमार ने पचास वर्षीय महिला को दुल्हन बनाकर घर लाया है। महिला अपने युवा प्रेमी कन्हाई की पत्नी बनकर प्रेमी के घर ही रह रही है। नौजवान प्रेमी के घर रह रही महिला को समाज व अन्य लोगों से तो किसी प्रकार की कोई शर्मिंदगी नहीं होती, लेकिन बेटी-दामाद को देखकर वह लजाकर छिप जाती है।

सुखी चहल की रहस्यमयी मौत

खालिस्तान का करते थे जमकर विरोध

वाशिंगटन, 3 अगस्त (एजेंसियां)। भारत में जन्में अमेरिकी व्यवसायी और सामाजिक कार्यकर्ता सुखी चहल की कैलिफोर्निया में संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। चहल खालिस्तानी विचारों का विरोध करने के लिए जाने जाते थे। सुखी चहल की मौत की जानकारी उनके करीबी दोस्त जसपाल सिंह ने शनिवार को दी। जसपाल सिंह ने बताया कि सुखी को उनके किसी परिचित ने अपने घर पर रात के खाने पर बुलाया था। सिंह ने बताया कि रात के खाने के कुछ देर बाद ही उनकी तबीयत अचानक बिगड़ गई और उनकी मौके पर ही मौत हो गई। उन्होंने कहा कि सुखी पूरी तरह स्वस्थ थे और उनकी इस तरह अचानक हुई मौत ने सबके मन में कई सवाल खड़े कर दिए हैं। सुखी के दोस्त ने बताया कि वह विदेशों में खालिस्तानी विचारों की मुखर आलोचना के लिए जाने जाते थे। सिंह बताया कि मुझे संदेह इस बात पर है कि सुखी की मौत 17 अगस्त को वाशिंगटन डीसी में होने वाले खालिस्तान जनमत संग्रह से पहले हुई थी, जिसका सुखी विरोध कर रहे थे। खालसा टुडे के संस्थापक और सीईओ सुखी चहल को खालिस्तान समर्थकों से लगातार जान से मारने की धमकियां मिल रही थीं।

जांच तेज, गिरफ्तारी का खतरा

पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने सुप्रीम कोर्ट में लगाई अग्रिम जमानत की अर्जी

रायपुर, 3 अगस्त (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने खुद को गिरफ्तारी से बचाने के लिए सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। उन्होंने शराब, कोयला और महादेव सट्टा एप घोटालों में नाम सामने आने के बाद अग्रिम जमानत याचिका दाखिल की है, जिस पर सोमवार पाँच अगस्त को सुनवाई होगी। इसी दिन शराब घोटाले में जेल में बंद उनके बेटे चैतन्य बघेल की जमानत याचिका पर भी सर्वोच्च न्यायालय सुनवाई करेगा।

उल्लेखनीय है कि चैतन्य बघेल की गिरफ्तारी को लेकर भी विपक्ष और उनके समर्थकों के बीच राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप का दौर जारी है। अपनी याचिका में भूपेश बघेल ने दलील दी है कि उन्हें राजनीतिक द्वेष के चलते निशाना बनाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि जैसे उनके बेटे की गिरफ्तारी राजनीतिक दुर्भावना के तहत की गई, वैसे ही उन्हें भी गिरफ्तारी का डर सता रहा है। भूपेश बघेल ने कोर्ट से यह अनुरोध किया है कि उन्हें गिरफ्तार न किया जाए और उन्हें जांच में सहयोग करने का पूरा अवसर दिया जाए। उन्होंने स्पष्ट किया है कि वे जांच से भाग नहीं रहे, बल्कि निष्पक्ष प्रक्रिया की उम्मीद कर रहे हैं।

जांच एजेंसियों की बढ़ी सक्रियता

यह याचिका ऐसे समय दाखिल की गई है, जब ईडी और अन्य केंद्रीय जांच एजेंसियों ने इन घोटालों की जांच तेज कर दी है। बीते कुछ हफ्तों में छत्तीसगढ़ के कई बड़े अफसरों और नेताओं से पूछताछ की जा चुकी है।

'कार से धुआं निकल रहा है' इतना सुनते ही युवती गाड़ी से उतरी, बदमाश पर्स लेकर फरार

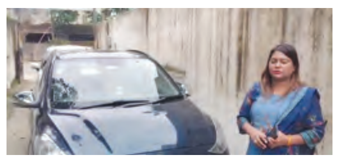

रांची, 3 अगस्त (एजेंसियां)। झारखंड की राजधानी रांची से लूट का एक मामला सामने आया है। यहां पांच बदमाशों ने एक युवती के साथ लूट की। इसके बाद युवती ने रांची के अरगोड़ा थाना पहुंचकर अपने साथ हुई इस लूट की घटना को लेकर एफआईआर दर्ज कराई। एफआईआर दर्ज करके पुलिस बदमाशों की धर पकड़ में जुट गई है। मामले की जांच की जा रही है। जिस युवती के साथ लूट की गई उसका नाम रूबी कुमारी है। पीड़िता रूबी कुमारी ने बताया कि वह एक फार्मा कंपनी में काम करती हैं। वो गुरुवार को अपनी कर से अरगोड़ा थाना क्षेत्र के कडरू इलाके से गुजर रही थीं। इसी दौरान एक लड़का उनकी कर के पास आया और बोला कि उनकी कार से धुआं निकल रहा है। कार में कुछ गड़बड़ी है। हालांकि रूबी ने उसकी बात को नजरअंदाज कर दिया और आगे बढ़ती रहीं। इसी दरमियान एक और युवक वहां से गुजर रहा था और उसने भी रूबी से कहा कि आपकी कर से बहुत तेज धुंआ निकल रहा है। लगता है इंजन में आग लगी है। इतने में ही एक बुजुर्ग शख्स ने भी रूबी की कार के सामने से गुजरते हुए कहा कि मैडम आपकी गाड़ी से धुआं निकल रहा है। इसके बाद रूबी को विश्वास हो गया और उन्होंने तत्काल अपनी कार रोकी और उससे बाहर निकलकर उसे देखने लगीं। इसी दौरान रूबी ने देखा कि उनकी कर की बोनट पर कुछ काला पदार्थ गिरा हुआ है।

स्कूल की मनमानी फीस पर छत्तीसगढ़ हाई कोर्ट सख्त, सरकार के रेगुलेटरी कानून को बताया सही

बिलासपुर, 3 अगस्त (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ हाई कोर्ट ने राज्य सरकार के निजी स्कूल फीस विनियमन अधिनियम 2020 को संवैधानिक करार देते हुए निजी स्कूलों की याचिकाएं खारिज कर दी हैं। कोर्ट ने स्पष्ट कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में मुनाफाखोरी और शोषण पर अंकुश लगाने के लिए रेगुलेटरी फ्रेमवर्क बनाना राज्य सरकार का संवैधानिक अधिकार है। यह कानून संविधान के अनुच्छेद 14 (समानता का अधिकार) और 19(1)(जी) (व्यवसाय की स्वतंत्रता) का उल्लंघन नहीं करता। न्यायमूर्ति संजय के। अग्रवाल एवं न्यायमूर्ति सचिन सिंह राजपूत की डिवीजन बेंच ने यह ऐतिहासिक फैसला सुनाते हुए कहा कि, निजी स्कूलों की स्वायत्तता बनी रहेगी, लेकिन फीस के नाम पर मनमानी वसूली और मुनाफाखोरी पर सख्त नियंत्रण आवश्यक है।

राज्य सरकार ने अपने जवाब में कहा कि, अधिनियम 2020 केवल रेगुलेटरी कानून है, इसका उद्देश्य स्कूल प्रबंधन और अभिभावकों के परामर्श से पारदर्शी फीस निर्धारण प्रक्रिया सुनिश्चित करना है। शिक्षा समवर्ती सूची में आता है और राज्य सरकार को इस पर कानून बनाने का अधिकार है। मुनाफाखोरी और छात्रों के शोषण पर नियंत्रण के लिए नियामक व्यवस्था आवश्यक है। साथ ही सुप्रीम कोर्ट के फैसलों में भी फीस नियंत्रण को वैध और आवश्यक माना गया है। बता दें कि छत्तीसगढ़ प्राइवेट स्कूल मैनेजमेंट एसोसिएशन और बिलासपुर प्राइवेट स्कूल एसोसिएशन ने अधिनियम 2020 और उसके तहत बनाए गए नियमों को असंवैधानिक बताते हुए याचिका दायर की थी। याचिकाकर्ताओं ने तर्क दिया कि, यह अधिनियम स्कूलों की स्वायत्तता में दखल है।

अनुच्छेद 14 (समानता का अधिकार) और अनुच्छेद 19(1)(जी) (व्यवसाय की स्वतंत्रता) का उल्लंघन है। साथ ही कहा कि, सुप्रीम कोर्ट के टीएमए पाइ फांउडेशन और मार्डन स्कूल जैसे निर्णयों के अनुसार, निजी स्कूलों को फीस निर्धारण का अधिकार है।

अधिनियम में फीस निर्धारण समितियों, रिकाड्र्स की अनिवार्यता और शुल्क वृद्धि पर नियंत्रण जैसी शर्तें स्कूलों की स्वायत्तता खत्म कर देती हैं।

मोती से चमक रही किसानों की किस्मत कमा रहे हैं मोटी रकम

रांची, 3 अगस्त (एजेंसियां)। झारखंड मीठे पानी वाले मोती उत्पादन केंद्र के रूप में तेजी से उभर रहा है। इसके लिए प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना (पीएमएमएसवाइ) के तहत झारखंड सरकार के सहयोग से हजारीबाग को पहले मोती की खेती का क्लस्टर बनाने की योजना है। इसके लिए कुल 22 करोड़ रुपये खर्च होने हैं। अब राज्य के ग्रामीण युवाओं और किसानों को इसका प्रशिक्षण दिया जा रहा है, जो इनके लिए आजीविका साधन बना रहे है। राज्य में प्रतिवर्ष 77 हजार मोती का उत्पादन हो रहा है। जिसमें सबसे ज्यादा सरायकेला में 30 हजार मोती का उत्पादन किया जा रहा है। झारखंड में कुल 132 मोती पालक किसान हैं। मोती का उत्पादन रांची, हजारीबाग, खूंटी, सरायकेला, पूर्वी सिंहभूम, पश्चिमी सिंहभूम, देवघर और दुमका में किया जा रहा है। अब तक 842 किसानों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया है। रांची के प्रशिक्षण संस्थान से अभी 25 किसानों को प्रशिक्षित किया गया है। मैकेनिकल इंजीनियर बुधन सिंह पूर्ति ने मोती पालन में कई नए आविष्कार किए हैं।

बाथरूम में गिरे झारखंड के मंत्री रामदास सोरेन डॉक्टर ने बताई अब कैसी है स्थिति

रांची, 3 अगस्त (एजेंसियां)। झारखंड के शिक्षा मंत्री रामदास सोरेन बाथरूम में गंभीर रूप से घायल हो गए थे। जिसके बाद उन्हें दिल्ली के एक निजी अस्पताल में ले जाया गया, जहां उनका इलाज चल रहा है। जानकारी के अनुसार सोरेन अभी लाइफ सपोर्ट पर है। सीनियर स्पेलिस्टों की एक बहु-विषयक टीम उनकी हर स्थिति पर कड़ी नजर रख रही है। बता दें कि झारखंड के स्वास्थ्य मंत्री डॉ। इरफान अंसारी ने अपने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए जानकारी दी थी कि शिक्षा मंत्री का बाथरूम में गिरने से शिक्षा मंत्री को ब्रेन में चोट व ब्लड क्लॉट हुआ है। मंत्री को इलाज के लिए एयरलिफ्ट कर दिल्ली ले जाया जा रहा है।

झामुमो द्वारा साझा किए गए एक बयान में बताया गया कि मंत्री की हालत फिलहाल गंभीर है और उन्हें लाइफ सपोर्ट पर रखा गया है। वरिष्ठ विशेषज्ञों की एक बहु-विषयक टीम उनकी हर एक स्थिति पर कड़ी नजर रख रही है और बेहतर उपचार प्रदान कर रही है। बता दें कि मंत्री को उनके घर के बाथरूम में गिरने के बाद जमशेदपुर से राष्ट्रीय राजधानी के इंद्रप्रस्थ अपोलो अस्पताल ले जाया गया।

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने दिल्ली के अस्पताल का दौरा किया। उन्होंने डॉक्टरों से बात कर उनकी हालत के बारे में जानकारी ली। उन्होंने अपने सोशल मीडिया पर पोस्ट करते हुए लिखा कि आदरणीय रामदास दा झारखंड आंदोलन के अग्रणी योद्धा रहे हैं। संघर्ष के माध्यम से उन्होंने हमेशा हर चुनौती का सामना किया है और इस बार भी वे विजयी होंगे। उन्होंने ईश्वर को याद कर कहा कि मरांग बुरु उन्हें शक्ति और साहस प्रदान करें।

राज्य के स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी मंत्री सोरेन के इलाज की देखरेख के लिए दिल्ली गए थे। इरफान ने ही जानकारी देते हुए कहा था कि गिरने के कारण सोरेन के मस्तिष्क में चोट लगी है। उन्होंने बताया कि सुबह सोरेन को जमशेदपुर के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां डॉक्टरों ने उनके मस्तिष्क में रक्त के थक्के जमने का पता लगाया। सोशल मीडिया पर करते हुए पार्टी ने कहा कि झामुमो के वीर सिपाही और राज्य सरकार के शिक्षा मंत्री रामदास सोरेन जी का दिल्ली में इलाज चल रहा है। आदरणीय रामदास जी का संघर्ष, समर्पण और सेवा भावना हम सभी के लिए प्रेरणा का स्रोत है।

पाक में 24 घंटों में दो बार आया भूकंप

इस्लामाबाद, 3 अगस्त (एजेंसियां)। पाकिस्तान के कई हिस्सों में रविवार (3 अगस्त, 2025) को भूकंप के तेज झटके महसूस किए गए। पाकिस्तान के नेशनल सिस्मिक मॉनिटरिंग सेंटर (एनएसएमसी) के अनुसार, इस भूकंप की तीव्रता 5.1 मापी गई। भूकंप का केंद्र रावत से 15 किलोमीटर दक्षिण-पूर्व में था और इसकी गहराई सिर्फ 10 किलोमीटर थी। यह झटके शनिवार-रविवार की दरमियानी रात 12:10 बजे महसूस किए गए, जिससे लोग डर के मारे घरों से बाहर निकल आए और सभी लोग कलिमा तय्यबा पढ़ते रहे। भूकंप का असर खैबर पख्तूनख्वा, इस्लामाबाद, रावलपिंडी और आस-पास के कई इलाकों में देखा गया। भूकंप के झटके इस्लामाबाद और रावलपिंडी के साथ-साथ मर्दान, मुर्री, हरिपुर, चकवाल, ताला गंग और कलर कहार तक महसूस किए गए।

अफगानिस्तान से लेकर ताजिकिस्तान तक झटके

'रिपोर्ट के मुताबिक, लोग देर रात तक खुले आसमान के नीचे रहे, क्योंकि उन्हें आफ्टरशॉक्स (भूकंप के बाद के झटकों) का डर था। शनिवार को भी 5.4 तीव्रता का भूकंप आया था, जिसका केंद्र अफगानिस्तान के हिंदुकुश पर्वतीय क्षेत्र में था। एनएसएमसी ने बताया कि इस भूकंप के झटके पाकिस्तान, अफगानिस्तान और ताजिकिस्तान के कई हिस्सों में महसूस किए गए। खैबर पख्तूनख्वा में शनिवार को भूकंप के झटके पेशावर, स्वात, मलकंद, नौशेरा, चारसद्दा, करक, दीर, मर्दान, मोहम्मद, शांगला, हंगू, स्वाबी, हरिपुर और एबटाबाद में महसूस किए गए। बता दें कि इसके अलावा इस्लामाबाद, रावलपिंडी, लाहौर, अटॉक, टेक्सिला, मुर्री, सियालकोट, गुजरांवाला, गुजरात, शेखुपुरा, फिरोजवाला और मुरिदके में भी ये झटके महसूस किए गए। अब तक दोनों भूकंपों से किसी भी तरह की जान-माल की हानि की कोई खबर नहीं आई है। हालांकि, लोगों में डर का माहौल बना हुआ है और वे किसी भी संभावित आफ्टरशॉक से सतर्क हैं।

जमशेदपुर मनीषा कौर हत्याकांड का खुलासा

पति ने ही गला रेतकर मारा, चाह रहा था अप्राकृतिक यौनाचार करना, नहीं मानने किया मर्डर

जमशेदपुर, 3 अगस्त (एजेंसियां)। जमशेदपुर के गोलमुरी थाना क्षेत्र स्थित नामदा बस्ती में पत्नी की निर्मम हत्या के आरोप में पुलिस ने पति को गिरफ्तार किया है। तड़के मनीषा कौर का शव उनके घर से बरामद किया गया था। महिला की गला रेतकर हत्या की गई थी। मामले की जानकारी मिलते ही गोलमुरी थाना प्रभारी राजन कुमार सिंह की टीम मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। संदिग्ध परिस्थितियों को देखते हुए पुलिस ने मृतका के पति सागर को हिरासत में लेकर पूछताछ की, जिसमें उसने जुर्म कबूल कर लिया।

पुलिस सूत्रों के अनुसार, सागर ने पूछताछ में बताया कि उसने सेक्स उत्तेजना बढ़ाने वाली दवा ली थी। इसके बाद उसने पत्नी मनीषा से अप्राकृतिक यौन संबंध बनाने की मांग की। मनीषा ने जब इसका विरोध किया तो सागर को गुस्सा आ गया। उसने रसोई से चाकू उठाकर मनीषा का गला रेत दिया। वारदात के बाद सागर ने शव को कमरे में छोड़ दिया और कुछ देर बाद सामान्य अंदाज में बाहर निकला। लेकिन जब आसपास के लोगों को शक हुआ, तो पुलिस को सूचना दी गई।

मनीषा और सागर ने की थी लव मैरिज जानकारी के मुताबिक मनीषा और सागर ने करीब 9 साल पहले प्रेम विवाह किया था।

दोनों के दो छोटे बच्चे भी हैं। वारदात के बाद इलाके में सनसनी फैल गई है। पड़ोसियों का कहना है कि दोनों के बीच पहले भी विवाद होते थे, लेकिन इस तरह की हिंसक घटना की किसी को आशंका नहीं थी। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी सागर को गिरफ्तार कर लिया है और आगे की कानूनी प्रक्रिया जारी है। मृतका के शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया है और घटना की विस्तृत जांच की जा रही है।

महिला को सांप ने डसा, झाड़-फूंक के चक्कर में पड़े रहे परिजन; अस्पताल पहुंचने में हुई देर

सुकमा, 3 अगस्त (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के सुकमा जिले के कारीगुंडम गांव में झाड़-फूंक के चक्कर में एक महिला की जान चली गई। घटना बीती रात की है जब गांव की 48 वर्षीय महिला मड़कम भीमे को उसके घर में सोते समय जहरीले करैत सांप ने काट लिया। सांप ने महिला को रात करीब 1 बजे हुआ, लेकिन परिजन उसे अस्पताल ले जाने के बजाय अंधविश्वास में पड़ गए। महिला की हालत बिगड़ती रही लेकिन परिजन और गांव के लोग झाड़-फूंक कराने वाले ओझा को बुला लाए। पूरी रात ओझा ने झाड़ू करवाया, मंतर फूंका गया, पर महिला की हालत में कोई सुधार नहीं हुआ।

रातभर झाड़-फूंक चलती रही और बहुमूल्य समय यूं ही नष्ट होता रहा। सुबह करीब छह बजे जब महिला की हालत बेहद नाजुक हो गई, तब परिजनों ने उसे निजी वाहन से दोरनापाल प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी। अस्पताल में डॉक्टरों ने महिला को मृत घोषित कर दिया।

क्या रूस और अमेरिका में होकर रहेगी एटमी जंग? सामने आ गई बड़ी तैयारी

वाशिंगटन, 3 अगस्त (एजेंसियां)। 12 घंटे के अंदर रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को डोनाल्ड ट्रंप ने दो बार एटमी चेतावनी दी है। ट्रंप ने मीडिया के सामने एक बार फिर पुतिन को एटमी वॉर्निंग दी है। इससे पहले ट्रंप ने रूस के पूर्व राष्ट्रपति के बयान के बाद रूस के पास परमाणु पनडुब्बी भेजने का आदेश दिया था। अब ट्रंप ने कहा है कि हम एटमी युद्ध के लिए तैयार हैं। ट्रंप ने अपने बयान में कहा, "वो न्यूक्लियर के बारे में बात कर रहे हैं, इसलिए हमें तैयार रहने की जरूरत है। और हम पूरी तरह से तैयार हैं।" ट्रंप ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि रूस के पूर्व राष्ट्रपति जो बेहद अहम परिषद के इंचार्ज हैं। मेदवेदेव ने न्यूक्लियर के बारे में जो बात कही है वो गलत है। जो आप न्यूक्लियर की बात करते हैं तो मेरी आंखें खुल जाती हैं। सावधान रहना जरूरी होता है। क्योंकि ये बड़ा खतरा है। उन्होंने पहले भी ऐसा ही कहा है। इसलिए आपको भी तैयार रहना चाहिए। यही वजह है कि मैंने न्यूक्लियर सबमरीन को भेजने का फैसला किया है। मैं ये सुनिश्चित करना चाहता हूं कि उनके शब्द सिर्फ शब्द ही साबित हो।

ट्रंप की इस चेतावनी के बीच जो डिटेल जानकारी सामने आ रही है, उसमें अमेरिका की 2 न्यूक्लियर सबमरीन को रूस के आस-पास बताया जा रहा है। ये बैरेंट्स या नॉर्वेजियन सागर में हो सकती हैं, यहां से पूरा रूस इनकी रेंज में है। ये सबमरीन जरूरत पड़ने पर नाटो देशों के नेवल बेस का इस्तेमाल कर सकती हैं। रूस ने अमेरिका से इन सबमरीन की डिटेल मांगी थी,लेकिन पूछने पर भी यूएस ने एटमी तैनाती की जानकारी नहीं दी है। जिसके बाद रूस ने भी जवाबी कार्रवाई की तैयारी शुरू कर दी है। रूस ने अमेरिका के आस-पास अपनी एटमी व्यूह रचना कर दी है। रूस की दो न्यूक्लियर पावर्ड सबमरीन उत्तरी अटलांटिक महासागर में अमेरिका के आस-पास गश्त लगा रही हैं।

नोबेल शांति पुरस्कार लेकर ही रहेंगे डोनाल्ड ट्रंप पाकिस्तान के बाद इस देश का भी मिला साथ

वाशिंगटन, 3 अगस्त (एजेंसियां)। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और पाकिस्तान के सेना प्रमुख फील्ड मार्शल असीम मुनीर ने जून में मुलाकात की थी। राष्ट्रपति ट्रंप ने मुनीर को व्हाइट हाउस में लंच पर बुलाया था, उस समय सब हैरान थे कि पाक सेना प्रमुख को ट्रंप लंच पर क्यों बुला रहे हैं। इसी मुलाकात में असीम मुनीर ने अमेरिका राष्ट्रपति को नोबेल शांति पुरस्कार नामित किया था।

अब एक और देश की ओर से ट्रंप को नोबेल शांति पुरस्कार के लिए नामित किया जा सकता है। नया नोबेल पुरस्कार नॉमिनेशन भी पिछले की तरह ही होने वाला है। हाल ही में ट्रंप ने दावा किया है कि उन्होंने कंबोडिया और थाईलैंड में युद्ध विराम कराया है। अब कंबोडिया, डोनाल्ड ट्रंप को थाईलैंड के साथ युद्ध विराम कराने में उनकी भूमिका के लिए नोबेल शांति पुरस्कार के लिए नामांकित करेगा। कंबोडिया के उप-प्रधानमंत्री सन चैंथोल ने इस कूटनीतिक सफलता के लिए ट्रंप की प्रशंसा करते हुए कहा कि उनका देश इस पुरस्कार के लिए उनके नाम की सिफारिश करेगा। इस सफलता ने दोनों पड़ोसियों के बीच संघर्षों को खत्म कर दिया, जिसमें दर्जनों लोग मारे गए और लाखों लोग विस्थापित हुए।

खबर के मुताबिक कंबोडिया के इस बयान पर व्हाइट हाउस की प्रवक्ता अन्ना केली ने शनिवार को कहा कि राष्ट्रपति ट्रंप की वैश्विक संघर्षों में प्रत्यक्ष भागीदारी, अमेरिका की सैन्य शक्ति से लेकर हमारे बेहतर उपभोक्ता बाजार तक के साधनों का लाभ उठाकर, दुनिया भर में दशकों से चल रहे युद्धों में शांति लाई है।

नोबेल शांति पुरस्कार ऐसे व्यक्ति या संगठन को दिया जाता है जिसने 'राष्ट्रों के बीच भाईचारे को बढ़ावा दिया हो।' ट्रंप का नॉमिनेशन इजराइल और पाकिस्तान की ओर से पहले ही किया जा चुका है। लेकिन इसके पीछे व्हाइट हाउस द्वारा उनकी भू-राजनीतिक सौदेबाजी को समझा जा रहा है। चान्थोल ने कहा कि ट्रंप के हस्तक्षेप के बिना, कंबोडिया और थाईलैंड के बीच लड़ाई को खत्म करने के लिए संभवतः कोई समझौता नहीं हो पाता, जिसमें विवादित सीमा के दोनों ओर कम से कम 45 लोग मारे गए।

हमास ने इजरायली बंधक का जारी किया खौफनाक वीडियो

'कब्र' खोदते हुए नजर आया हड्डियों का ढांचा, बोला- यहीं दफन होने वाला हूं

यरुशलम, 3 अगस्त (एजेंसियां)। गाजा के आतंकी समूह इस्लामिक जिहाद ने एक इजरायली बंधक का वीडियो जारी किया है। बंधक की पहचान एव्यातार डेविड के रूप में की गई है, जिसके बाद गाजा में बंधकों की स्थिति को लेकर चिंता जताई जा रही है। हमास ने शाम को वीडियो रिलीज किया था, जिसे डेविड के परिवार ने प्रकाशन के लिए मंजूरी दे दी। वीडियो में डेविड बहुत की कमजोर हालत में दिखाई दे रहा है, जिसे लेकर परिवार ने कहा है कि उसे कई दिनों से भूखा रखा गया है। वीडियो में डेविड एक भूमिगत सुरंग के किनारे टंगे एक अस्थायी कैलेंडर पर दिन काटते देखा जा सकता है। हमास की तरफ से रिलीज की गई फुटेज में डेविड को कमजोर आवाज में बोलते हुए सुनाई दे रहा है। इस उसे अंडरग्राउंड सुरंग के अंदर खुदाई करते हुए दिखाया गया है। वह कहता है कि उसे डर है कि यह उसकी अपनी कब्र होगी।

ट्यूशन से लौट रही छात्रा से छेड़छाड़

आक्रोशित ग्रामीणों ने किया हंगामा, 3 फरार

गिरिडीह, 3 अगस्त (एजेंसियां)। झारखंड के गिरिडीह जिले के देवरी थाना क्षेत्र में ट्यूशन पढ़कर घर जाने के दौरान एक छात्रा के साथ विशेष समुदाय के युवकों द्वारा छेड़छाड़ करने का मामला सामने आया है। इसके बाद हिंदू समुदाय में आक्रोश का माहौल व्याप्त है। छेड़खानी करते हुए विशेष समुदाय के 2 युवकों को ग्रामीणों ने रंगे हाथ पकड़ लिया और बंधक बना लिया। इस दौरान उनके साथ मारपीट भी की गई और इसकी सूचना देवरी थाना पुलिस को दी गई। बताया गया कि 5 युवकों द्वारा छेड़खानी की जा रही थी, जिसमें 3 भागने में सफल रहे और 2 रंगे हाथ पकड़े गए। इसके बाद ग्रामीणों ने रोड जाम कर घंटों तक हंगामा किया और 'थाना प्रभारी हाय-हाय', 'थाना प्रभारी मुर्दाबाद' जैसे नारे लगाए। इस दौरान हिंदू समुदाय के लोग गोलबंद होकर थाना प्रभारी को आवेदन देकर छेड़छाड़ करने वाले तीन विशेष समुदाय युवकों की जल्द से जल्द गिरफ्तारी की मांग कर रहे हैं। हिंदू समुदाय के लोगों ने बताया कि सभी विशेष समुदाय के युवक ट्यूशन पढ़ने जा रहे थे। उन्होंने रास्ते में साइकिल से जा रही हिंदू लड़की को रोककर उसका हाथ पकड़ लिया और गिरा दिया, फिर छेड़खानी करने लगे। इसके बाद वहां पढ़ने जा रही अन्य बच्चियों ने हो-हल्ला किया, जिससे आसपास के लोग इकट्ठा हो गए। जैसे ही छेड़छाड़ करने वाले विशेष समुदाय के युवकों ने देखा कि लोग आ रहे हैं, तो वे भागने लगे। इस दौरान 2 युवक ग्रामीणों के हाथ लग गए, जबकि 3 युवक भागने में सफल रहे। इसके बाद ग्रामीणों ने पकड़े गए दोनों युवकों को पुलिस के हवाले कर दिया और बाकी 3 की जल्द से जल्द गिरफ्तारी की मांग की। घटना के बाद जमुआ थाना प्रभारी, तीसरी थाना प्रभारी, देवरी थाना प्रभारी और हीरोडीह थाना प्रभारी भारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और आक्रोशित लोगों को समझाकर मामला शांत कराया। वहीं, पुलिस ने आरोपियों को अपनी हिरासत में ले लिया।

यूक्रेन के न्यूक्लियर प्लांट पर फिर हुआ अटैक, धुएं का गुबार और जोरदार धमाकों की आवाज

कीव, 3 अगस्त (एजेंसियां)। रूस और यूक्रेन का युद्ध रुकने का नाम नहीं ले रहा है, दोनों ही देश एक दूसरे पर लगातार बड़े हमले कर रहे हैं। यूक्रेन के ड्रोन अटैक के बाद रूस अब बदला ले रहा है और लगातार यूक्रेन की कमर तोड़ रहा है। वहीं यूक्रेन भी किसी हाल में हार मानने के लिए तैयार नहीं है। अब बताया जा रहा है कि यूक्रेन के न्यूक्लियर प्लांट पर हमला हुआ है और यहां से धुआं उठता हुआ देखा गया है। एटॉमिक एनर्जी एजेंसी आईएईए की रिपोर्ट में इस बात का जिक्र किया गया है। ये वही न्यूक्लियर प्लांट है, जिस पर रूसी सेना ने कब्जा कर लिया था। आईएईए के डायरेक्टर जनरल राफेल मारियानो ग्रॉसी ने इस रिपोर्ट को लेकर जानकारी दी। उन्होंने बताया, अंतर्राष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आईएईए) की टीम ने यूक्रेन के ज़ापोरिज़्ज़िया न्यूक्लियर पावर प्लांट में धमाकों की आवाज सुनी और इसके पास की जगह से धुआं आते भी देखा गया।उन्होंने बताया कि प्लांट के एक हिस्से पर ये हमला हुआ था,

स्वतंत्र वार्ता
सोमवार, 4 अगस्त- 2025

विवेकशीलता को आडंबर और अंधविश्वास के जरिए खत्म किया जा रहा है

रघु ठाकुर

कहने को भारत 21 वीं सदी में प्रवेश कर चुका है और तकनीक के विकास में अंतरिक्ष में पहुंच रहा हैं। अर्थव्यवस्था के मामले में बताया जा रहा है कि भारत दुनिया की चौथी अर्थव्यवस्था बन गया है और यहां तक की जापान की अर्थव्यवस्था को पीछे छोड़ा है। परंतु भारत का दूसरा भी पक्ष है कि यहां आज भी अंधविश्वास चरम पर है। पिछले कुछ दिनों में जो घटनाएँ मीडिया के माध्यम से सामने आईं हैं, वह देश के विकास के एकांकी चेहरे का खुलासा करती है। बिहार के पूर्णिया जिले के एक गांव में इस शक में की एक महिला डायन है बच्चों को तंत्र-मंत्र से मारती है। उसके परिवार के पांच लोगों की हत्या कर दी गई। दूसरी एक और घटना मीडिया में आई है ,जहां एक व्यक्ति को बीमारी से बचाने के लिए एक नौजवान की नरबलि दे दी गई। नरबलि की पुष्टि इसलिए हुई की लाश के पास गला कटा हुआ,नींबू और पूजा पाठ का सामान पाया गया। ऐसी और भी कितनी घटनाएं आए दिन अखबारों में छपती हैं और जो कुछ ही दिनों में समाज के मस्तिष्क से उड़ जाती है।

अभी भी कई जगह महिलाएं अपने पारंपरिक अंधविश्वास के चलते पति की मृत्यु के बाद चिता पर जलकर सती हो जाती है। समाज और खासकर पुरुष मानसिकता इनको सती देवी का रूप बताता है और उनके मंदिर बनाकर पूजा करता है,तथा इस प्रकार पुरुषवादी मानसिकता को कायम रखता है। अगर पतिव्रता सिद्ध होने के लिए पति की मृत्यु पर पत्नी की मौत जरुरी है तो फिर यह कसौटी पुरुष समाज पर भी लागू होनी चाहिए कि पत्नी की मृत्यु पर पुरुष भी अपने आप को पत्नीव्रता सिद्ध करें और सता हो। यद्यपि पिछले कुछ वर्षों में सती प्रथा कम हुई है और सरकार ने भी सामूहिक रूप से इन घटनाओं के दर्शक समाज को अपराधी मानकर कानूनी कार्रवाई शुरू की हैजिससे कुछ भय पैदा हुआ है। प्रश्न यह है कि आखिर हमारी शिक्षा समाज को क्या दे रही है? क्या शिक्षा का उद्देश्य केवल अक्षर ज्ञान देना है? क्या केवल अर्थोपार्जन के लायक बनाना है? या फिर ऐसा सभ्य या वैज्ञानिक प्रवृत्ति का इंसान बनाना है ,जो अंधविश्वास वा कुरीतियों से मुक्त हो सके। पर आज समाज में प्रगतिशील होने की कसौटी क्या है? केवल तकनीकी सुविधाओं को भोगने की क्षमता या विश्वविद्यालय की डिग्रियां ही प्रगतिशीलता है। या फिर पांच सितारा संस्कृति, भोग और तकनीक का अधिकतम इस्तेमाल ही प्रगतिशीलता है। मेरी राय में प्रगतिशीलता की कसौटी वैज्ञानिक प्रवृत्ति होना चाहिए। जिस प्रकार हमने मशीनों के इस्तेमाल में उपयोगिता के आधार पर नई तकनीक विकसित की है ,उसी प्रकार परंपराओं को समय काल के परिवर्तन के अनुसार समता और मानवता के आधार पर परंपराओं का पुनरू निर्धारण करना चाहिए। जो ऐसी परंपराएं हैं जिनका औचित्य न कभी पहले था ना अब है और शायद पहले कभी रहा हो पर अब तो नहीं ही है,उन्हें समाप्त करना चाहिए ।

समूची दुनिया में लोगों ने ऐसी कुरीतियों और अंधविश्वास को छोड़ा है। अफ्रीकी भूभाग के देश जो आदिवासियों, अशिक्षा व अंधविश्वास के देश थे वहां भी भारी मानसिक परिवर्तन आए हैं। अफ्रीकी देशों में अब ऐसी घटनाएं जो अंधविश्वास की हैं लगभग समाप्त हो गई हैं। परंतु भारत परंपराओं के मामले में आगे की बजाय पीछे जा रहा है। मेरे एक मित्र हैं वे मंत्र से बिच्छू का जहर उतरते हैं। आजकल उनकी शोहरत हो गई है कि वह टेलीफोन पर ही मंत्र पढ़ देते हैं और बिच्छू का प्रभाव कम हो जाता है। दरअसल यह भी अंधविश्वास का दूसरा पहलू है, कि जहां व्यक्ति को इस मंत्र के प्रति अगाध श्रद्धा है। मंत्र के पढ़े जाने के बाद वह मानसिक रूप से अपने आप को विष व दर्द से मुक्त महसूस करने लगता है। कई दशक पहले मेरे बड़े भाई का बड़ा बेटा जिसका नाम रविंद्र सिंह था ,उसे घर में सफाई करते हुए सांप ने काटा। उस समय के मीडिया में लगभग 8-10 सांप के कांटे लोगों की खबर अखबारों में एक साथ छपी थी। मेरे बड़े भाई और परिजनों का और उनका ही नहीं उस समय जितनो को सांप ने काटा था उन सभी के परिजनों का गहरा विश्वास मंत्र शक्ति में था। डॉक्टर ने बताया वह व्यक्ति जिंदा नहीं हैफिर भी 7 दिनों तक कई लोग लाश को घर में रखे रहे।बाहर से जहर उतारने वाले गुनिया को बुलाने लगे। ऐसी ऐसी झूठी खबरें फैली थी की एक व्यक्ति को सांप का जहर उतारने राष्ट्रपति ने चिन्हित किया है रेल द्वारा भेजा जाता है आदि आदि। इसके बाद भी सांप द्वारा काटे हुए लोगों में कोई नहीं बचा। ग्रामीण अंचलों में शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधा के अभाव में हजारों बिच्छू या सर्पदंश से पीड़ित लोग मंत्रों पर निर्भर हैं। यह उनकी मानसिक और सुविधाओं के अभाव की लाचारी है, ।इसलिए यह आवश्यक है कि हम अपनी शिक्षा पद्धति के लिए समय अनुकूल बनाने की पहल करें। विज्ञान की शिक्षा के साथ-साथ वैज्ञानिक मानस यानी तार्किक मानस बनाने की भी शुरुआत करें। अभी तो स्थिति यह है कि वैज्ञानिक केन्द्रों की स्थापना के समय या नई तकनीकी उपकरणों की स्थापना के समय अपवाद छोड़कर,स्वत वैज्ञानिक भी पूजा कराते हैं । क्या यह विज्ञान से मेल खाता है विज्ञान का तात्पर्य तार्किकता है। और अंधविश्वास अतार्किक होता है।

मुझे स्मरण है कि सन 1985६86 के समय स्व जार्ज फनार्ंडिस और मैं छत्तीसगढ़ के दौरे पर थे। अकलतरा नामक कस्बे में एक कारखाने की मशीन कई दिनों से बंद थी,ठीक नहीं हो रही थी। सीमेंट कारखाने की इस मशीन को ठीक करने जानकार आ रहे थे पर वह ठीक नहीं हो पा रही थी। वहां के चीफ इंजीनियर ने पूजा कर गेट पर नींबू मिर्च आदि लटका दिए थे। अगर एक शिक्षित इंजीनियर इतना अतार्किक है कि वह नींबू काटकर मशीन ठीक कर रहा है, तो फिर तकनीकी या वैज्ञानिक शिक्षा का कोई अर्थ नहीं रह जाता। अगर मंत्र उपचार या पूजा पाठ में इतनी ही शक्ति है तो फिर वह इन यंत्रों का प्रयोग भारत की सीमाओं की रक्षा, आतंकवाद से मुक्ति, भ्रष्टाचार व अपराधों से मुक्ति या बुराइयों से मुक्ति के लिए क्यों नहीं करते?

दतिया के हमारे साथी थे श्री कंठमणि बुधौलिया जो एडवोकेट थे। 60 के दशक में एक बाबा जी आए थे जो हाथ से लौंग या सुपारी पैदा करते थे। उनके चमत्कार के प्रभाव में हजारों स्त्री पुरुष दर्शन करने आते थे। श्री कंठमणी बुधौलिया पक्के समाजवादी थे। वे जानते थे कि सुपारी का खेल चालाक कौशल है । उन्होंने एक दिन बाबा जी को पत्र भेजा कि यह लौंग सुपारी सस्ती है,हम खरीद लेंगे। असल में देश को यूरेनियम की आवश्यकता है,वह निकालिए वरना आपके समक्ष मैं धरना दूंगा। श्री बुधौलिया ने यह समाचार अखबार वालों को भी दे दिया। अखबारों ने इसे प्रमुखता से छापा। समाचार छपते ही उसी रात में बाबा जी चुपचाप दतिया छोड़ कर चले गए। समाज के प्रगतिशील व शिक्षित लोगों को कुपरंपराओं से टकराना चाहिए। मुझे याद है की सन 1976 में जब मैं इंदौर जेल में आंतरिक सुरक्षा कानून में निरुद्ध था तब अखबारों में एक खबर प्रमुखता से छपी थी। पुट्टापर्थी के साईं बाबा हाथ से राख निकालते थे जिसे लोग पवित्र भभूत मानते थे। उन्हें यह बचपन से परिवार बनाया गया था कि भभूत से आदमी का रोग ठीक हो सकता है। पुट्टापर्थी के साईंबाबा का सारे देश में यही प्रचार था। जहां जाते हजारों लोग जमा होते ,बड़े-बड़े पैसे वाले नौकरशाह उनके भक्त थे। हालांकि बड़ा कारण यह भी था कि तत्कालीन सत्ता केंद्र से उनके संपर्क थे। महाराष्ट्र की एक संस्था अंध श्रद्धा निर्मूलन समिति है। जिसके राज्य के पदाधिकारी श्री श्याम मानव थे ने उन्हें चुनौती दी कि वे लोग उनके पास आएंगे भारी भीड़ में उनकी तलाशी लेंगें। इसके बाद भी वे भभूत निकाल देंगे तो उनके देवत्व पर विश्वास करेंगे ।दरअसल होता यह था कि साईबाबा अपने कुर्ते के अंदर एक धागा से राख की पुड़िया बांधते थे। जैसे ही वह खींचते धागा टूटता और भभूत हाथ में आ जाती थी। समिति वालों ने नागपुर कलेक्टर को पत्र लिखकर अपने उद्देश्य की जानकारी दी ।

पाकिस्तान फिर बेनकाब

पाकिस्तान एक बार फिर उस समय बेनकाब हो गया जब ऑपरेशन महादेव में पहलगाम हमले में शामिल तीन आतंकी मारे गए। हद तो तब हो गई जब इन आतंकियों में से एक का जनाजा पीओके में निकला, जिसमें लश्कर कमांडर भी पहुंच गया। इसके बाद हंगामा मचना तय था सो मच भी गया है। बता दें कि 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद भारत लगातार एक्शन में जुटा है। भारतीय सेना ने पाकिस्तान और पीओके में 'ऑपरेशन सिंदूर' चलाया। इस सैन्य कार्रवाई के दौरान कुछ ही पलों में 9 आतंकी ठिकानों को ध्वस्त कर दिया गया। इसके बाद पाकिस्तान के साथ सैन्य संघर्ष भी हुआ, जिसमें पड़ोसी मुल्क को मुंह की खानी पड़ी थी और वह सीजफायर के लिए गिडगिडाने को मजबूर हो गया था। बहरहाल, हाल ही में भारतीय सुरक्षा बलों ने जम्मू-कश्मीर में 'ऑपरेशन महादेव' चला कर पहलगाम हमले के तीन आतंकियों को मार गिराया। मारे गए एक आतंकी ताहिर हबीब का 'जनाना-ए-गायब' पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) स्थित उसके गांव में निकाला गया। जिसमें पाकिस्तान की पोल एक बार फिर दुनिया के सामने खुल गई। आतंकी ताहिर हबीब, पहले पाकिस्तानी सेना का जवान था और बाद में लश्कर-ए-तैयबा में शामिल हो गया था। ताहिर हबीब के मारे जाने की सूचना के बाद कुछ टेलीग्राम चैनलों पर वीडियो और तस्वीरें नजर आईं। इनमें रावलकोट के खाई गाला के बुजुर्ग लोग ताहिर हबीब के लिए अंतिम प्रार्थना करते हुए नजर आए। ताहिर हबीब के जनाजे में लश्कर ए ताइबा का स्थानीय कमांडर रिजवान हनीफ के शामिल होने की कोशिश के बाद विवाद हो गया। ताहिर के परिवार ने आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा के सदस्यों को जनाजे में आने से मना कर दिया था। इस घटना से पीओके के लोगों में पाकिस्तान के आतंकवाद को लेकर गुस्सा देखने को मिल रहा है। जाहिर है ऑपरेशन महादेव का असर सीमा पार भी दिख रहा है। ताहिर लश्कर-ए-तैयबा से जुड़ा हुआ था और पहलगाम हमले में उसकी भूमिका थी। इसलिए, उसे 'ए' कैटेगरी का आतंकवादी माना गया था। आतंकी ताहिर हबीब के जनाजे में लश्कर के लोगों ने बंदूक लहरा कर लोगों को डराने की कोशिश की, जिससे गांव वाले गुस्से में आ गए। यह घटना जाहिर करती है कि पीओके के लोग पाकिस्तान की ओर से फैलाए जा रहे आतंकवाद का विरोध कर रहे हैं। साथ ही ऑपरेशन सिंदूर का असर भी सीमा पार दिखाई दे रहा है। सूत्रों ने बताया कि जिस तरह से एक लश्कर कमांडर को जनाजे से भागने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है, यह क्षेत्र में बदलते हालात का सबूत है। खबरों के अनुसार मारा गया ताहिर हबीब पहले इस्लामी जमीयत तालबा और स्टूडेंट लिबरेशन फ्रंट से भी जुड़ा था। ताहिर जिस समुदाय से था, उसे सदोजई पठान कहा जाता है। इस समुदाय का इतिहास बहुत पुराना और समृद्ध रहा है। ये 18वीं सदी में अफगानिस्तान से आए थे और उन्होंने पुंछ विद्रोह में अहम भूमिका निभाई थी। इसलिए ताहिर को 'अफगानी' के नाम से भी जाना जाता था।

आधा-अधूरा कृत्रिम मेधा का ज्ञान देश की सुरक्षा के लिए खतरनाक

संजीव ठाकुर

अब आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आपकी नब्ज पढ़कर आपके मस्तिष्क की बात तुरंत पकड़कर उस पर अमल करने लगेगा। कृत्रिम मेधा की तकनीक को वैज्ञानिकों ने मानव की सहायता के लिए और देश की बेहतरी के लिए अविष्कार किया है। अभी तक तो अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया, ब्रिटेन, इजरायल, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के मामले में काफी आगे हो गये हैं। अब खाड़ी के देशों विगत 5 साल में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस को अपनाकर अपनी आर्थिक स्थिति केवल तेल के कुए पर न रह कर अन्य योजनाओं पर भी काम करना शुरू कर दिया है। आश्चर्यजनक रूप से यूएई ,सऊदी अरबिया, कतर, मिस्र ,जॉर्डन, मोरक्को और अन्य देशों में यूरोप की तुलना में अब और ज्यादा खर्च करके आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की तकनीक को अपने देश में बहुत मजबूत बना लिया। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस जितने फायदे हैं उससे ज्यादा विकासशील देशों के लिए यह नुकसानदेय भी हो सकता है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आपकी पल्स रीडिंग और मानसिक विचारधारा को केवल थंब इंप्रेशन में ही आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का डिवाइस पढ़ कर उस पर अमल कर सकता है।

इस टेक्नोलॉजी से अमेरिका तथा यूरोपीय देश अब तक दुश्मन की अनेक सूचनाएं बड़ी आसानी से प्राप्त कर उसका सामरिक उपयोग करने में लगे हुए हैं। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का उपयोग रूस अपनी टेक्नोलॉजी का उपयोग कर मिसाइल दागने में यूक्रेन के विरुद्ध कर रहा है। अब तक यूक्रेन यूरोपीय तथा नाटो देश की मदद से इसी तकनीक के सहारे रूस के विरुद्ध अब तक टिका हुआ है। वैसे यूक्रेन और रूस का युद्ध में काफी नुकसान हुआ है पर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का भरपूर उपयोग दोनों देश एक दूसरे पर कर रहे हैं। विकासशील देशों में इस टेक्नोलॉजी का विकास अभी काफी एडवांस नहीं है इन परि स्थितियों में उनके लिए उनके सामरिक महत्व की चीजें छुपाना दुश्मन देशों के सामने कठिन हो जाएगा और उनकी खुफिया जानकारी शक्तिशाली देश आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस केवल एक सूत्र प्राप्त करने के बाद ही पूरी प्राप्त कर सकते हैं खाड़ी के देश जिनमें सऊदी अरबिया, कतर ,मिस्र, जॉर्डन, यूएई अपने बजट का 34% बढ़ा हुआ हिस्सा एआई तकनीक पर लगातार कर रहे हैं। खाड़ी के देश इस टेक्नोलॉजी का उपयोग इस वजह से कर रहे हैं क्योंकि यह उनकी भविष्य की योजनाओं का महत्वपूर्ण हिस्सा है जिससे वे तेल की कमाई से हटकर अन्य साधनों से अपनी अर्थव्यवस्था में सुधार ला सकें। यूं एई पहला देश है जिसने 2017 मे इस तकनीक को अपनाया था इसके बाद खाड़ी के देशों में अब टेक्नोलॉजी को अपनाने में होड़ हो गई है। यह सभी देश एआई टेक्नोलॉजी पर लगभग 3 अरब डॉलर खर्च कर चुके हैं दूसरी तरफ यदि इसका इस्तेमाल अति विशेषज्ञों द्वारा नहीं किया गया तो इसका दुरुपयोग जिन देशों के पास इन टेक्नोलॉजी से एडवांस टेक्नोलॉजी है वह पूरी जानकारी निकालने में सक्षम होंगे। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का उपयोग यूरोपीय देश न सिर्फ सामरिक महत्व की चीजों में कर रहे हैं बल्कि मेडिकल साइंस और अंतरिक्ष विज्ञान में भी पूरी तरह हो रहा है और इससे बहुत फायदे भी मिल रहे हैं। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस मानव प्रजाति के लिए जितना फायदेमंद है दूसरी तरफ उतना ही नुकसान दे और इससे वैश्विक शांति को खतरा भी हो सकता है। राइट एक्टिविस्ट मानते हैं कि रोबोट की तरह इस तरह की विज्ञान पर आधारित चीजें माननीय प्रजाति को खतरा कर सकती है बल्कि उनकी चिंता डेटा सुरक्षा प्रपो गेंडा सर्विलांस के विरुद्ध होने वाले नुकसान पर भी ज्यादा है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस को लेकर खाड़ी के देशों ने एआई के इस्तेमाल पर दिशा निर्देश तय कर उसे जारी किया है हालांकि इस पर कोई कानूनी बाध्यता नहीं है फिर भी इसका दुरुपयोग होने से मानव को खतरा भी हो सकता है यह एक वैश्विक चिंता की बात है।

खंडवा से अमरता तक: किशोर कुमार की सुरों भरी यात्रा

प्रो. आरके जैन "अरिजीत"

किशोर कुमार—एक ऐसी आवाज़ जो दिलों की गहराइयों में उतरती है, एक ऐसा जादू जो समय की सीमाओं को लांघता है, और एक ऐसी शख्सियत जो भारतीय सिनेमा के आकाश में सूरज की तरह चमकती है। 4 अगस्त 1929 को मध्यप्रदेश के खंडवा में जन्मे आभास कुमार गांगुली, जिन्हें दुनिया किशोर दा के नाम से पूजती है, केवल एक गायक, अभिनेता, या संगीतकार नहीं थे—वे एक जीवंत कला थे, जिन्होंने हर गीत में अपनी आत्मा उड़ेल दी। उनकी आवाज़ में प्रेम की मिठास, जुदाई का दर्द, मस्ती की शरारत, और जीवन का दर्शन एक साथ बसता था। किशोर कुमार ने न केवल हिंदी सिनेमा को समृद्ध किया, बल्कि हर संगीत प्रेमी के दिल में एक अमिट छाप छोड़ी।

खंडवा के साधारण परिवेश में जन्मे किशोर कुमार का बचपन सामान्य था, लेकिन उनकी प्रतिभा असाधारण। उनके पिता कुंजीलाल गांगुली एक वकील थे, और बड़े भाई अशोक कुमार उस समय सिनेमा के एक चमकते सितारे थे। अशोक के बुलावे पर किशोर मुंबई आए, जहां उनकी यात्रा एक अभिनेता के रूप में शुरू हुई। उनकी पहली फिल्म शिकारी (1946) थी, लेकिन उनका दिल अभिनय से ज्यादा गायकी में रमता था। संगीत की कोई औपचारिक शिक्षा न होने के बावजूद, उन्होंने अपनी सहज प्रतिभा और जुनून से वह मुकाम हासिल किया जो शास्त्रीय प्रशिक्षण के बिना दुर्लभ है। उनकी प्रेरणा थे के.एल. सहगल, जिनकी गायकी का प्रभाव उनके शुरुआती गीतों में साफ झलकता है।

किशोर कुमार की गायकी का पहला बड़ा पड़ाव था ज़िद्दी (1948) का गीत 'मरने की दुआएं क्यों मांगूं', जिसने उनकी प्रतिभा की झलक दिखाई। लेकिन असली शोहरत उन्हें 1969 में आराधना के गीतों 'मेरे सपनों की रानी' और 'रूप तेरा मस्ताना' से मिली। इन गीतों ने उन्हें रातों-रात स्टार बना दिया और राजेश खन्ना की आवाज़ के रूप में उनकी पहचान को अमर कर दिया। 1970 का दशक किशोर दा और राजेश खन्ना की जोड़ी का सुनहरा दौर था। अमर प्रेम का 'चिंगारी कोई भड़के', कटी पतंग का 'ये शाम मस्तानी', और महबूब की मेहंदी का 'ये जो चिलमन है' जैसे गीतों ने लाखों दिलों को जीत लिया। उनकी आवाज़ में एक ऐसी जादूगरी थी जो हर गीत को जीवंत कर देती थी। किशोर कुमार की सबसे बड़ी ताकत थी उनकी आवाज़ की अभिव्यक्ति। वे गीत में केवल शब्द नहीं गाते थे, बल्कि किरदार की आत्मा को जीते थे। चाहे सफर का 'ज़िंदगी के सफर में' हो, जिसमें जीवन की नश्वरता का दर्शन छिपा है, या पड़ोसन का 'मेरे सामने वाली खिड़की में' जिसमें हास्य की चमक है—किशोर दा हर भाव को अपनी आवाज़ में ढाल लेते थे। उन्होंने लगभग 2,700 गीत गाए, जिनमें रोमांटिक, दर्दभरे, हास्यपूर्ण, और दार्शनिक गीत शामिल हैं। कुदरत का 'हमें तुमसे प्यार कितना', अनुराधा का 'हाय रे वो दिन क्यों न आए', और डॉन का 'खाइके पान बनारस वाला' जैसे गीत उनकी बहुमुखी प्रतिभा के गवाह हैं।

उनकी आवाज़ हर अभिनेता के लिए सटीक बैठती थी। राजेश खन्ना की रोमांटिक छवि, अमिताभ बच्चन का गुस्सैल युवा, देव आनंद का चुलबुला अंदाज़, या धर्मेंद्र का देसी ठाठ—किशोर की आवाज़ हर चेहरे को और जीवंत बना देती थी। आर.डी. बर्मन के साथ उनकी जोड़ी ने हिंदी सिनेमा को कई कालजयी गीत दिए। हरे रामा हरे कृष्णा का 'दम मारो दम', जवानी दीवानी का 'जाने जां ढूंढता फिर रहा', और यादों की बारात का 'चुरा लिया है तुमने' जैसे गीत उनकी और पंचम की रचनात्मकता का नमूना हैं। लक्ष्मीकांत-प्यारेलाल, कल्याणजी-आनंदजी, और एस.डी. बर्मन जैसे संगीतकारों के साथ भी उन्होंने अनगिनत हिट गीत दिए।

किशोर कुमार केवल गायक ही नहीं, एक संवेदनशील फिल्मकार भी थे। उन्होंने झुमरू (1961), दूर गगन की छांव में (1964), और दूर का राही (1971) जैसी फिल्मों का निर्माण और निर्देशन किया। उनकी फिल्में मानवीय रिश्तों, सामाजिक सरोकारों, और जीवन के गहरे दर्शन को दर्शाती थीं। दूर गगन की छांव में में एक सैनिक की भावनात्मक कहानी को उन्होंने इतनी संवेदनशीलता से पेश किया कि यह फिल्म आज भी दर्शकों को रुला देती है। उन्होंने अपनी फिल्मों में संगीत भी दिया और गीत भी लिखे, जो उनकी रचनात्मकता का एक और आयाम दिखाता है। उनका व्यक्तित्व उतना ही अनूठा था जितनी उनकी कला। किशोर दा रूढ़ियों को तोड़ने वाले और अपने सिद्धांतों पर अडिग रहने वाले व्यक्ति थे। उन्होंने कई बार फिल्म उद्योग की व्यावसायिकता और रीति-रिवाजों का खुलकर विरोध किया। एक मशहूर किस्सा है कि जब एक निर्माता ने उन्हें समय पर भुगतान नहीं किया, तो उन्होंने आधा गाना गाकर स्टूडियो छोड़ दिया। उनकी यह बेबाकी और आत्मसम्मान उन्हें और भी खास बनाता था।

किशोर कुमार का निजी जीवन रंगीन और जटिल था। उन्होंने चार विवाह किए—रुमा गुहा ठाकुरता (1950-1958), मधुबाला (1960-1969), योगिता बाली (1976-1978), और लीना चंदावरकर (1980-1987)। मधुबाला के साथ उनकी प्रेम कहानी हिंदी सिनेमा की सबसे मार्मिक कहानियों में से एक है। मधुबाला की बीमारी और असमय निधन ने किशोर को गहरे तक प्रभावित किया। उनके कई दर्दभरे गीतों में मधुबाला के प्रति उनकी भावनाएं झलकती हैं। 13 अक्टूबर 1987 को, मात्र 58 वर्ष की उम्र में किशोर कुमार ने हृदयाघात के कारण इस दुनिया को अलविदा कह दिया। उनकी अंतिम इच्छा के अनुसार, उनका पार्थिव शरीर उनके जन्मस्थान खंडवा ले जाया गया। उनकी मृत्यु ने सिनेमा जगत में एक ऐसी रिक्तता छोड़ी जो कभी पूरी नहीं हो सकती। फिर भी, उनकी आवाज़ आज भी हर संगीत प्रेमी के दिल में गूंजती है।

किशोर कुमार केवल एक कलाकार नहीं, बल्कि एक युगपुरुष थे, जिनकी आवाज़ में जादू और आत्मा का संगम था। उनकी गायकी हर पीढ़ी को अपने रंग में रंग लेती है, चाहे वह मुनीमजी का "जीवन के सफर में राही" हो, जिसमें जिंदगी की सैर की मासूम शरारत और गहरा दर्शन झलकता है, या अमर प्रेम का "कुछ तो लोग कहेंगे", जो समाज की रूढ़ियों पर करारा प्रहार करता है। उनके गीत जीवन के हर रंग—प्रेम, दर्द, मस्ती और आत्मचिंतन को जीवंत करते हैं। उनकी जयंती पर हम उनकी उस कला को सलाम करते हैं, जो हमें सिखाती है कि सच्चा कलाकार समय और मृत्यु की सीमाओं को लांघकर अमर हो जाता है। किशोर दा भले ही आज हमारे बीच नहीं हैं, लेकिन उनकी आवाज़ की गूंज अनंतकाल तक दिलों में बसी रहेगी। वे भारतीय सिनेमा के वो सितारे हैं जो कभी नहीं डूबेंगे।

फोन नंबर अनंत, फोन कथा अनंता

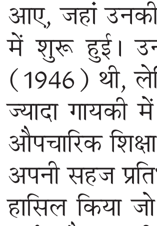

मोहन मंगलम

करीब चार दशक पहले का जमाना। तब दादीजी से मिलने कभी-कभार पड़ोस की एक बूढ़ी अम्मा आया करती थीं। जब मैं उनके पैर छूता तो वे अपने चांदी सरीखे सफेद बालों में से दो-चार बाल नोचकर मेरे सिर पर रख देतीं और कहतीं-"लखिया होअऽ" यानी लाख वर्ष जीओ। व्यावहारिक ज्ञान से परिपूर्ण इन वृद्धाओं की गिनती बीस से आगे नहीं बढ़ पाती थी। रोजमर्रा के जीवन में कामकाज के दौरान गिनते समय कोई वस्तु जब बीस से अधिक हो जाती तो वे एक बीस, दो बीस के हिसाब से काम चलातीं लेकिन ममता और आशीर्वाद का खजाना लुटाने में वे किसी सीमा का ध्यान नहीं रखती थीं। अन्य दादीजी मेरे किशोरावस्था के दौरान आशीर्वाद देतीं - "भगवान जल्दी तुम्हें एक भोजन पकाने वाली पत्नी दें।

खुद का प्रारब्ध भी तो कोई चीज होती है! तभी तो मेरे हमउम्र किसी मित्र की शादी मैट्रिक की परीक्षा देने के बाद रिजल्ट आने से पहले ही हो गई तो कोई इंटरमीडिएट और ग्रेजुएशन करते-करते एक से दो हो गया। वहीं मुझे यूनिवर्सिटी की पढ़ाई पूरी करने के कई वर्षों बाद आखिरकार अपना नंबर आ ही गया तो राज खुला कि पत्नी केवल रोटी ही नहीं पकाती, जब अपने पर आ जाए तो दिमाग भी पकाती है। और मूड बना ले तो पति को 'पानी पिलाने' में भी पीछे नहीं रहतीं।कई साल जयपुर में साथ-साथ रहने के बाद पिंकसिटी में पत्नी को छोड़कर लखनऊ में जब अकेले रहने की नौबत आई तो पता चला कि शहरों में पानी की आपूर्ति एक तय समय के अनुसार ही हुआ करती है।

सो साहब, अखबार की नौकरी में रात ढाई-तीन बजे दफ्तर से लौटने के बाद भोर चार बजे तक सोना हो पाता। आंखें नींद से बोझिल होने के बावजूद पानी भरने के लिए सुबह छह से सात बजे के बीच एक बार उठना ही पड़ता।उन दिनों देश भर के मीडिया में हर ओर कानपुर के बदमाश विकास दुबे एनकाउंटर की चर्चा थी। और मैं लखनऊ के एक नामचीन अखबार में काम करता था, सो वहां न्यूज रूम में विकास दुबे की चर्चा कुछ ज्यादा ही हुआ करती थी।

उन्हीं दिनों एक सुबह पानी भरने के बाद मैं दुबारा सो गया। जैसे ही आंख लगी कि मोबाइल की घंटी बजी। दूसरी तरफ से पूछा गया-"सुरेंदर?" मैंने रॉन्ग नंबर की बात कहकर मना कर दिया और सो गया। कच्ची नींद खुलने की वजह से 20-25 मिनट तक करवटें बदलने के बाद दुबारा नींद आई ही थी कि फिर मोबाइल टनटनाने लगा। उठाया तो आवाज आई-"विकास से बात करा दो।" मैंने कहा- "विकास तो पुलिस के एनकाउंटर में मर गया। जाने अब तक कहां से कहां पहुंच गया होगा! कैसे बात कराऊं?" फोन करने वाले ने कहा, "मैं कानपुर वाले विकास दुबे की नहीं विकास यादव से बात कराने के लिए कह रहा हूं। अब तक मेरी नींद काफूर हो चुकी थी।

मैंने पूछा - "भलेमानस, कहां से बोल रहे हो?" उसने कहा- "अलीगढ़ के सिकंदरपुर से। विकास यादव से जरूरी बात करनी है।" मैंने उसे बड़े प्यार से समझाया- "आंख-मुंह अच्छी तरह धोकर ठंडा पानी पीओ और फिर सही तरीके से नंबर देखकर दुबारा फोन मिलाओ।" ...और फिर उससे विदा लेने के बाद मैंने सोचा कि नींद तो इसने उड़ा ही दी। अब मैं कुछ नाश्ता-पानी का ही जुगाड़ करूं।

क्लाउडी कंकड़

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा

पुराने ज़माने में ज़मींदार हुआ करते थे, जो अपनी तिजोरियों में सोना-चाँदी ठूँसकर रखते थे। लेकिन इक्कीसवीं सदी में, जब धरती 'डिजिटल' हो चुकी थी और हवा में 'डेटा' तैरता था, तब एक नया ज़मींदार पैदा हुआ। उसका नाम था श्री डेटा दास। यह आदमी गाँव के जमींदारों से कहीं ज़्यादा अमीर था, क्योंकि उसके पास 'बिटकॉइन' था, 'एथेरियम' था, और कुछ 'एनएफटी' भी थे, जिनकी कीमत का अनुमान लगाना 'एलियन' की भाषा समझने जितना मुश्किल था। वह जितना डिजिटल रूप से अमीर था, उतना ही 'क्लाउड' में कंजूस भी। उसका धन सुरक्षित रखने का तरीका भी उतना ही 'अपडेटेड' और 'वायरल' था। वह 'क्रिप्टो' खरीदता, उसे 'माइन' करता, और फिर उसे 'डीप वेब' के किसी कोने में, अपने 'पर्सनल सर्वर फ़ार्म' के नीचे, एक 'एनक्रिप्टेड' गड्ढे में 'स्टोर' कर देता। यह गड्ढा कोई मामूली गड्ढा नहीं था, बल्कि उसके पेंटहाउस के बेसमेंट में बना एक 'हाई-टेक' सर्वर रूम था, जहाँ 'एसी' की ठंडी हवा और 'ग्राफिक्स कार्ड' की गुनगुनाहट के सिवा कुछ नहीं सुनाई देता था। वह इसे प्यार से अपना 'डिजिटल देवघर' कहता था, जहाँ उसके 'डेटा' के देवता निवास करते थे। रोज़ सुबह, वह अपने 'वीआर हेडसेट' पहनकर, 'वर्चुअल' दुनिया में इस 'देवघर' में उतरता, और अपने 'ब्लॉकचेन' पर दर्ज 'डिजिटल गोलों' की गिनती करता। यह उसकी दिनचर्या का हिस्सा था, जैसे किसी साधु का जप करना। वह सुनिश्चित करता था कि उसका 'डेटा' सुरक्षित है, और इस प्रक्रिया में उसे जो 'मानसिक शांति' मिलती थी, वह किसी 'योग गुरु' के 'ध्यान' से भी ज़्यादा गहरी थी। वह हर 'ट्रांजेक्शन आईडी' को ऐसे निहारता, जैसे कोई प्रेमी अपनी प्रेमिका की तस्वीर। उसकी दुनिया सिर्फ़ संख्याओं की थी, जो कभी इस्तेमाल नहीं होती थीं, बस बढ़ती रहती थीं। क्या खाक सोना, जब तक उसमें 'ब्लॉकचेन' की मुहर न हो! वह अक्सर बुदबुदाता। ये सिर्फ़ नंबर नहीं थे, ये उसकी आत्मा का 'एक्सटेंशन' थे, उसके डिजिटल अहं का परम-आनंद! वह सिर्फ़ 'होल्ड' करता था, 'एच-ओ-डी-एल' करता था, क्योंकि उसे लगता था कि यही 'मोक्ष' का मार्ग है, 'डिजिटल निर्वाण' का द्वार। उसकी इस 'डिजिटल तपस्या' को एक दिन एक 'साइबर चोर' ने 'मॉनिटर' कर लिया। यह कोई आम चोर नहीं था, बल्कि एक 'हैकर' था, जो 'डार्क वेब' की गलियों में 'फिरौती' के लिए बदनाम था। उसने डेटा दास को अपने 'डिजिटल देवघर' में 'लॉगिन' करते और अपने 'क्रिप्टो' की 'बैलेंस शीट' देखते हुए देख लिया। वह 'फायरवॉल' के पीछे छुपकर उसके 'लॉगआउट' होने का इंतज़ार करने लगा। जैसे ही डेटा दास ने अपना 'वीआर हेडसेट' उतारा और 'ऑफलाइन' हुआ, उस चोर ने अपने 'मालवेयर' और 'फ़िशिंग लिंक्स' के साथ 'गड्ढे' के पास पहुँचकर, उसके 'एनक्रिप्टेड डेटा' को 'डिक्रिप्ट' करना शुरू कर दिया। यह कोई भौतिक चोरी नहीं थी, बल्कि एक 'वर्चुअल' डकैती थी, जहाँ 'पिक्सेल' उड़ रहे थे और 'बाइट्स' गायब हो रहे थे। डेटा दास को अपने 'डिजिटल साम्राज्य' पर इतना भरोसा था कि उसने कभी सोचा ही नहीं था कि कोई 'अदृश्य शक्ति' उसके 'क्लाउड' में सेंध लगा सकती है। वह रोज़ अपने 'डैशबोर्ड' पर 'लाइव डेटा' देखता था, लेकिन 'सिस्टम ग्लिच' की आहट उसे कभी सुनाई नहीं दी। उसकी 'डिजिटल भक्ति' इतनी गहरी थी कि उसने 'टू-फैक्टर ऑथेंटिकेशन' को भी 'आउटडेटेड' मान लिया था। उसकी 'सुरक्षा' का भ्रम इतना मजबूत था कि उसे लगा, उसका 'डेटा' 'अमर' है, 'अविनाशी' है। लेकिन 'डिजिटल दुनिया' में 'अमरता' सिर्फ़ 'मीम्स' को मिलती है, 'क्रिप्टो' को नहीं। चोर ने धीरे-धीरे, एक-एक 'ब्लॉक' करके, उसके सारे 'डिजिटल गोलों' को अपने 'वॉलेट' में 'ट्रांसफर' कर लिया। जैसे रेत मुट्ठी से फिसलती है, वैसे ही उसके डिजिटल सपने, पिक्सेल-दर-पिक्सेल, शून्य में विलीन हो रहे थे। यह एक ऐसी चोरी थी, जिसका कोई 'एफ़आईआर' नहीं लिखा जा सकता था, क्योंकि 'पुलिस' भी नहीं समझ पाती कि 'एनएफटी' कैसे चोरी होते हैं। अगले दिन जब डेटा दास अपने 'डिजिटल देवघर' में फिर से 'लॉगिन' हुआ, तो उसे 'ब्लैंक स्क्रीन' और 'एरर मैसेज' देखकर लगा कि उसके 'नेटवर्क प्रोवाइडर' ने 'इंटरनेट' बंद कर दिया है। लेकिन जब उसने अपने 'क्रिप्टो वॉलेट' को 'रिफ्रेश' किया और देखा कि 'बैलेंस' शून्य है, तो उसकी आत्मा का 'वाई-फाई' कट गया। उसकी चीख, जो किसी भौतिक घाव से नहीं, बल्कि 'इनवैलिड की' और 'सर्वर एरर 404' के दर्द से निकली थी, पूरे पेंटहाउस में गूँज उठी। वह ऐसे बिलख रहा था, जैसे किसी ने उसकी आत्मा का 'बैकअप' डिलीट कर दिया हो, या उसके 'फेसबुक प्रोफाइल' से 'फ्रेंड लिस्ट' गायब हो गई हो। उसके रोने की आवाज़ इतनी 'हाई-पिच' थी कि पड़ोस की 'एआई असिस्टेंट' भी 'अलर्ट' हो गई और पूछने लगी, क्या आप 'पैनिक अटैक' के लिए 'एम्बुलेंस' बुलाना चाहेंगे? डेटा दास ने अपने 'वीआर हेडसेट' को ज़मीन पर पटक दिया, और 'मॉनिटर' पर अपने 'डिजिटल साम्राज्य' के 'खंडहरों' को देखता रहा। उसकी आँखों में 'पिक्सेल' तैर रहे थे, और उसके दिमाग में 'लॉस्ट डेटा' का 'नोटिफिकेशन' बज रहा था। वह अपने 'कीबोर्ड' पर ऐसे मुक्के मार रहा था, जैसे कोई 'बॉक्सिंग चैंपियन' अपने प्रतिद्वंद्वी को 'नॉकआउट' करने की कोशिश कर रहा हो, लेकिन 'कीबोर्ड' तो बेज़ुबान था, वह क्या करता?

वाराणसी में नहीं, महेश्वर में भी है काशी विश्वनाथ का गुप्त मंदिर, हूबहू बनावट

श्रावण मास में शिव उपासना का विशेष महत्व होता है। देशभर के प्रसिद्ध शिवालयों में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ती है। वाराणसी में गंगा के तट पर विराजमान काशी विश्वनाथ ज्योतिर्लिंग को भला कौन नहीं जानता। लेकिन, बहुत कम लोगों को पता होगा कि काशी विश्वनाथ का एक गुप्त मंदिर भी है, जो काशी में नहीं, मध्य प्रदेश के महेश्वर में है। पवित्र नगरी महेश्वर को भी गुप्त काशी कहा जाता है। यहां नर्मदा तट पर स्थित काशी विश्वनाथ मंदिर अपनी पौराणिक मान्यता, स्थापत्य कला और धार्मिक परंपराओं के चलते खास पहचान रखता है।

महेश्वर के किले परिसर में स्थित काशी विश्वनाथ मंदिर का इतिहास अत्यंत प्राचीन है। कहा जाता है कि यह शिवलिंग वाराणसी के काशी विश्वनाथ मंदिर में स्थापित किया जाना था, लेकिन किसी कारणवश ऐसा संभव नहीं हो पाया। अतः इसे महेश्वर में ही स्थापित किया गया। मान्यता है कि यह शिवलिंग भी उतना ही शक्तिशाली है जितना काशी विश्वनाथ ज्योतिर्लिंग। मंदिर का जीर्णोद्धार साल 1786 में होलकर वंश की महारानी देवी अहिल्या बाई होलकर ने करवाया था। यहां बता दें कि काशी में भी काशी विश्वनाथ मंदिर का जीर्णोद्धार देवी अहिल्या बाई ने ही कराया था।

वास्तुशास्त्र और पौराणिकता का अद्भुत संगम

इस मंदिर की रचना वाराणसी के मंदिर की तरह ही वास्तुशास्त्र के अनुसार की गई है। हेमंत जैन ने बताया, मुख्य द्वार पर नवग्रहों की मूर्तियां, मंदिर के अंदर पंचदेव दर्शन (सूर्य, गणेश, विष्णु, मां जगदंबा, गरुड़) और सभा मंडप में भगवान कृष्ण की रासलीला अंकित की गई है। गर्भगृह में शिव पंचायत के साथ-साथ नाग, नंदी, कछुआ जैसे तमाम प्रतीक यहां मौजूद हैं। गर्भगृह में स्थापित शिवलिंग नर्मदा नदी से प्रकट हुआ बताया जाता है।

देवी अहिल्या की पालकी से जुड़ी परंपराएं

आलोक पुरोहित (दयालु गुरु) बताते हैं कि यह मंदिर न केवल श्रद्धा का केंद्र है बल्कि इतिहास और परंपरा का साक्षी भी है। वामन नामक राजा ने इस मंदिर का निर्माण कई सदियों पहले यहां करवाया था। बाद में अहिल्या बाई 1780 में वाराणसी के काशी विश्वनाथ और 1786 में मंदिर का जीर्णोद्धार करवाया था। देवी अहिल्या बाई स्वयं इस मंदिर में पूजा अर्चना के लिए आती थीं। आज भी हर सोमवार को उनकी पालकी मंदिर लाई जाती है, जो श्रद्धालुओं के लिए विशेष आकर्षण होता है।

आखरी सोमवार निकलेगी शाही सवारी

श्रावण में रोजाना यहां भगवान का श्रृंगार होता है। सोमवार को विशेष श्रृंगार, भजन, पूजन और अनुष्ठान होते हैं। आखरी सोमवार को भव्य शाही पालकी निकलती है। जानकारी के अनुसार, इस साल 3 अगस्त रविवार को नर्मदा नदी में भगवान का नौका विहार होगा। इसके अगले दिन 4 अगस्त सोमवार को भगवान काशी विश्वनाथ नगर भ्रमण पर निकलेंगे। इस दौरान 11 किलो चांदी के मुखौटे और भगवान राजराजेश्वर की अष्टधातु प्रतिमा शाही सवारी में भक्तों को दर्शन देगी।

कम से कम कथा या प्रवचन को मोबाइल पर ना सुनिए

चांदनी घर जलाने आई है। इसका सीधा मतलब है, मोबाइल की रोशनी अब हमारे जीवन में नुकसान के दूसरे चरण में चल रही है। स्ट्रीमिंग के दौर में सबकुछ लोग हथेली पर कर रहे हैं। हमारा विषय है कम से कम कथा, प्रवचन मोबाइल या अन्य डिजिटल माध्यम पर ना सुनिए। इसके लिए लाइव ही अच्छा है।

अब तो न्यूरोसाइंटिस्ट भी मानते हैं कि आंखें दृश्यों को मस्तिष्क में ले जाती हैं और अमिग्डाला- यानी मस्तिष्क का वो भाग, जहां से भावना, संवेदना जागती है- उसको प्रभावित करती है। ये काम आंख करती है। लाइव कथा सुनने से भावना, संवेदना, धैर्य, समझ और चरित्र सब आपकी पकड़ में आ जाते हैं।

यदि आप यही सबकुछ मोबाइल या टीवी के परदे से सुन रहे हैं, तो उसका असर लाइव के मुकाबले कमजोर होगा। आंखें ठोकर पहले खाती हैं, उसके बाद पैर लड़खड़ाते हैं। तो आंख बड़ी महत्वपूर्ण है। कोशिश करिए कि महीने में एक बार कुछ ना कुछ लाइव जाकर सुनिए। रूबरू होकर ज्ञान मिलना अलग प्रभाव देगा।

क्या केले और नारियल पवित्र फल हैं?

भगवान को केवल ये दो ही फल क्यों चढ़ाए जाते हैं!

हिंदू परंपरा में, भगवान और मंदिर को भक्ति और सम्मान का प्रतीक माना जाता है। कई लोग अपने इष्ट देवों के दर्शन करने के लिए मंदिर जाते हैं। वे भगवान से मनोकामनाएं और मन्नतें मांगते हैं। मनोकामना पूरी होने के बाद, भगवान के दोबारा दर्शन कर धन्यवाद करते हैं। ऐसी यात्राओं के दौरान, कई लोग मंदिर में नारियल और केले चढ़ाते हैं। आखिर मंदिर में सबसे ज्यादा नारियल और केला ही क्यों अर्पित किया जाता है। अन्य फल बीजों द्वारा प्रजनन करते हैं।

आत्म समर्पण को दर्शाता है नारियल

नारियल को फोड़ने से अहंकार का नाश होता है, इसका कठिन आवरण हमारे अहं को दर्शाता है, जिसे तोड़कर हम आत्म समर्पण करते हैं। यह संस्कारिक दृष्टि से पूजा में स्वयं को समर्पित करने का संकेत है। इसके अंदर का सफेद हृदय हमारे मन का प्रतिबिंब है। नारियल का पानी हमारे भीतर के प्रेम और भक्ति के साथ प्रवाहित होता रहता है।

नारियल को श्रीफल कहा गया है। यह धन, ऐश्वर्य और समृद्धि की देवी लक्ष्मी को प्रसन्न करने के लिए चढ़ाया जाता है। यह फल तीन आंखों वाला होता है, जो त्रिनेत्र शिवजी का भी प्रतीक है। नारियल की तीन आंखें, भूतकाल के लिए, दूसरी वर्तमान के लिए और तीसरी भविष्य को दर्शाती हैं। इन तीन आंख को शरीर का प्रतीक भी माना जाता है – स्थूल, सूक्ष्म और कारण शरीर। अगर नारियल को मिट्टी में गाड़ दिया जाए, तो वह एक पेड़ बन जाता है। यह जीवन चक्र की एक सुंदर शिक्षा है।

त्याग को दर्शाता है केला

नारियल के अलावा केला भी बहुत खास फल है। अगर आप केला खाकर उसका छिलका फेंक दें, तो उसमें से कोई नया पौधा नहीं निकलेगा। केले के पेड़ के तने से नई कोंपलें निकलेंगी। केले का पेड़ जीवन में सिर्फ एक बार फल देता है। लेकिन अंत में वह मर जाता है और अपनी जगह उससे उगी नई कोंपलों को दे देता है। यह त्याग और जीवन के सद्गुण का एक बेहतरीन उदाहरण है।

केले का हर भाग पवित्र

ब्रह्मवैवर्त पुराण एवं तंत्र साहित्य में वर्णन मिलता है कि विष्णु जी एवं लक्ष्मी जी को केले के वृक्ष की पूजा और केले के फल का अर्पण विशेष रूप से प्रिय है। लक्ष्मी पूजन में केले के पत्तों और फलों का उपयोग अत्यंत शुभ माना गया है। सत्यनारायण की कथा में केला के फल का भोग और केले के पेड़ की पत्तियों का प्रयोग किया जाता है।

इसलिए नारियल और केले का होता है प्रयोग

यह जानकर, हमें यह स्पष्ट हो जाता है कि भगवान को नारियल और केले क्यों चढ़ाए जाते हैं। ये शुद्ध फल माने जाते हैं, पूरी तरह से तैयार और अन्य जीवों के प्रभाव से मुक्त। इसलिए, जब भी कोई भगवान के सान्निध्य में जाता है, तो इन्हें ग्रहण करना न केवल एक परंपरा है, बल्कि एक आध्यात्मिक प्रक्रिया भी है।

महेश्वर: महिष्मती, शिव की पौराणिक नगरी

महेश्वर मध्य भारत के मध्य प्रदेश राज्य के खरगोन जिले में स्थित एक शहर है । यह राज्य राजमार्ग-38 पर स्थित है और राज्य की व्यावसायिक राजधानी इंदौर से 91 किलोमीटर दूर है। यह शहर नर्मदा नदी के उत्तरी तट पर स्थित है। यह चक्रवर्ती सम्राट सहस्त्रार्जुन, कार्तवीर्य अर्जुन, एक वीर राजा का राज्य था। हाल ही में, कई वर्षों के बाद, यह मराठा होल्कर शासनकाल के दौरान 6 जनवरी 1818 तक मालवा की राजधानी थी, जब राजधानी को मल्हार राव होल्कर तृतीय द्वारा इंदौर स्थानांतरित कर दिया गया था। महारानी अहिल्याबाई होल्कर ने 1765 से 1796 तक यहां शासन किया।

यह किला प्राचीन भारतीय सामग्री निर्माण, युद्ध रणनीति और रक्षा नीति का सबसे अच्छा उदाहरण है। यह 2 वर्ग किलोमीटर के क्षेत्र की रक्षा करता है और 4थी से 5वीं शताब्दी के दौरान बनाया गया था। वर्तमान संरचना 17वीं से 18वीं शताब्दी के बीच की है। किले में पाँच मुख्य प्रवेश द्वार और सैनिकों के निरीक्षण के लिए कई कमरे हैं। किले की चोटी से दुश्मनों को परास्त करने के लिए बंदूकें, तोपें और तीर-कमान तैयार रखे गए थे। आसपास के क्षेत्र पर नज़र रखने के लिए पाँच फुट चौड़ा पैदल मार्ग भी है। किले के अंदर राजबाड़ी (महल), स्वर्ण झूला सहित अहिल्याबाई का पूजा स्थल और राजराजेश्वर मंदिर हैं। ऐसा माना जाता है कि महेश्वर का निर्माण सोमवंशीय शस्त्रार्जुन क्षत्रिय के प्राचीन शहर के स्थल पर हुआ था और यह राजा कार्तवीर्य अर्जुन , (श्री शस्त्रार्जुन) की राजधानी थी, जिनका उल्लेख संस्कृत महाकाव्य रामायण और महाभारत में किया गया है।

एक लोकप्रिय किंवदंती के अनुसार, एक दिन राजा सहस्रार्जुन और उनकी 500 पत्नियाँ नदी पर गईं। जब पत्नियाँ एक विशाल खेल क्षेत्र चाहती थीं, तो राजा ने अपनी 1000 भुजाओं से शक्तिशाली नर्मदा नदी को रोक दिया। जब वे सभी आनंद ले रहे थे, रावण अपने पुष्पक विमान में उड़ गया। जब उसने सूखी नदी को देखा, तो उसने सोचा कि यह भगवान शिव से प्रार्थना करने के लिए एक आदर्श स्थान है। उसने रेत से एक शिवलिंग बनाया और प्रार्थना करना शुरू कर दिया।

जब सहस्रार्जुन की पत्नियों ने खेलना समाप्त कर दिया और वे नदी के तल से बाहर आईं, तो उन्होंने पानी को प्रवाहित कर दिया अस्त्र-शस्त्रों से सुसज्जित महाबली रावण अत्यन्त आश्चर्यचकित हुआ। सहस्त्रार्जुन ने रावण को भूमि पर पटक दिया। फिर उसके सिर पर दस दीपक और हाथ पर एक दीपक रखा। रावण को बाँधने के बाद, सहस्त्रार्जुन उसे घसीटकर घर ले गया और अपने पुत्र के पालने के खंभे से बाँध दिया। अपमानित रावण तब तक बंदी बना रहा जब तक उसे मुक्त नहीं कर दिया गया। अठारहवीं शताब्दी के उत्तरार्ध में, महेश्वर महान मराठा रानी राजमाता अहिल्या देवी होल्कर की राजधानी हुआ करता था। उन्होंने शहर को अनेक भवनों और सार्वजनिक कार्यों से सुशोभित किया, और यहाँ उनका महल, कई मंदिर, एक किला और नदी किनारे घाट (नदी तक जाने वाली चौड़ी पत्थर की सीढ़ियाँ) भी स्थित हैं।

महेश्वर त्योहारों और उत्सवों से भरा रहता है, जिनमें नाग पंचमी, गुड़ी पड़वा, श्रावण मास के सभी सोमवार, महाशिवरात्रि, समोती अमावस और अन्य सभी भारतीय त्योहार शामिल हैं। यहाँ कई दर्शनीय स्थल हैं, जैसे गोल्फ स्विंग भी उन्हीं का है और यह राजवाड़ा में स्थित है। महेश्वर में देवी विंध्यवासिनी भवानी का मंदिर भी है, जो देवी पार्वती के 24 शक्तिपीठों में से एक है।

महेश्वर शहर में महामृत्युंजय रथ यात्राः

यह महामृत्युंजय रथ यात्रा श्री हरविलास असोपा द्वारा मानवता के कल्याण के लिए शुरू की गई थी और इसे दुनिया में अपनी तरह की पहली यात्रा के रूप में जाना जाता है। यह यात्रा भगवान सदाशिव महामृत्युंजय की आयुर्वेद मूर्ति पवित्र नदी नर्मदा के तट पर समाप्त होती है।

महेश्वर एक सांस्कृतिक रूप से समृद्ध शहर है और इसका महत्व पुराणों और इतिहास के माध्यम से वर्णित है। यह एक धार्मिक शहर है और यहाँ के लोग सरल और खुशमिजाज हैं।

माहेश्वरी का महल (रजवाड़ा)

किले के अंदर महल और रजवाड़ा सभी के लिए प्रशासन और न्याय के लिए बैठते थे। राजगादी पर राजमाता अहिल्याबाई होल्कर की एक मूर्ति विराजमान है। और उस समय की कई चीजों का उपयोग रानी स्वयं करती थीं। राजवाड़ा के सामने महल के पास देवी अहिल्याबाई की एक विशाल मूर्ति है, यह 13 फीट ऊंची धातु की मूर्ति महाराष्ट्र के विधायक श्री अनिल कुमार गोटे की है। अहिल्याबाई जिन सभी देवताओं की प्रतिदिन पूजा करती थीं, वे सभी राजवाड़ा में हैं। पूजा स्थल में एक सुनहरा झूला भी है।

महेश्वर मंदिरों का शहर है, अधिकांश मंदिर भगवान शिव के हैं। महेश्वर में अधिकांश महादेव मंदिरों ने शहर का नाम बदलकर गुप्त काशी कर दिया। महेश्वर में यहाँ के प्रसिद्ध मंदिर श्री राजराजेश्वर महादेव, काशी विश्वनाथ, अहिल्येश्वर महादेव, ज्वालेश्वर महादेव, बाणेश्वर, कालेश्वर, सप्तमातृका और कदम्बेश्वर हैं। कुछ नवनिर्मित भव्य मंदिर सहस्त्रधारा क्षेत्र में दत्त धाम के रूप में भी हैं। कहा जाता है कि महेश्वर में 100 से अधिक मंदिर हैं। ऐसा लगता है कि ये मंदिर महेश्वर का लम्बा इतिहास बता रहे हैं।

पिता महेश्वर मंदिर वाराणसी

वाराणसी, गंगा नदी के तट पर स्थित है और इसे भारत के सबसे पवित्र स्थानों में से एक माना जाता है। ऐसा ही एक मंदिर है पिता महेश्वर मंदिर, जो उत्तर प्रदेश के वाराणसी में मोहल्ला शीतला गली, क्रमांक 7/92 पर स्थित है। पिता महेश्वर शिवलिंग वाराणसी के गुप्त मंदिरों में से एक है।

पिता महेश्वर मंदिर के बारे में

पिता महेश्वर शिवलिंग 40 फीट ज़मीन के नीचे स्थित है और इसे बहुत शक्तिशाली माना जाता है; इसलिए दर्शनार्थी ज़मीन में बने छेद से झाँककर दर्शन कर सकते हैं। ये काशी की संकरी गलियों और बस्तियों में स्थित हैं।

पिता महेश्वर मंदिर का इतिहास

पिता महेश्वर मंदिर में स्थित शिवलिंग को स्वयंभू शिवलिंग माना जाता है। इस शिवलिंग का उल्लेख स्कंद पुराण में भी मिलता है। पिता महेश्वर मंदिर ऐसे ही मंदिरों में से एक है जिसका उद्धार हमारे पूर्वजों ने किया था और कहा जाता है कि जो कोई पिता महेश्वर की पूजा करता है, उसकी अगली 20 पीढ़ियों को मुक्ति मिलती है। ऐसा कहा जाता है कि पिता महेश्वर मंदिर काशी विश्वनाथ मंदिर जितना ही पुराना है।

पिता महेश्वर मंदिर का समय

मंदिर केवल कुछ चुनिंदा दिनों जैसे शिवरात्रि, रंग भरी एकादशी और मानसून के सोमवार को ही खुलता है, लेकिन पूरे वर्ष भर इस छेद से शिवलिंग के दर्शन किए जा सकते हैं।

पिता महेश्वर मंदिर कैसे पहुँचें

पिता महेश्वर मंदिर, सीके 7/92, मोहल्ला शीतला गली, वाराणसी, उत्तर प्रदेश में स्थित है। मंदिर चौक से पहुंचा जा सकता है और वहां पहुंचने के लिए ऑटो रिक्शा या साइकिल रिक्शा लिया जा सकता है।

सड़क द्वारा

वाराणसी बस स्टैंड उत्तर प्रदेश और आसपास के अन्य राज्यों के प्रमुख शहरों से अच्छी तरह जुड़ा हुआ है। वाराणसी के आस-पास के शहरों से वातानुकूलित बसें चलती हैं। आप वाराणसी पहुँचकर पिता महेश्वर मंदिर के दर्शन कर सकते हैं।

रेल द्वारा- वाराणसी रेलमार्ग से अच्छी तरह जुड़ा हुआ है। कानपुर, लखनऊ, नई दिल्ली और भारत के अन्य शहरों से वाराणसी पहुँचने के लिए रेलगाड़ियाँ आसानी से उपलब्ध हैं।

वायु हवाईजहाज से-

वाराणसी हवाई अड्डा दिल्ली और मुंबई जैसे प्रमुख शहरों से जुड़ा हुआ है। आप वाराणसी के लिए हवाई जहाज़ से जा सकते हैं और पिता महेश्वर मंदिर तक पहुँचने के लिए स्थानीय परिवहन का उपयोग कर सकते हैं।

अच्छे गुण खोल सकते हैं भाग्य के बंद दरवाजे

हमारे जीवन में अच्छे गुणों की भूमिका ठीक वैसी ही होती है जैसे बीज की मिट्टी में, जैसा बोओगे, वैसा ही फल पाओगे। अगर हमारे पास चार अच्छे गुण हैं और हम दूसरों से मिलकर उनके एक-एक गुण को सीखते और अपनाते जाते हैं तो हमारे भीतर गुणों की पूंजी निरंतर बढ़ती जाती है। यही सतत गुण-संग्रह हमारी आंतरिक उन्नति को जन्म देता है और आंतरिक उन्नति ही भाग्य के द्वार खोलती है।

अगर हम दूसरों से सीखने में संकोच करेंगे तो अपने सीमित गुणों तक ही सीमित रह जाएंगे। ऐसे में हमारे जीवन का दायरा भी सीमित हो जाएगा और संभावनाएं भी कम होती जाएंगी। लेकिन जो व्यक्ति सीखने की प्रवृत्ति रखता है, वह लगातार नई ऊंचाइयों को छूता है और उसका भाग्य स्वयं उसे ऊपर उठाने लगता है। इसलिए दूसरों के सद्गुणों को देखकर उनसे सीखना न केवल आत्म-विकास है, बल्कि यह अपने भाग्य को उज्ज्वल और समृद्ध बनाने का सर्वोत्तम तरीका भी है। भाग्योदय के लिए हमें हर उस सिद्धांत का पालन करना चाहिए, जिसका अनुसरण कर हमारा जीवन समृद्ध हो सके।

अच्छे गुण जहां भी हों, जिस किसी में भी हों, हमें उन्हें सीखने में और उनका अनुसरण करने में हिचकिचाना नहीं चाहिए। मान लीजिए, हमारे पास चार अच्छे गुण हैं, हम एक व्यक्ति से मिलते हैं, जिसमें और दो अच्छे गुण हैं। हम उससे वे गुण सीखते हैं और उनका अनुसरण करते है तो हमारे पास अब छः अच्छे गुण हो जाते हैं, तभी हम एक और अच्छे गुणवाले, व्यक्ति से मिलते हैं, उससे एक गुण लेते हैं तो अपने पास कुल सात अच्छे गुण हो जाते है। इस प्रकार हम दूसरे लोगों से अच्छे गुण ग्रहण करते जाएंगे। हम अच्छे गुणों का अगर बन जाएंगे और जीवन में समृद्धि और अच्छाई की तरफ और ऊपर उठेंगे। उल्टे अगर हम दूसरों का आदर करने से, उनसे सीखने से इनकार करेंगे तो मरने तक हमारे उन चार गुणों के साथ अन्य अच्छे गुण नहीं जुड़ पाएंगे और हमारे जीवन में कोई प्रगति भी नहीं होगी।

परिणीति चोपड़ा ने राघव के साथ पहली डेट का खोला राज, गूगल पर सर्च किया था मैरिटल स्टेटस

परिणीति चोपड़ा और राघव चड्ढा बॉलीवुड के प्रसिद्ध कपल्स में से एक हैं। हाल ही में परिणीति और राघव कॉमेडियन कपिल शर्मा के शो पर आए, जहां पर उन्होंने जमकर मस्ती की। इसके साथ ही परिणीति ने राघव के साथ अपनी पहली डेट के बारे में भी खुलकर बताया।

कब हुई थी परिणीति और राघव की पहली मुलाकात

द ग्रेट इंडियन कपिल शो के दौरान परिणीति ने बताया कि राघव से उनकी पहली मुलाकात लंदन में हुई थी। जहां दोनों को ब्रिटिश काउंसिल से पुरस्कार मिल रहा था। परिणीति को मनोरंजन के क्षेत्र में और राघव को राजनीति में योगदान के लिए सम्मानित किया गया था। परिणीति के भाइयों ने उन्हें राघव से मिलने को कहा और संयोग से राघव उनके पीछे बैठे थे। मुलाकात के बाद परिणीति ने राघव को दिल्ली में

मिलने का सुझाव दिया और राघव ने अगले ही दिन उन्हें नाश्ते पर बुला लिया। इस पर राघव ने मजाक में कहा कि उन्होंने मौके पर चौका मारा।

राघव और परिणीति की पहली डेट

परिणीति ने बताया कि पहली डेट पर वह पांच लोगों को साथ ले गई थीं। टेबल पर कुल 12-15 लोग थे। इसके बाद दोनों ने बातचीत शुरू की और पहली मुलाकात में ही शादी की बात कर ली। राघव को पहली नजर में प्यार हो गया था और परिणीति को भी लगा कि वे राघव से शादी करेंगी। भले ही उन्हें राघव के बारे में ज्यादा जानकारी नहीं थी।

परिणीति ने लिया गूगल का सहारा

राघव ने बताया कि परिणीति ने डेट के बाद गूगल पर उनकी उम्र, शादीशुदा स्थिति और सांसद के कर्तव्यों के बारे में सर्च किया। परिणीति ने हंसते हुए कहा कि उन्होंने राघव की हाइट भी चेक की थी, क्योंकि उन्हें लंबे लड़के पसंद हैं। राघव की हाइट सही होने पर उन्हें लगा कि वे परफेक्ट हैं। इसके बाद 3-4 महीनों में दोनों ने रोका कर लिया और सितंबर 2023 में शादी कर ली।

'किंगडम' देखने के बाद सुकुमार ने विजय देवरकोंडा की तारीफ की

टॉलीवुड स्टार विजय देवरकोंडा अपनी नई फिल्म किंगडम की सफलता का आनंद ले रहे हैं। फिल्म को दर्शकों से अच्छी प्रतिक्रिया मिल रही है। वहीं साउथ के मशहूर निर्देशक सुकुमार ने विजय की फिल्म किंगडम को लेकर अपनी प्रतिक्रिया जाहिर की है। एक खबर के अनुसार, हाल ही में मीडिया से बात करते हुए विजय ने बताया कि मशहूर निर्देशक सुकुमार ने किंगडम देखने के बाद उन्हें फोन कर उनके अभिनय की तारीफ की। विजय ने कहा, सुकुमार सर की तारीफ मेरे लिए बहुत खास है। मैं उनकी बहुत इज्जत करता हूं। विजय ने यह भी बताया कि वह और सुकुमार अर्जुन रेड्डी के बाद से एक साथ

काम करने की योजना बना रहे हैं। उन्होंने कहा, हमें उम्मीद है कि भविष्य में हम साथ काम करेंगे, लेकिन अभी मेरा ध्यान मेरे मौजूदा प्रोजेक्ट्स पर है।

विजय का करियर

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, 2020 में निर्माता केदार सेलागामसेट्टी ने विजय और सुकुमार की एक फिल्म की घोषणा की थी, लेकिन वह प्रोजेक्ट अभी तक शुरू नहीं हुआ है। हाल ही में विजय की फिल्म "किंगडम" रिलीज हुई है। यह फिल्म विजय के फैंस को बेहद पसंद भी आ रही है।

गौतम तिन्ननुरी द्वारा लिखित और निर्देशित तेलुगु जासूसी एक्शन ड्रामा फिल्म "King-dom" 31 जुलाई, 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज हुई। यह फिल्म हिंदी भाषा में "साम्राज्य' के नाम से रिलीज हुई है।

नागा वामसी और साई सौजन्या द्वारा सीथारा एंटरटेनमेंट्स और फॉर्च्यून फोर सिनेमाज के बैनर तले निर्मित इस फिल्म में विजय देवरकोंडा और भाग्यश्री बोरसे ने मुख्य भूमिका निभाई है।

पाकिस्तानियों के इवेंट में शामिल होकर विवादों में कार्तिक आर्यन

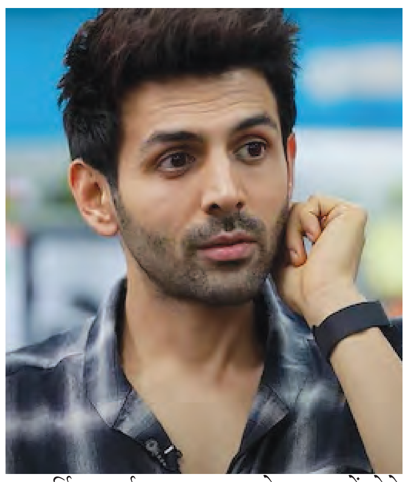

कार्तिक आर्यन 15 अगस्त को ह्यूस्टन में होने वाले आजादी के उत्सव में शामिल होने वाले हैं, जिसे पाकिस्तानी की एक कंपनी ऑर्गेनाइज कर रही है। अनाउंसमेंट के बाद से ही फिल्म फेडरेशन ने इस पर आपत्ति जताई थी। FWICE के बाद अब ऑल इंडिया सिने वर्कर्स एसोसिएशन ने भी इसकी कड़ी निंदा की है। जबकि कार्तिक पहले ही एक स्टेटमेंट जारी कर मामले पर सफाई दे चुके हैं।

एसोसिएशन ने कार्तिक आर्यन के लिए एक स्टेटमेंट जारी किया है, जिसमें लिखा है- 'यह हमारे संज्ञान में आया है कि 15 अगस्त 2025 को अमेरिका के ह्यूस्टन, टेक्सास में "आजादी उत्सव- द सेलिब्रेशन ऑफ फ्रीडम" नामक एक कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है, जिसकी मेजबानी आगा रेस्टोरेंट एंड केटरिंग द्वारा की जा रही है। यह एक पाकिस्तान-आधारित संस्था है, जो शंकत मारेडिया की है। हैरानी की बात यह है कि यह कार्यक्रम भारत और पाकिस्तान, दोनों के स्वतंत्रता दिवस का संयुक्त रूप से उत्सव मनाने के नाम पर आयोजित किया जा रहा है।'

आगे लिखा गया है, 'कार्तिक, आप सिर्फ एक सुपरस्टार नहीं हैं, आप भारत की युवा पीढ़ी, उसकी संस्कृति और उसके गौरव के प्रतिनिधि हैं। इस देश ने आपको सब कुछ दिया है, नाम, शोहरत, दौलत और बेहिसाब प्यार। ऐसे में आपको एक ऐसे कार्यक्रम से जुड़ा देखना, जो उस देश द्वारा आयोजित है जो भारत में आतंकवाद को लगातार समर्थन देता रहा है, हर भारतीय के लिए न सिर्फ निराशाजनक है, बल्कि दिल तोड़ने वाला भी है।

क्या आप भूल चुके हैं पहलगाम, कश्मीर में हुए उस बर्बर आतंकी हमले को, जहां पाकिस्तान-प्रायोजित आतंकवादियों ने 26 निर्दोष भारतीय यात्रियों को उनके धर्म पूछ कर उनके परिवारों के सामने बेरहमी से मार डाला था? क्या 26/11 के मुंबई हमले, पुलवामा के बलिदान और अनगिनत अन्य आतंकी हमले इतनी आसानी से आपके जेहन से मिट गए हैं?'

एसोसिएशन की पोस्ट में आगे लिखा गया है, 'कार्तिक, क्या आपने कभी सोचा है कि हमारे वीर भारतीय सैनिक, जो पाकिस्तान से देश की रक्षा के लिए सीमा पर तैनात हैं, वे कैसा महसूस करेंगे जब वे देखेंगे कि आप उसी देश द्वारा आयोजित कार्यक्रम में परफॉर्म करने जा रहे हैं, जिसका उद्देश्य ही भारत को नष्ट करना है? वे सैनिक जो हर दिन अपनी जान की बाजी लगाते हैं ताकि आप स्वतंत्र रह सकें, क्या उनके बलिदान की कोई कीमत नहीं? उनकी भावनाएं आपको माफ नहीं करेंगी। भारत के 1.4 अरब नागरिक भी आपके साथ खड़े नहीं होंगे यदि आपने अपने कुछ डॉलर और विदेशी मंच के लिए अपने देश की मिट्टी से गद्दारी की।'

कार्तिक की टीम की सफाई पर भी दी कड़ी प्रतिक्रिया

एसोसिएशन ने विवादों के बीच कार्तिक की टीम द्वारा जारी किए गए स्टेटमेंट में कहा है, 'आपकी टीम ने एक बयान जारी कर यह कहा है कि आपको आगा रेस्टोरेंट के पाकिस्तानी बैकग्राउंड की जानकारी नहीं थी, लेकिन यह मानना बेहद कठिन है कि आपके जैसे कलाकार की अनुमति के बिना, आपके चेहरे वाले आधिकारिक पोस्टर सार्वजनिक रूप से प्रचारित किए जाएं। इस तरह की "अनदेखी" आपके स्तर के कलाकार के लिए किसी भी तरह से स्वीकार्य नहीं है।'

'कोई भी विदेशी मुद्रा उन लोगों की जान से कीमती नहीं हो सकती, जिन्होंने आपके देश की रक्षा के लिए बलिदान दिया है। कृपया दिलजीत दोसांझ जैसे कलाकारों की राह पर मत चलिए, जिन्होंने निजी लाभ को देशभक्ति से ऊपर रखा।'

'आपकी टीम की सफाई हमने सुनी, लेकिन इस कार्यक्रम के प्रचार को देखते हुए आवश्यक है कि आप स्पष्ट रूप से सार्वजनिक रूप से इससे अलग होने की घोषणा करें। हम आपसे निवेदन करते हैं कि आप तुरंत "आजादी उत्सव" कार्यक्रम से अपनी भागीदारी वापस लें और यह सार्वजनिक रूप से संकल्प लें कि आप भविष्य में किसी भी पाकिस्तान-प्रायोजित कार्यक्रम, प्रोडक्शन हाउस या फाइनेंसर के साथ कोई सहयोग नहीं करेंगे। यह भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा का विषय है। देश देख रहा है। यह वह क्षण है जब आपको तय करना होगा, क्या आप भारत के साथ खड़े होंगे, या उसके दुश्मनों के साथ?'

'धड़क 2' से पहले सिद्धांत की ये फिल्में भी दर्शकों को नहीं आईं पसंद, एक के बाद एक हुईं फ्लॉप

बॉलीवुड एक्टर सिद्धांत चतुर्वेदी की फिल्म 'धड़क 2' 1 अगस्त को सिनेमाघरों में रिलीज हुई है। फिल्म में तृप्ति डिमरी भी नजर आ रही हैं। हालांकि फिल्म से काफी उम्मीदें लगाई जा रही थीं लेकिन पहले दो दिन के कलेक्शन के मामले में फिल्म ने कुछ खास परफॉर्म नहीं किया है। फिल्म ने अब तक कुल 7.25 करोड़ रुपये की कमाई की है, जो उम्मीदों से काफी कम है। क्या आप जानते हैं इससे पहले भी कई फिल्में ऐसे ही बॉक्स ऑफिस पर फ्लॉप हो चुकी हैं। आइए नजर डालते हैं उन फिल्मों पर।

युधा

एक्शन और थ्रिल से भरपूर फिल्म 'युधा' सिद्धांत चतुर्वेदी के करियर की मच अवेटेड फिल्मों में से एक थी। इस फिल्म में उनके साथ मालविका मोहनन नजर आई थीं। फिल्म की कहानी एक ऐसे युवा की है जो एक खतरनाक मिशन पर निकलता है, जिसमें उसकी जान भी दांव पर लग जाती है। एक्शन सीक्वेंस और मजबूत लुक्स के बावजूद फिल्म की कहानी दर्शकों को बांध नहीं पाई। फिल्म 2024 की शुरुआत में रिलीज हुई थी, लेकिन भारतीय बॉक्स ऑफिस पर इसका कलेक्शन 5.8 करोड़ रुपये तक ही सीमित रहा।

बंटी और बबली 2

'बंटी और बबली 2' 2021 में रिलीज हुई, जिसमें सिद्धांत चतुर्वेदी ने नए दौर के 'बंटी' का किरदार निभाया। इस फिल्म में उनके साथ शरवरी वाघ, सैफ अली खान और रानी मुखर्जी भी थे। फिल्म को 2005 की सुपरहिट 'बंटी और बबली' का सीक्वल कहा जा रहा था। हालांकि दर्शकों ने फिल्म को ज्यादा पसंद नहीं किया। पुरानी फिल्म का जादू दोहराने में ये फिल्म असफल रही और केवल 12.5 करोड़ रुपये की कमाई कर सकी।

खो गए हम कहां

ये फिल्म 2023 में ओटीटी पर रिलीज हुई थी लेकिन डिजिटल रिलीज के बावजूद इसे बॉक्स ऑफिस के स्तर पर काफी चर्चाओं में रखा गया था। फिल्म में सिद्धांत के साथ अनन्या पांडे और गौरव अरोड़ा नजर आए। फिल्म की कहानी तीन दोस्तों की जिंदगी और सोशल मीडिया की दुनिया में उनके रिश्तों के बदलते आयामों पर आधारित थी। कहानी ताजगी लिए हुए थी, लेकिन धीमी रफ्तार और गहरे भावनात्मक पहलुओं के चलते दर्शकों को कुछ खास पसंद नहीं आई।

फोनभूत

'फोनभूत' एक हॉरर-कॉमेडी फिल्म थी, जिसमें सिद्धांत के साथ कैटरीना कैफ और ईशान खट्टर भी प्रमुख भूमिकाओं में थे। फिल्म 2022 में सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। कहानी भूतों से बात करने वाले एक विशेष फोनबूथ के इर्द-गिर्द घूमती है, जिसे लेकर तीन युवाओं की जिंदगी बदल जाती है। फिल्म का कॉन्सेप्ट तो नया था लेकिन पटकथा और ह्यूमर कमजोर पड़ गए। इसका कुल कलेक्शन 10.75 करोड़ रुपये रहा।

प्रेमानंद महाराज के सपोर्ट में उतरीं अंकिता लोखंडे

कहा- लड़की और लड़के दोनों के लिए बोला है, बयान में कहा था बच्चियों के चरित्र पवित्र नहीं है

कथावाचक प्रेमानंद महाराज जी अपने उस बयान से विवादों में घिर गए हैं, जिसमें उन्होंने कहा था लिव इन और शादी से पहले हो रहे अफेयर्स की निंदा करते हुए कहा कि आजकल 100 में से 4 लड़कियां ही पवित्र हैं। उनके बयान पर देशभर में आपत्ति जताई जा रही है। हालांकि अब अंकिता लोखंडे उनके सपोर्ट में उतरी हैं। अंकिता ने कहा है कि उन्होंने सही कहा है।

अंकिता ने लिखा है, बिल्कुल सही कहा, कान खोलो, दोनों लड़की और लड़के को बोला है और जो उन्होंने कहा है वो पूरी तरह सच है। प्रेमानंद महाराज जी को पूरा सपोर्ट है। इस दौर में, इस दुनिया में, ऐसे लोग ही हैं जो आध्यात्मिकता की सादगी को फिर से वापस लाते हैं। कुछ भी गलत नहीं बोला है।

क्या था प्रेमानंद जी का पूरा बयान

एक सभा में कथावाचक प्रेमानंद महाराज से पूछा गया था कि आजकल लव मैरिज और अरेंज मैरिज में भी परिणाम अच्छे नहीं आ रहे। इसके जवाब में उन्होंने कहा था, 'अच्छे आएंगे कहां से आजकल बच्चियों और बच्चों के चरित्र पवित्र नहीं हैं। अच्छे कैसे आएंगे। हमारी माताओं-बहनों के पहले रहन-सहन देखो। हम अपने गांव का बता रहे हैं बूढ़ी थी, माथे से नीचे पल्लू नहीं लेती थी और के बच्चे कैसी पोशाकें पहन रहे हैं। कैसे आचरण कर रहे हैं। एक लड़के से ब्रेकअप, दूसरे से व्यवहार, फिर दूसरे से ब्रेकअप, तीसरे से व्यवहार। कैसे शुद्ध होगा। मान लो हमें 4 होटल का भोजन खाने की जुबान में आदत पड़ गई। तो घर की रसोई का भोजन अच्छा नहीं लगेगा।'

'जब 4 पुरुष से मिलने की आदत पड़ गई है, तो एक पति को स्वीकार करने की हिम्मत उसमें नहीं रह जाएगी। ऐसे ही जब 4 लड़कियों से व्यभिचार की आदत लग चुकी है, तो वो अपनी पत्नी से संतुष्ट नहीं रहेगा।

उसे 4 से व्यभिचार करना पड़ेगा, क्योंकि उसने आदत बना ली है। हमारी आदतें खराब हो रही हैं, हमारे बच्चों की आदतें खराब हो रही हैं। ये जो मोबाइल चल गया है जो गंदी बातें चल गई हैं। तो आजकल बहू मिलना या पति मिलना मुश्किल है। 100 में से 2-4 कन्याएं ऐसी होंगी, जो अपना जीवन पवित्र रखकर किसी पुरुष को समर्पित होती होंगी। कैसे वो सच्ची बहू बनेगी, जो 4 लड़कों से मिल चुकी हो? जो 4 लड़कियों से मिल चुका हो सच्चा पति बनेगा?'

'हमारा भारत देश धर्म प्रधान देश है, अब जो हमारे देश में गलतियां घुस गई हैं, विदेशी माहौल घुस गया है। ये लिव इन रिलेशन क्या है, गंदगी का खजाना। हमारे यहां पवित्रता के लिए जान दे दी। जब मुगलों का आक्रमण हुआ, तब पवित्रता के लिए जान दे दी, लेकिन छूने नहीं दिया शरीर को, आज ये सब क्या है।'

इंडस्ट्री में आने से पहले क्या करती थीं अनीत? लिंक्डइन प्रोफाइल से हुआ खुलासा

फिल्म 'सैयारा' के जरिए अहान पांडे और अनीत पड्डा ने इंडस्ट्री में डेब्यू किया है। अहान के बारे में दर्शक जानते हैं कि वे फिल्मी परिवार से आते हैं। मगर, अनीत पड्डा एकदम नया चेहरा हैं। दर्शकों की दिलचस्पी यह जानने में भी है कि फिल्म 'सैयारा' में आने से पहले वे क्या करती थीं? इसका खुलासा उनकी लिंक्डइन प्रोफाइल से हुआ है, जो अचानक से इंटरनेट पर वायरल हो रही है।

अनीत का लिंक्डइन प्रोफाइल वायरल

मोहित सूरी के निर्देशन में बनी फिल्म 'सैयारा' बॉक्स ऑफिस पर ब्लॉकबस्टर हो चुकी है। इसमे लीड हीरो अहान पांडे फिल्मी परिवार से आते हैं। वे चंकी पांडे के भतीजे यानी चिक्की पांडे के बेटे हैं। दर्शक इस फिल्म की हीरोइन अनीत पड्डा की निजी जिंदगी के बारे में जानने को भी उत्साहित है। इसी उत्सुकता के चलते वे अभिनेत्री की सोशल मीडिया प्रोफाइल फॉलो कर रहे हैं। अब इस कड़ी में अनीत की लिंक्डइन प्रोफाइल वायरल हो रही है, जिसमें कई अहम जानकारी हैं।

पॉलिटिकल साइंस में किया है ग्रेजुएशन

दर्शकों ने अनीत पड्डा का लिंक्डइन अकाउंट खोज

निकाला। इंटरनेट पर वायरल हो रही अभिनेत्री की यह प्रोफाइल उनके दिल्ली विश्वविद्यालय के जीसस एंड मैरी कॉलेज में पढ़ाई के दौरान बनाई गई थी। प्रोफाइल के मुताबिक अनीत पड्डा पॉलिटिकल साइंस की स्टूडेंट रही हैं। हालांकि, बीते काफी वक्त से यह प्रोफाइल अपडेट नहीं है।

एयरलाइंस में भी काम कर चुकी हैं अनीत

लिंक्डइन प्रोफाइल के मुताबिक अनीत पॉलिटिकल साइंस में बीए कर चुकी हैं। इसके अलावा उन्होंने एक एयरलाइंस में इंटर्नशिप भी की। साथ ही यह भी जिक्र है कि वे एक सिंगर, सॉन्गराइटर और एक्ट्रेस हैं। उन्होंने इस बात का जिक्र किया है कि राजनीति विज्ञान को कितना महत्व देती हैं। साथ ही अभिनय में दिलचस्पी के बारे में भी लिखा है।

300 करोड़ी क्लब में एंट्री लेने वाली है 'सैयारा'

फिल्म 'सैयारा' 18 जुलाई को सिनेमाघरों में रिलीज हुई। इसे यशराज फिल्म्स के बैनर तले बनाया गया है। यह फिल्म जल्द ही घरेलू बॉक्स ऑफिस पर 300 करोड़ी क्लब में शामिल होने वाली है। यह म्यूजिकल रोमांटिक लव स्टोरी फिल्म है।

'सबसे अच्छा एहसास', 'सन ऑफ सरदार 2' के लिए फैंस के प्यार : मृणाल ठाकुर

मृणाल ठाकुर ने आज सोशल मीडिया स्टोरी पर एक खास पल शेयर किया। जिसमें वह प्रशंसकों के साथ फिल्म की आधी रात की स्क्रीनिंग देख रही हैं। इस पल को उन्होंने अब तक का सबसे अच्छा एहसास बताया।

मृणाल का पोस्ट

बॉलीवुड एक्ट्रेस मृणाल ठाकुर ने आज इंस्टाग्राम स्टोरी पर फिल्म 'सन ऑफ सरदार 2' के कई वीडियोज और तस्वीरें शेयर कीं। इन सभी वीडियो में मृणाल के फैंस फिल्म को देखकर उत्साहित और खुश नजर आ रहे हैं। वहीं एक वीडियो में मृणाल भी फैंस के बीच फिल्म का आनंद लेती नजर आईं। स्टोरी में मृणाल ने लिखा, SOS 2 का मिडनाइट शो देखते हुए तालियां और सीटियां बजीं। अब तक का सबसे अच्छा एहसास।

फिल्म सन ऑफ सरदार 2 के बारे में

सन ऑफ सरदार 2 को अजय देवगन और ज्योति देशपांडे ने मिलकर बनाया है, जबकि एनआर पचीसिया, प्रवीण तलरेजा और कुमार मंगत पाठक इसके निर्माता हैं। फिल्म पहले 25 जुलाई, 2025 को रिलीज होने वाली थी, लेकिन बाद में इसे 1 अगस्त को रिलीज किया गया। इस कॉमेडी फिल्म में अजय देवगन, मृणाल ठाकुर, रवि किशन, संजय मिश्रा, नीरू बाजवा, चंकी पांडे, कुब्रा सैत, दीपक डोबरियाल जैसे कई शानदार कलाकार हैं। यह फिल्म दिवंगत अभिनेता मुकुल देव की आखिरी फिल्म है। फिल्म का निर्देशन विजय कुमार अरोड़ा ने किया है।

'नैनोटैक्नोलॉजी' में रोजगार के अवसर

टैक्नोलॉजी की ही एक ब्रांच है नैनोटेक्नोलॉजी। यह अत्यंत छोटी चीजों के अध्ययन से संबंधित है और इसका उपयोग अन्य सभी विज्ञान क्षेत्रों, जैसे कि रसायन विज्ञान, जीव विज्ञान, भौतिकी, सामग्री विज्ञान और इंजीनियरिंग में किया जा सकता है।

नैनोटैक्नोलॉजी क्या है?

नैनोटैक्नोलॉजी विज्ञान और प्रौद्योगिकी का वह फील्ड है, जिसमें नैनोकणों और सामग्रियों को विकसित किया जाता है, जिनका आकार नैनोमीटर की सीमा के भीतर होता है। यह एक उभरता हुआ क्षेत्र है जो लगभग हर तकनीकी अनुशासन रसायन विज्ञान से लेकर कम्प्यूटर विज्ञान तक- अत्यंत सूक्ष्म सामग्रियों के अध्ययन और अनुप्रयोग में संलग्न है। यह अकादमिक और शोध से संबंधित शीर्ष रैंक वाले विषयों में से एक है।

नैनोटैक्नोलॉजी टैक्नोलॉजी की एक ब्रांच होती है। यह अत्यंत छोटी चीजों के अध्ययन से संबंधित है और इसका उपयोग अन्य सभी विज्ञान क्षेत्रों, जैसे कि रसायन विज्ञान, जीव विज्ञान, भौतिकी, सामग्री विज्ञान और इंजीनियरिंग में किया जा सकता है। यह हमारे जीवन में क्रांति लाने और कृषि, ऊर्जा, पर्यावरण और चिकित्सा में हमारी समस्याओं के तकनीकी समाधान प्रदान करने की विशाल क्षमता के साथ अनुसंधान के क्षेत्र का तेजी से विस्तार कर रहा है।

नैनोटैक्नोलॉजी डिग्री क्या है?

यह भौतिकी, रसायन विज्ञान, गणित और आणविक जीव विज्ञान के साथ एक बहु-विषयक प्राकृतिक विज्ञान पाठ्यक्रम है।

पाठ्यक्रम और पात्रता

नैनोटेक्नोलॉजी के क्षेत्र में शिक्षा स्नातकोत्तर स्तर और डॉक्टरेट स्तर पर प्रदान की जाती है। भारत में कोई भी संस्थान नैनोटैक्नोलॉजी में स्नातक पाठ्यक्रम प्रदान नहीं करता। मैटेरियल साइंस, मैकेनिकल, बायोमैडिकल, कैमिकल, बायोटेक्नोलॉजी, इलैक्ट्रॉनिक्स और कम्प्यूटर साइंस में बी.टेक डिग्री या भौतिकी, रसायन विज्ञान, गणित और जीवन विज्ञान में बी. एससी रखने वाले उम्मीदवार नैनो टैक्नोलॉजी में स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों के लिए आवेदन कर सकते हैं।

मास्टर पाठ्यक्रम : नैनोटैक्नोलॉजी में एम.एससी; नैनो विज्ञान और प्रौद्योगिकी में एम.एससी; नैनोटैक्नोलॉजी में एम.टेक; सामग्री विज्ञान और नैनो प्रौद्योगिकी में एम.टेक; नैनो प्रौद्योगिकी और नैनो सामग्री में एम.टेक।

डॉक्ट्रेट पाठ्यक्रम : नैनोटेक्नोलॉजी में डॉक्टर ऑफ फिलॉसफी; नैनो विज्ञान और प्रौद्योगिकी में डॉक्टर ऑफ फिलॉसफी।

नैनोटैक्नोलॉजी में स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए उम्मीदवार को किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से भौतिकी, रसायन विज्ञान, गणित और जीवन विज्ञान में बी.एससी या सामग्री विज्ञान / यांत्रिक/ जैव चिकित्सा/ रसायन/ जैव प्रौद्योगिकी/ इलैक्ट्रॉनिक्स / कम्प्यूटर विज्ञान में बी.टेक उत्तीर्ण होना चाहिए।

उम्मीदवार 5 साल की अवधि के लिए नैनो टेक्नोलॉजी (डुअल डिग्री) में बी.टेक एम.टेक भी चुन सकते हैं।

नैनोटेक्नोलॉजी के क्षेत्र में क्या स्कोप है?

आने वाली पीढ़ियों में इसका बहुत बड़ा स्कोप है। आई.टी. और इंटरनैट की तुलना में यह तीसरा सबसे अधिक फलता-फूलता क्षेत्र है। भारत में बेंगलूर और चेन्नई आई.टी. और मैडिसिन के विनिर्माण केंद्र हैं। भारत सरकार ने पहले ही नैनोसाइंस और नैनो टैक्नोलॉजी और विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग जैसी विभिन्न फंडिंग एजेंसियों को शुरू कर दिया है।

नैनोटैक्नोलॉजी के लिए करियर विकल्प क्या हैं?

नैनोटैक्नोलॉजी में विशेषज्ञ या वैज्ञानिक के रूप में नौकरी मिल सकती है। जिन क्षेत्रों में नैनोटैक्नोलॉजिस्ट रोजगार की तलाश कर सकते हैं, उनमें जैव प्रौद्योगिकी, कृषि, भोजन, आनुवंशिकी, अंतरिक्ष अनुसंधान, चिकित्सा आदि शामिल हैं। राष्ट्रीय भौतिक प्रयोगशाला, भारतीय खगोल भौतिकी संस्थान आदि में भी नौकरी के अवसर हैं। पी. एचडी वाले उम्मीदवार विश्वविद्यालयों और कॉलेजों या अनुसंधान क्षेत्रों में संकाय सदस्यों के रूप में भी शामिल हो सकते हैं।

नैनोटैक्नोलॉजी में जॉब रोल्स क्या हैं?

नैनोटैक्नोलॉजिस्ट, वैज्ञानिक, शोधकर्ता, प्रोफैसर, इंजीनियर, चिकित्सा वैज्ञानिक, खाद्य वैज्ञानिक से लेकर सैमीकंडक्टर उद्योग, विनिर्माण उद्योग में भी मौके हैं।

कई स्टूडेंट्स का विदेश में जाकर पढ़ाई करने का सपना होता है। अगर आप भी विदेश में जाकर पढ़ाई पूरी करनी चाहती हैं तो आप किस तरह से फाइनेंशियल प्लानिंग कर सकती हैं।

विदेश में ऐसी कई यूनिवर्सिटी और कॉलेज हैं जो हायर एजुकेशन के लिए बेस्ट माने जाते हैं। अगर आप भी हायर एजुकेशन के लिए विदेश जाकर पढ़ाई करना चाहती है, लेकिन आपको यह समझ नहीं आ रहा है कि किस तरह से इसके लिए फाइनेंशियल प्लानिंग करनी चाहिए तो हम आपको बताएंगे कि आप कैसे फाइनेंशियल प्लानिंग कर सकती हैं।

फीस की पूरी जानकारी हासिल करें

आपको जिस भी यूनिवर्सिटी में पढ़ाई करनी है उसकी सारी डिटेल्स पता करें। यूनिवर्सिटी में कौन-कौन से कोर्स ऑफर किए जाते हैं इसके बारे में पता करने के साथ-साथ फीस के बारे में भी पूरी जानकारी हासिल करें। इसके बाद आपको फीस के अनुसार अपना बजट तय करना होगा। (विदेश में करना चाहती हैं पढ़ाई तो आसानी से इन सरकारी स्कीम में करें अप्लाई)इसके अलावा यह भी पता करें कि यूनिवर्सिटी किसी प्रकार की स्कॉलरशिप देती है या नहीं। आपको बता दें कि कुछ कॉलेज और यूनिवर्सिटीज तो स्कॉलरशिप में फीस का हिस्सा पूरी तरह से माफ कर देती हैं। ऐसे में स्टूडेंट्स को सिर्फ विदेश में रहने के लिए ही खर्च करना पड़ता है।

बजट तय करना है जरूरी

विदेश में पढ़ाई पूरी करने के लिए सही तरह से बजट बनाना बहुत जरूरी होता है। इसमें आपको विदेश में रहने का खर्च और अन्य खर्चों को ध्यान में रखना होगा। अगर आप लोन लेने पर विचार कर रही हैं तो लोन लेने से पहले इस बात का ध्यान रखें कि जो लोन आप लेंगी उसमें क्या-क्या कवर होगा। साथ ही आपको विदेश में पार्ट टाईम जॉब के लिए भी अप्लाई करना चाहिए। इससे आपके विदेश में रहने का खर्च आप संभाल पाएंगी।

आपको यह भी बता दें कि आप जिस भी जगह पढ़ाई के लिए जा रही हैं वहां के नियम-कानून के बारे में पहले से पता कर लें क्योंकि कुछ देशों में ऐसा भी है जहां जॉब करने की छूट नहीं होती है।

पढ़ाई पर कुल खर्च का आकलन करें

ज्यादातर लोग एजुकेशन लोन ले तो लेते हैं पर उन्हें इस बात की जानकारी ही नहीं होती है कि उनकी पढ़ाई पर कितना खर्च हो रहा है इसलिए यह जरूरी है कि आप पढ़ाई पर कुल खर्च का आकलन करें और साथ ही लोन के री-पेमेंट की स्ट्रैटेजी को बनाएं।

इन सभी टिप्स की मदद से आप विदेश में जाकर पढ़ाई पूरी कर सकती हैं। साथ ही, अगर आपको यह लेख अच्छा लगा हो तो इसे शेयर जरूर करें व इसी तरह के अन्य लेख पढ़ने के लिए जुड़ी रहें आपकी अपनी वेबसाइट हरजिन्दगी के साथ।

पढ़ने के लिए घर से भागे, बेचने पड़े पत्नी के गहने

एक छोटे-से गांव के किराना दुकानदार के बेटे तुषार मित्तल कई संघर्षों और चुनौतियों से जूझकर आज करोड़ों रुपये के कारोबार के मालिक बने हैं। उन्होंने जीवन की हर कठिनाई को अवसर में बदला और स्टूडियोकॉन वेंचर्स जैसी एक सफल कंपनी खड़ी की...

वर्षों पहले रुदावल में, एक 12 वर्षीय लड़का अपनी तामील हासिल करने के लिए जूझ रहा था। उसके पिता गांव में ही छोटा-सा किराना स्टोर चलाते थे। व्यवसाय ज्यादातर उधार पर चलता था, भुगतान में देरी होना आम बात थी, इसलिए उसके पिता को घर और दुकान चलाने के लिए काफी जद्दोजहद करनी पड़ रही थी। और बुरा तो तब हुआ जब एक साल भीषण आग लग गई, जिससे न सिर्फ घर और दुकान, बल्कि उस बच्चे के सपने भी जलकर खाक हो गए। हालांकि, उसके पिता ने फिर से शुरुआत की और अपने बेटे को इस काबिल बनाया कि वह जीवन में मनचाहा मुकाम हासिल कर सके।

वह 12 साल का लड़का कोई और नहीं स्टूडियोकॉन वेंचर्स (एसकेवी) के मालिक तुषार मित्तल हैं, जिन्होंने जिंदगी में गिरकर उठने का गुण अपने पिता से ही सीखा है। एक समय किसी ने सोचा भी नहीं था कि जो लड़का स्कूल जाने के लिए इतना संघर्ष कर रहा है, वही एक दिन करोड़ों रुपये का व्यापार करेगा। तुषार मित्तल की कहानी युवाओं के लिए एक मिसाल है कि अगर कुछ पाने का जज्बा और संकल्प हो, तो कोई चुनौती या बाधा मंजिल तक पहुंचने का आपका रास्ता नहीं रोक सकती।

तुषार मित्तल पैदल चलकर ही सरकारी स्कूल जाते और पढ़ाई करते। उस समय ज्यादातर शिक्षक पढ़ाने पर खास ध्यान नहीं देते थे। स्कूल में पढ़ाई की गुणवत्ता तो खराब थी ही, घर में आर्थिक तंगी भी थी, सो तुषार को पढ़ाई छोड़कर पिता के साथ किराने की दुकान पर बैठना पड़ा। हालांकि, उनके चाचा पढ़ाई करने के लिए हमेशा उनकी हौसला अफजाई करते थे। उन्हीं से प्रेरित होकर वह आगे पढ़ाई करने के लिए घर से भाग गए। इसके बाद उन्होंने अपने रिश्तेदारों की मदद से आईआईटी में प्रवेश लेने के लिए कोटा की एक कोचिंग संस्थान में दाखिला ले लिया।

कोटा में तुषार मित्तल ने इंजीनियरिंग प्रवेश परीक्षा की तैयारी शुरू कर दी। आईआईटी में दाखिले की प्रवेश परीक्षा के अपने पहले प्रयास में वह असफल तो हुए ही, आर्थिक तंगी के चलते फिर से तैयारी भी न कर सके। हालांकि, आईआईटी में तो नहीं, लेकिन कोटा के ही एक सरकारी इंजीनियरिंग कॉलेज में उन्हें प्रवेश मिल गया। एजुकेशन लोन से फीस का तो जुगाड़ हो गया, लेकिन कोटा में गुजर-बसर करने के लिए भी पैसे चाहिए थे। इसके लिए उन्होंने पार्ट-टाइम जॉब करना शुरू कर दिया और कोटा में एक कैंटीन भी चलाई। यह पहली बार नहीं था जब तुषार ने अपनी उद्यमशीलता का परिचय दिया था। बचपन में भी वह अपने पिता से पैसे लेकर कॉमिक्स खरीदते थे और फिर उन्हें अपने दोस्तों को किराए पर देकर दो-चार पैसे कमा लेते थे।

इंजीनियरिंग की पढ़ाई करने के बाद जब तुषार दिल्ली पहुंचे, तो कुछ दिन उन्हें निजामुद्दीन रेलवे स्टेशन पर गुजारने पड़े, क्योंकि उनके पास कमरा लेने के लिए पैसे नहीं थे। कुछ समय बाद उनकी नौकरी डीएलएफ में लग गई। हालांकि, उन दिनों वह संवाद कौशल की समस्या से जूझ रहे थे। उन्हें लगता था कि शहर में भाषा किसी गांव के लड़के को कभी आगे नहीं बढ़ने देगी। वह देर रात तक काम करते थे, ताकि इस कमी की भरपाई मेहनत से की जा सके।

डेढ़ साल से भी कम समय में उन्होंने डीएलएफ की नौकरी छोड़ दी और खुद का बिजनेस शुरु करने का फैसला किया। हालांकि, उनके शुरुआती दो धंधे पार्टनर के विश्वासघात के कारण असफल हो गए। इसके बाद तुषार मित्तल ने स्टूडियोकॉन वेंचर्स (एसकेवी) की स्थापना की। कुछ ही समय में कंपनी 100 करोड़ रुपये के आंकड़े के करीब पहुंच गई। हालांकि, कुछ समय बाद ही कंपनी को 80 करोड़ रुपये का घटा भी हुआ, जिससे उबरने के लिए उन्होंने गुरुग्राम स्थित अपना ऑफिस, पत्नी के सारे गहने बेच दिए और जीवन भर की बचत लगा दी। लगभग एक साल बाद धंधा फिर से पटरी पर आ गया, जब कंपनी ने 121 करोड़ रुपये का राजस्व कमाया। वित्तीय वर्ष 2024 में एसकेवी का राजस्व लगभग 226 करोड़ रुपये का था।

युवाओं को सीख

अगर अपने सपनों को पूरा करने के लिए पूरे दिल से मेहनत की जाए, तो सफलता जरूर मिलती है।

अगर आप लक्ष्य बनाकर हौसले के साथ अगर किसी काम को अंजाम देंगे, तो एक दिन मंजिल को पा ही लेंगे।

मुश्किलें तो आती-जाती रहेंगी, अपने लक्ष्य पर टिके रहना मायने रखता है।

रेलवे में 10000+ पदों पर बंपर भर्तियां, 10वीं-आईटीआई पास युवाओं के लिए सुनहरा मौका

सरकारी नौकरी की तलाश कर रहे युवाओं के लिए रेलवे ने एक बार फिर सुनहरा मौका पेश किया है। रेलवे भर्ती बोर्ड , पूर्वी रेलवे और इंटीग्रल कोच फैक्ट्री ने मिलकर कुल 10,000 से ज्यादा पदों पर बंपर भर्ती का ऐलान किया है। इनमें 10वीं, 12वीं, ITI और इंजीनियरिंग डिप्लोमा पास युवाओं के लिए विभिन्न पद शामिल हैं।

पूर्वी रेलवे में 3115 पदों पर निकली बंपर वैकेंसी

सरकारी नौकरी की तलाश कर रहे युवाओं के लिए एक सुनहरा मौका सामने आया है। पूर्वी रेलवे , कोलकाता डिवीजन ने वर्ष 2025 के लिए 3115 अप्रेंटिस पदों पर भर्ती का नोटिफिकेशन जारी किया है। इस भर्ती के लिए उम्मीदवार का कक्षा 10वीं पास होना अनिवार्य है, साथ ही उसके पास राष्ट्रीय व्यवसायिक प्रशिक्षण परिषद से मान्यता प्राप्त ITI सर्टिफिकेट भी होना चाहिए। ITI किसी मान्यता प्राप्त संस्थान से किया गया हो तो ही उम्मीदवार पात्र माना जाएगा।

ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया 14 अगस्त 2025 से शुरू होगी और इच्छुक उम्मीदवारों को सलाह दी जाती है कि वे अंतिम तिथि का इंतजार किए बिना समय रहते आवेदन कर दें। आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि 13 सितंबर 2025 निर्धारित की गई है और आवेदन शुल्क का भुगतान भी इसी तारीख तक किया जा सकता है। उम्मीदवारों को अपना आवेदन केवल ऑनलाइन माध्यम से जमा करना होगा, जिसके लिए उन्हें आधिकारिक वेबसाइट www.rrcer.org पर जाकर आवेदन फॉर्म भरना होगा।

13 पदों पर आवेदन का मौका

पूर्वी रेलवे द्वारा लेवल-1 और लेवल-2 के कुल 13 पदों पर भर्ती के लिए ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। लेवल-2 पदों के लिए उम्मीदवार का किसी मान्यता प्राप्त बोर्ड से कक्षा 12वीं में न्यूनतम 50% अंकों के साथ उत्तीर्ण होना आवश्यक है या फिर 10वीं पास उम्मीदवार जिनके पास NCVT द्वारा मान्यता प्राप्त ITI या NAC प्रमाणपत्र है, वे भी आवेदन के पात्र हैं। वहीं लेवल-1 पदों के लिए केवल 10वीं पास या 10वीं के साथ ITI/NAC प्रमाणपत्र होना अनिवार्य है। इस भर्ती के लिए आवेदन प्रक्रिया 9 जुलाई 2025 से शुरू हो चुकी है और अंतिम तिथि 8 अगस्त 2025 निर्धारित की गई है। इच्छुक उम्मीदवार आधिकारिक वेबसाइट www.rrcer.org पर जाकर आवेदन फॉर्म भर सकते हैं।

10वीं से लेकर डिग्री धारकों के लिए मौका

रेलवे भर्ती बोर्ड ने हाल ही में टेक्नीशियन पदों पर होने वाली भर्ती के लिए आवेदन की अंतिम तिथि बढ़ा दी थी। अब उम्मीदवार 7 अगस्त 2025 तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। इस भर्ती अभियान के तहत कुल 6238 पद भरे जाएंगे, जिसमें टेक्नीशियन ग्रेड-I (सिग्नल) के लिए 183 पद आरक्षित हैं। इन पदों के लिए शैक्षणिक योग्यता में B.Sc. (Physics/Electronics/Computer Science/IT/Instrumentation) या BE/B.Tech या तीन वर्षीय इंजीनियरिंग डिप्लोमा शामिल है। वहीं, टेक्नीशियन ग्रेड-III के 6055 पदों के लिए उम्मीदवारों के पास या तो 10वीं + ITI प्रमाणपत्र होना चाहिए या फिर फिजिक्स और मैथ्स के साथ 12वीं पास होना अनिवार्य है। इच्छुक और पात्र अभ्यर्थी आधिकारिक वे ब सा इ ट www.rrbapply.gov.in के माध्यम से आवेदन कर सकते हैं।

चेन्नई में 1010 पदों पर ITI पास उम्मीदवारों के लिए अवसर

इंटीग्रल कोच फैक्ट्री (ICF), चेन्नई ने वर्ष 2025 में 1010 अप्रेंटिस पदों के लिए आवेदन आमंत्रित किए हैं। इस भर्ती के लिए केवल ITI प्रमाणित उम्मीदवार आवेदन कर सकते हैं। चयन प्रक्रिया मेरिट के आधार पर की जाएगी, जिससे योग्य और मेहनती उम्मीदवारों को प्राथमिकता मिलेगी। इच्छुक उम्मीदवार अपनी पात्रता जांचने के बाद आधिकारिक वेबसाइट pb.icf.gov.in पर जाकर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि 11 अगस्त 2025 निर्धारित की गई है।

बीओबी में 2500 पदों के लिए स्नातक करे आवेदन

बैंक ऑफ बड़ौदा द्वारा निकाली गई लोकेशन बिजनेस ऑफिसर भर्ती 2025 के लिए ऑनलाइन आवेदन की प्रक्रिया कल, 3 अगस्त 2025 को समाप्त हो रही है, जो भी इच्छुक और पात्र अभ्यर्थी अभी तक आवेदन नहीं कर सके हैं, वे जल्द से जल्द बैंक की आधिकारिक वेबसाइट bankofbaroda.in पर जाकर आवेदन प्रक्रिया पूरी कर लें। इस भर्ती अभियान के तहत कुल 2500 पदों को भरा जाना है। चयन प्रक्रिया में लिखित परीक्षा, इंटरव्यू और डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन शामिल होंगे।

शैक्षणिक योग्यता और आयु सीमा

इन पदों पर आवेदन करने के लिए उम्मीदवार का किसी भी विषय में स्नातक होना अनिवार्य है। आवेदक की आयु 21 से 35 वर्ष के बीच होनी चाहिए। आरक्षित वर्गों को नियमानुसार अधिकतम आयु सीमा में छूट दी जाएगी। बैंकिंग, फाइनेंस या सेल्स फील्ड में अनुभव रखने वाले उम्मीदवारों को प्राथमिकता दी जाएगी।

ऐसे होगा चयन

चयन प्रक्रिया में सबसे पहले योग्य आवेदकों की स्क्रीनिंग या शॉर्टलिस्टिंग की जाएगी। इसके बाद ऑब्जेक्टिव टाइप लिखित परीक्षा आयोजित होगी।

इतना लगेगा आवेदन शुल्क

आवेदन शुल्क वर्ग के अनुसार निर्धारित है। सामान्य, ओबीसी और ईडब्ल्यूएस वर्ग के उम्मीदवारों के लिए 600 रुपये और SC/ST/PwD वर्ग के लिए 100 रुपये आवेदन शुल्क है।

यूपी के विश्वविद्यालय में निकलीं असिस्टेंट प्रोफेसर की ढेरों नौकरियां

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय (UP-RTOU), प्रयागराज ने असिस्टेंट प्रोफेसर के पदों पर भर्ती के लिए आवेदन आमंत्रित किए हैं। यह नियुक्तियां संविदा (कॉन्ट्रैक्ट) आधार पर की जाएंगी। इच्छुक उम्मीदवार 18 अगस्त 2025, शाम 5 बजे तक आवेदन पत्र पंजीकृत डाक के माध्यम से भेज सकते हैं। आवेदन पत्र का प्रारूप और विस्तृत जानकारी विश्वविद्यालय की वेबसाइट www.up-rtou.ac.in पर उपलब्ध है, जहां से फॉर्म डाउनलोड किया जा सकता है।

पात्रता मानदंड और अनुभव

इन पदों के लिए शैक्षणिक योग्यताएं यूजीसी, एनसीटीई, एआईसीटीई, आरसीआई तथा विश्वविद्यालय अधिनियम के नियमानुसार निर्धारित की गई हैं।

विश्वविद्यालय ने यह भी स्पष्ट किया है कि डिस्टेंस ओपन एजुकेशन में अनुभव रखने वाले अभ्यर्थियों को प्राथमिकता दी जा सकती है।

साक्षात्कार या लिखित परीक्षा से संबंधित सूचना उम्मीदवारों को केवल ईमेल के माध्यम से भेजी जाएगी। इसके अलावा, साक्षात्कार की तिथि या समय में किसी भी प्रकार के परिवर्तन अनुरोध पर विचार नहीं किया जाएगा।

विषयवार पदों का विवरण

कंप्यूटर साइंस और पोषण, भोजन एवं आहार विज्ञान विषयों में पांच-पांच पद निर्धारित किए गए हैं। वहीं पर्यावरण विज्ञान और प्रबंधन विषयों में तीन-तीन पद भरे जाएंगे। इसके अलावा गृह विज्ञान, वनस्पति विज्ञान, वाणिज्य, सामाजिक कार्य, समाजशास्त्र और सांख्यिकी जैसे विषयों में दो-दो पद रिक्त हैं।

आरक्षण व्यवस्था

कुल 35 पदों में से 13 पद अनारक्षित, 9 पद ओबीसी, 8 पद अनुसूचित जाति (SC), 4 पद आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (EWS) और 1 पद अनुसूचित जनजाति (ST) वर्ग के अभ्यर्थियों के लिए आरक्षित किया गया है। आरक्षण की व्यवस्था उत्तर प्रदेश सरकार के नियमानुसार लागू होगी।

संविदा पद और मानदेय

राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय द्वारा असिस्टेंट प्रोफेसर के लिए की जा रही ये सभी नियुक्तियां संविदा आधार पर होंगी। विश्वविद्यालय प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि चयनित अभ्यर्थियों को प्रति माह 38,000 रुपये का नियत मानदेय दिया जाएगा। यह अनुबंध अधिकतम छह महीने की अवधि के लिए प्रभावी रहेगा।

आवेदन शुल्क और भुगतान का तरीका

इन पदों के लिए आवेदन शुल्क 1000 रुपये निर्धारित है। हालांकि, अनुसूचित जाति (SC), अनुसूचित जनजाति (ST) एवं दिव्यांग (PwD) श्रेणी के उम्मीदवारों को राहत देते हुए केवल 500 रुपये शुल्क लिया जाएगा। आवेदन शुल्क का भुगतान दो माध्यमों से किया जा सकता है:

कैसे गच्चा खा गए दुनिया के सबसे बड़े निवेशक वॉरेन बफे

सॉस बनाने वाली कंपनी से हुआ 31,600 करोड़ का नुकसान

नई दिल्ली, 3 अगस्त (एजेंसियां)। दुनिया के सबसे बड़े निवेशक कहे जाने वाले बर्कशायर हैथवे के मालिक वॉरेन बफे को तगड़ा नुकसान हुआ है। उनकी कंपनी को सॉस बनाने वाली कंपनी क्राफ्ट हेंज में निवेश पर 31,600 करोड़ रुपये का भारी नुकसान झेलना पड़ा है।वॉरेन बफे की कंपनी ने अमेरिकी फूड बेवरेज कंपनी में निवेश किया है, जहां पर उन्हें नुकसान झेलना पता है। इसकी जानकारी कंपनी ने खुद दी है। कंपनी का इस साल दूसरी तिमाही में मुनाफा कम हुआ है, जिसमें क्राफ्ट हेंज के शेयरों में भी गिरावट आने से करीब 32 हजार करोड़ का नुकसान हो गया। बर्कशायर हैथवे का इस कंपनी में निवेश पिछले 2 सालों में लगातार घट रहा है। जून तिमाही के अंत में क्राफ्ट हेंज में बर्कशायर ने अपनी हिस्सेदारी घटाकर 8.4 अरब डॉलर दिखाई है।

लगातार घाटा दे रही है कंपनी

वॉरेन बफे का जिन-जिन कंपनियों में निवेश है। वह करीब-करीब मुनाफे में ही रहती हैं। लेकिन क्राफ्ट हेंज लगातार घाटे में है। साल 2015 में क्राफ्ट और हेंज के मर्जर के बाद जो कंपनी मार्केट में लिस्ट हुई थी। उनके शेयरों में अब तक भारी गिरावट आई है। जहां ओर अमेरिकी इंडेक्स एस एंड पी में करीब 202 प्रतिशत की तेजी आई है। वहीं, क्राफ्ट और हेंज के मर्जर से बनी कंपनी का शेयर अब तक 62 प्रतिशत गिर चुका है।

कंपनी में हिस्सेदारी

बर्कशायर हैथवे के पास क्राफ्ट हेंज कंपनी में 27% से अधिक हिस्सेदारी है। 2015 में क्राफ्ट हेंज के मर्जर में बर्कशायर ने अहम भूमिका निभाई थी। यह कंपनी बेवरेज मार्केट की दिग्गज कंपनी है। लेकिन, अब लोगों की खाने की आदतें बदल रही हैं, और वे हेल्दी फूड्स और प्राइवेट ब्रांड्स की ओर बढ़ रहे हैं, जिससे क्राफ्ट हेंज को नुकसान हो रहा है। इस साल की शुरुआत में बर्कशायर के प्रतिनिधियों ने क्राफ्ट हेंज के बोर्ड से इस्तीफा दे दिया। अब कंपनी अपने कुछ ब्रांड्स को अलग करने पर विचार कर रही है।

भारत की विदेश नीति स्वतंत्र: रूस से लगातार तेल खरीदने के भारत के फैसले के साथ खड़ा हुआ चीन, डोनाल्ड ट्रंप को नसीहत

बीजिंग, 3 अगस्त (एजेंसियां)। डोनाल्ड ट्रंप की धमकियों के बावजूद भारत ने रूस से कच्चा तेल खरीदने का फैसला किया है। भारत ने साफ शब्दों में कह दिया है कि रूस उसका समय की कसौटी पर परखा हुआ साथी है। भारत लगातार रूस से तेल खरीदना जारी रखेगा, जबकि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर भारत के खिलाफ आग उगल रहे थे। भारत के रूस से तेल खरीदने के फैसले पर कायम रहने को लेकर चीन का साथ मिला है और चीन ने भारत की विदेश नीति को स्वतंत्र बताते हुए तारीफ की है। आपको बता दें कि रॉयटर्स की रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से कहा गया है कि अमेरिका की तरफ से जुर्माने की धमकी के बावजूद रूस से तेल खरीदने में तत्काल कोई बदलाव नहीं होगा। भारत के इस फैसले पर चीन के एक एक्सपर्ट ने चीनी कम्युनिस्ट पार्टी के मुखपत्र ग्लोबल टाइम्स से कहा कि भारत का यह कदम आर्थिक हितों और स्वतंत्र विदेश नीति के पालन के दो विचारों से उपजा है। डोनाल्ड ट्रंप ने पिछले हफ्ते भारत के खिलाफ 25 प्रतिशत टैरिफ लगाने की घोषणा की थी। इसके अलावा उन्होंने रूसी तेल और हथियार खरीदने के लिए भारत पर जुर्माना लगाने का ऐलान भी किया था। वहीं शुक्रवार को ट्रंप ने संवाददाताओं से कहा कि उन्होंने सुना है कि भारत अब रूस से तेल नहीं खरीदेगा। उन्होंने कहा कि उन्हें नहीं पता कि यह सही है या नहीं, लेकिन यह एक अच्छा कदम है और देखते हैं क्या होता है। पाकिस्तान के साथ युद्ध विराम में मध्यस्थता करने से लेकर रूसी तेल खरीदने और बार बार टैरिफ की धमकी देकर डोनाल्ड ट्रंप ने मोदी सरकार की इमेज पर हमला करने की कोशिश की है। समाचार एजेंसी रॉयटर्स ने भारतीय अधिकारियों के हवाले से कहा है कि ये दीर्घकालिक तेल अनुबंध हैं। रातोंरात खरीदारी बंद करना इतना आसान नहीं है। वहीं न्यूयॉर्क टाइम्स ने शनिवार को दो सीनियर भारतीय अधिकारियों के हवाले से कहा है कि नीति में कोई बदलाव नहीं हुआ है। रिपोर्ट में कहा गया है कि एक अधिकारी ने कहा कि, सरकार ने रूस से आयात कम करने के लिए तेल कंपनियों को कोई निर्देश नहीं दिया है। जिसको लेकर ग्लोबल टाइम्स से सिंघुआ विश्वविद्यालय के राष्ट्रीय रणनीति संस्थान में अनुसंधान विभाग के निदेशक कियान फेंग ने कहा कि भारत रूस से तेल अपनी आर्थिक जरूरतों की वजह से खरीदता है और अमेरिका की प्रेशर में आकर वो रूस से तेल खरीदना बंद नहीं करेगा। उन्होंने आगे कहा कि भारत के पास घरेलू तेल कम है और रूसी तेल की क्वालिटी अच्छी होने के साथ साथ उसकी कीमत कम होती है, जाहिर तौर पर इसका फायदा है। इससे भारत अपने पेट्रोलियम भंडार को सुरक्षित रख सकता है और अपने आर्थिक विकास के लिए मजबूत सुरक्षा उपाय बनाए रखेगा। न्यूयॉर्क टाइम्स से सूत्रों ने कहा है कि वेनेजुएला और ईरान की तरह रूसी तेल के ऊपर कोई प्रतिबंध नहीं है और भारत इसे यूरोपीय संघ की तरफ से निर्धारित वर्तमान मूल्य सीमा से कम कीमत पर खरीद रहा है। आपको बता दें कि जी-7 देशों ने रूसी तेल खरीदने पर प्राइस कैप 60 डॉलर प्रति बैरल लगा रखी है। जो देश इस कीमत से ज्यादा पर रूसी तेल खरीदेगा, जी7 देश उसपर प्रतिबंध लगा देंगे।

कौन हैं पार्थ सारथी बिस्वाल? अनिल अंबानी लोन फ्रॉड केस से कैसे जुड़ा नाम? अब ईडी ने किया गिरफ्तार

नई दिल्ली, 3 अगस्त (एजेंसियां)। अनिल अंबानी के रिलायंस ग्रुप से जुड़े 3,000 करोड़ रुपये के लोन फ्रॉड मामले में प्रवर्तन निदेशालय ने पहली गिरफ्तरी की है। बिस्वाल ट्रेडलिंक प्राइवेट लिमिटेड के मैनेजिंग डायरेक्टर पार्थ सारथी बिस्वाल को शुक्रवार को हिरासत में लिया गया। उन पर सोलर एनर्जी कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया को 68.2 करोड़ रुपये की जाली बैंक गारंटी जमा करने का आरोप है, जो कथित तौर पर रिलायंस पावर की ओर से दी गई थी।

बिस्वॉल को प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉनड्रिंग एक्ट , 2002 के तहत गिरफ्तर किया गया है। सूत्रों के मुताबिक, गिरफ्तारी के बाद स्पेशल कोर्ट में उनकी पेशी हुई, जिसके बाद उन्हें बुधवार तक ईडी की हिरासत में भेज दिया गया।

सूत्रों की दी गई जानकारी के मुताबिक, 2019 में स्थापित बिस्वाल ट्रेडलिंक ने जाली दस्तावेजों और नकली ईमेल कंफर्मेशन के जरिए फर्जी गारंटी जमा की थी। जांच के दौरान पाया गया कि ये ईमेल एक नकली डोमेन 's-bi lco lin' से भेजे गए थे, जो भारतीय स्टेट बैंक के ऑफिशियल डोमेन 'sbi lco lin' से काफी मिलता-जुलता है।

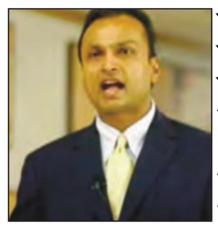

रिलायंस पावर से कंपनी को मिले इतने करोड़ रुपये

दिल्ली पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा ने पहले इन निष्कर्षों के आधार पर एक मामला दर्ज किया और फिर आगे की जांच की गई, तो पता चला कि इस फर्जी बैंक गारंटी के बदले बिस्वाल ट्रेडलिंक प्राइवेट लिमिटेड को रिलायंस पावर लिमिटेड से 5.40 करोड़ रुपए मिले थे। ईडी ने फर्म से जुड़े कम से कम सात अघोषित बैंक खातों का भी खुलासा किया, साथ ही फर्जी निदेशकों के इस्तेमाल और अनिवार्य रिकॉर्ड-कीपिंग मानदंडों का पालन न करने का भी खुलासा किया।

पार्थ सारथी बिस्वाल की यह गिरफ्तारी 2017 और 2019 के बीच रिलायंस ग्रुप की कंपनियों को यस बैंक की तरफ से लोन के रूप में दिए गए 3000 करोड़ के संदिग्ध हेराफेरी के मामले की गहरी जांच के बाद की गई। ईडी ने शुक्रवार को बिस्वाल ट्रेडलिंक प्राइवेट लिमिटेड के भुवनेश्वर स्थित तीन परिसरों और कोलकाता में एक सहयोगी कंपनी की तलाशी ली थी।

भारत के ये आंकड़े देख छाती पीटेंगे ट्रंप, उड़ जाएगी नींद, खुद की अर्थव्यवस्था को मान लेंगे मृत

नई दिल्ली, 3 अगस्त (एजेंसियां)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत पर 25 फीसदी टैरिफ लगाया है। साथ ही उन्होंने भारत की अर्थव्यवस्था को 'मृत' बताया है। यानी ऐसा देश जो दुनिया में तेजी से नीचे जा रहा है। ट्रंप के इस बयान पर अर्थशास्त्रियों और जानकारों में आपत्ति जताई है। यही नहीं, अमेरिका के कई विभाग के अधिकारियों ने हाल ही में ऐसा डेटा पेश किया है जिससे पता चलता है कि ट्रंप के कारण उनका देश 'गड्ढे' में जा रहा है। ट्रंप इस डेटा से खिसिया गए हैं और एक अधिकारी को नौकरी से निकाल दिया है। अगर वह भारत की अर्थव्यवस्था के आंकड़ों को देख लें तो उनकी नींद उड़नी तय है। भारतीय अर्थव्यवस्था के आंकड़े देखने के बाद हो सकता है कि वह अमेरिका की ही अर्थव्यवस्था को मृत मान लें। हालांकि वे ऐसा मानेंगे नहीं। कारण साफ है- वह अपने दूसरे कार्यकाल में काफी जिद्दी हो गए हैं। अमेरिका को फिर से महान बनाने के चक्कर में अपने ही देश का बंटाधार करने में लगे हैं।

भारत के ये 5 आंकड़े हिला डालेंगे ट्रंप को

विकास दर

भारत की आर्थिक विकास दर 2025-26 में 6.5% तक पहुंचने की उम्मीद है। यह अमेरिका (1.9%) और चीन (4.8%) से ज्यादा है। इसका मतलब है कि भारत की अर्थव्यवस्था तेजी से बढ़ रही है।

वैश्विक विकास में योगदान

भारत चीन के बाद दूसरा देश होगा जो साल 2030 तक वैश्विक जीडीपी विकास को आगे बढ़ाएगा।

दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था

भारत दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है। भारत की जीडीपी 4.187 ट्रिलियन डॉलर से ज्यादा है।

संभावित विकास

अर्थशास्त्रियों का कहना है कि भारत में 6.5 से 7% की विकास दर की क्षमता है। यह जल्द ही दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन सकता है। वहीं अमेरिका की क्षमता 2 से 2.5% है।

अमेरिका के मुकाबले कम कर्ज

भारत के पास अमेरिका के मुकाबले काफी कम कर्ज है। आईएमएफ के अनुसार अमेरिका पर जीडीपी का करीब 123% कर्ज है। वहीं भारत पर कर्ज करीब 83% ही है। ऐसे कई मौके आए जब अमेरिका कर्ज के कारण दिवालिया होने की दहलीज तक पहुंच गया था।

भारत की युवा शक्ति

भारत में युवाओं की आबादी बहुत ज्यादा है। इससे देश को आर्थिक विकास में मदद मिलेगी। विशेषज्ञों का कहना है कि आने वाले वर्षों में भारत सबसे बड़े खपत बाजारों में से एक बन जाएगा, क्योंकि यहां युवाओं की आबादी ज्यादा है। अगले 20 वर्षों तक भारत की कामकाजी उम्र की आबादी बढ़ती रहेगी, जबकि अमेरिका में बूढ़े लोगों की आबादी बढ़ रही है।

आईएमएफ ने भी माना भारत का लोहा

अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष के आंकड़ों के अनुसार, पिछले 30 वर्षों में भारत की अर्थव्यवस्था में काफी विकास हुआ है। अमेरिका की अर्थव्यवस्था 1995 से चार गुना बढ़ गई है। लेकिन उसके करीबी व्यापारिक साझेदार जैसे यूके की अर्थव्यवस्था तीन गुना से भी कम बढ़ी है। जर्मनी की अर्थव्यवस्था तो दोगुनी भी नहीं हो पाई है। इसके विपरीत भारत की अर्थव्यवस्था आज साल 1995 की तुलना में लगभग 12 गुना बड़ी है। यानी अमेरिका के कई गुना ज्यादा।

अमेरिका को पीछे छोड़ देगा भारत

भारत की अर्थव्यवस्था जिस गति से आगे बढ़ रही है, उसे देखकर लगता है कि यह अमेरिका को भी पीछे छोड़ देगी। ऐसा दावा टाइम मैगजीन में किया गया है। साल 2023 में प्रकाशित एक लेख में बताया गया है कि अगर भारत अगले 20 सालों तक तेजी से बढ़ता बढ़ता रहा तो साल 2073 तक अमेरिका से आगे निकल जाएगा। ये दोनों ही बातें मुमकिन हैं, भले ही पूरी तरह से तय न हों। इसका मुख्य कारण भारत की युवा आबादी को भी बताया गया है।

एलन मस्क को 2000करोड रुपये का झटका

टेस्ला को भरना होगा हर्जाना, ऑटोपायलट कार ने मारी थी टक्कर

नई दिल्ली, 3 अगस्त (एजेंसियां)। दुनिया के सबसे अमीर शख्स एलन मस्क को हजारों करोड़ रुपये का झटका लगा है। अमेरिका में एक जूरी ने टेस्ला कंपनी को साल 2019 के एक हादसे के पीड़ितों को 243 मिलियन डॉलर (2000 करोड़ रुपये से ज्यादा) का भुगतान करने का आदेश दिया है। आरोप है कि यह हादसा टेस्ला की 'ऑटोपायलट' ड्राइवर असिस्टेंट टेक्नोलॉजी में खराबी के कारण हुआ था। पीड़ितों का कहना है कि टेस्ला का सिस्टम हादसे के लिए आंशिक रूप से जिम्मेदार है।

22 साल की नैबेल बेनाविड्स लियोन की मौत हो गई थी। उनके बॉयफ्रेंड, डिलन एंगुलो, गंभीर रूप से घायल हो गए थे। उनकी कार से टक्कर तब हुई जब वे देर रात सड़क किनारे तारे देख रहे थे। टेस्ला के ड्राइवर ने माना कि उसका ध्यान उसके सेलफोन से भटक गया था। लेकिन जूरी ने यह भी माना कि टेस्ला की ऑटोपायलट टेक्नोलॉजी भी फेल हो गई थी। इसलिए कंपनी अपनी जिम्मेदारी से नहीं बच सकती।

किसे कितना हर्जाना?

कोर्ट के रिकॉर्ड के अनुसार, जूरी ने लियोन के परिवार को 200 मिलियन डॉलर का दंडात्मक हर्जाना और 59 मिलियन डॉलर का मुआवजा दिया। एंगुलो को 70 मिलियन डॉलर का हर्जाना दिया गया। फैसले में माना गया कि टेक्नोलॉजी में खराबी होने पर नैतिक जिम्मेदारी तय की जाएगी। भले ही इसमें इंसानी गलती भी शामिल हो। जैसे कि ड्राइवर-असिस्ट सिस्टम या ऑटोपायलट में खराबी।

टेस्ला ने पहले ऐसे ही मामलों को कोर्ट के बाहर ही सुलझा लिया था या उन्हें ट्रायल से पहले ही खारिज करवा दिया था। यह मामला उस पैटर्न को तोड़ता है। इससे कई लोगों को कोर्ट में न्याय मांगने का हौसला मिलेगा।

टेस्ला पर सबूत छिपाने के आरोप

पीड़ितों के वकीलों ने टेस्ला पर जरूरी सबूत छिपाने का आरोप लगाया। इसमें हादसे से ठीक पहले रिकॉर्ड किए गए वीडियो और डेटा शामिल थे।

टेस्ला ने कोर्ट में कहा कि फुटेज मौजूद नहीं है। लेकिन एक फॉरेंसिक एक्सपर्ट ने वह डेटा ढूंढ निकाला जिसे टेस्ला ने गायब बताया था। इससे साबित हुआ कि कंपनी के पास वह सब कुछ था। तब टेस्ला ने कहा कि उससे एक ईमानदार गलती हो गई थी।

कार के सॉफ्टवेयर पर सवाल

यह फैसला ऐसे समय पर आया है जब एलन मस्क इस साल कुछ शहरों में टेस्ला की ड्राइवरलेस टैक्सी सर्विस शुरू करने की तैयारी कर रहे हैं। टेस्ला ने साल 2019 में हुए इस हादसे के बाद से अपने ऑटोपायलट सिस्टम को काफी बेहतर किया है। लेकिन इस फैसले से उसके सॉफ्टवेयर की असल दुनिया में विश्वसनीयता पर सवाल उठेंगे।

सीईओ सी विजयकुमार पर एचसीएलटेक मेहरबान

फिर बढ़ाया कार्यकाल; टीसीएस-इंफोसिस के प्रमुखों को छोड़ा पीछे

नई दिल्ली, 3 अगस्त (एजेंसियां)। एससीएलटेक ने सीईओ सी विजयकुमार पर मेहरबानी दिखाते हुए उनका कार्यकाल फिर से बढ़ा दिया है। विजयकुमार ने वित्त वर्ष 2024-25 में 10.85 मिलियन डॉलर (करीब 94.6 करोड़ रुपये) कमाए। यह वेतन उन्हें भारत की आईटी कंपनियों के सबसे ज्यादा कमाने वाले सीईओ में शामिल करता है। उन्होंने टीसीएस और इंफोसिस के सीईओ से भी ज्यादा वेतन पाया।

कंपनी की वार्षिक रिपोर्ट के अनुसार, एचसीएलटेक के बोर्ड ने अगले वित्तीय वर्ष के लिए उनका वेतन 18.6 मिलियन डॉलर (करीब 154 करोड़ रुपये) करने की मंजूरी दे दी है। यह मौजूदा वेतन से 71 फीसदी अधिक है। विजयकुमार का वित्त वर्ष 2025 का वेतन उन्हें भारत की शीर्ष दो आईटी कंपनियों के अपने समकक्षों से आगे रखता है। इस अवधि में टीसीएस के सीईओ के. कृतिवासन को 26.52 करोड़ रुपये, और इंफोसिस के सीईओ सलिल पारेख को 80.62 करोड़ रुपये वेतन मिला। एचसीएलटेक के सीईओ विजयकुमार की कमाई विप्रो** के सीईओ श्रीनिवास पल्लिया (करीब 53.6 करोड़ रुपये) और टेक महिंद्रा के सीईओ मोहित जोशी (53.9 करोड़ रुपये) से भी अधिक रही। कंपनी की रिपोर्ट के अनुसार, 31 मार्च, 2025 को समाप्त

वित्तीय वर्ष में विजयकुमार के वेतन में 1.96 मिलियन डॉलर का मूल वेतन और 1.73 मिलियन डॉलर का परफोर्मेंस-आधारित बोनस शामिल था। उनकी कमाई का सबसे बड़ा हिस्सा दीर्घकालिक प्रोत्साहनों से आया, जिसमें 6.96 मिलियन डॉलर मूल्य की प्रतिबंधित स्टॉक इकाइयां (आरएसयू) शामिल थीं। इसके अतिरिक्त 0.20 मिलियन डॉलर लाभ और अनुलाभों के रूप में प्रदान किए गए। विजयकुमार 2016 से कंपनी के सीईओ हैं और अमेरिका में रहते हैं। उनका वेतन कंपनी की अमेरिकी ब्रांच एचसीएल अमेरिका इंक. से मिलता है। कंपनी ने बताया कि 1016 में जब विजयकुमार सीईओ बने थे, तब एचसीएलटेक का बाजार पूंजीकरण 1,15,000 करोड़ रुपये था, जो अब 4,32,000 करोड़ रुपये हो गया है, जो वित्त वर्ष 2016 से 3.8 गुना वृद्धि दर्शाता है। इसी अवधि में, शीर्ष पांच में शामिल अन्य चार प्रमुख भारतीय सूचीबद्ध आईटी सेवा फर्मों का बाजार पूंजीकरण लगभग 2.5 गुना बढ़ा है।

बाजार में 8 अगस्त को तेज मोमेंटम दिख सकता है : जानें सपोर्ट और रेजिस्टेंस के अहम लेवल; इस हफ्ते 5 अहम फैक्टर्स पर रहेगी नजर

मुंबई, 3 अगस्त (एजेंसियां)। शेयर बाजार के लिए कल से शुरू होने वाले हफ्ते में 8 अगस्त की तारीख अहम है। वेल्थव्यू एनालिटिक्स के डायरेक्टर हर्षुभ शाह के मुताबिक इस दिन रिवर्सल पैटर्न या स्ट्रॉन्ग मोमेंटम दिख सकता है। इसलिए इस दिन पर खास ध्यान रखना चाहिए। इसके अलावा आरबीआई की पॉलिसी, अमेरिका के भारत पर लगाए टैरिफ से लेकर विदेशी निवेशकों की खरीद-बिक्री और टेक्निकल फैक्टर्स बाजार की चाल तय करेंगे।

चलिए समझते हैं कि इस हफ्ते बाजार में क्या हो सकता है

सपोर्ट जोन: 24,535 / 24,482 / 24,458 / 24,382 / 24,331 / 24,143 / 23,875

सपोर्ट यानी, वह स्तर जहां शेयर या इंडेक्स को नीचे गिरने से सहारा मिलता है। यहां खरीदारी बढ़ने से कीमत आसानी से नीचे नहीं जाती। इन स्तरों पर खरीदारी का मौका मिल सकता है।

रेजिस्टेंस जोन: 24,648 / 24,677 / 24,806 / 24,856 / 24,978 / 25,083 / 25,145

रेजिस्टेंस यानी, वह स्तर जहां शेयर या इंडेक्स को ऊपर जाने में रुकावट आती है। ऐसा बिकवाली बढ़ने से होता है। अगर निफ्टी रजिस्टेंस जोन को पार करता है, तो नई तेजी आ सकती है।

शेयर बाजार के लिए अहम तारीखें

8 अगस्त पोजीशनल ट्रेडर्स के लिए अहम है। बाजार में स्ट्रॉन्ग मोमेंटम या रिवर्सल पैटर्न दिख सकता है। इस दिन का हाई और लो ब्रेकआउट सेटअप का काम कर सकता है। 6 और 7 अगस्त इंट्राडे ट्रेडर्स के लिए खास हैं। वेल्थ व्यू एनालिटिक्स के अनुसार इन तारीखों पर बताए गए टाइम क्लस्टर्स में तेज मूवमेंट्स हो सकते हैं।

29 जुलाई की बताई तारीख पर दिखा था ट्रेंड रिवर्सल

वेल्थव्यू एनालिटिक्स के डायरेक्टर हर्षुभ शाह ने पिछली रिपोर्ट में 29 जुलाई ट्रेंड रिवर्सल की संभावना जताई गई थी। निफ्टी ने उस दिन 24,600 के आसपास कमजोर शुरुआत की, लेकिन उसी दिन रिवर्सल आया। इसके बाद लगातार दो सेशन तक बाजार चढ़कर 24,950 के करीब पहुंच गया। यानी रिवर्सल के दिन से 250+ पॉइंट्स की बढ़त।

सपोर्ट और रेजिस्टेंस ने भी सटीकता से काम किया

28 जुलाई: दिन का हाई और लो बताए जोन 24,850-24,676 के बीच रहा। **29 जुलाई:** हाई 24,847.15 पर बना जो बताए गए 24,850 के लेवल के बिल्कुल करीब था।

31 जुलाई: निफ्टी ने 24,805 पर सपोर्ट लिया और 24,956.50 तक उछला। **1 अगस्त:** दिन का लो 24,535 रहा, जो बताए गए 24,538 के लेवल के करीब था।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

गृह स्थिति

सूर्य	कर्क
चन्द्र	वृश्चिक
मंगल	कन्या
बुध	कर्क
गुरु	मिथुन
शुक्र	मिथुन
शनि	मीन
राहु	कुंभ
केतु	सिंह

लग्नारंभ समय

कर्क...	04-41 बजे
सिंह....	06-53 बजे
कन्या...	08-59 बजे
तुला....	11-05 बजे
वृश्चिक...	13-15 बजे
धनु....	15-29 बजे
मकर....	17-35 बजे
कुंभ....	19-25 बजे
मीन....	21-03 बजे
मेष....	22-39 बजे
वृष....	00-24 बजे
मिथुन..	02-24 बजे

श्री सिद्धार्थी नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- 2082
शक संवत् -1947, सूर्य उत्तरायणे,ऋतु- वर्षा
महावीर निर्वाण संवत् -2551
कलियुग अवधि-432000 05-58 18-46
भोग्य कलि वर्ष-426874
कलियुग संवत् -5126 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् -1972949126
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-1955885126
दिशाशूल- पूर्व - कांच मे मुंह देखकर घर से निकले
तिथि- दशमीं 11-42 तक उपरान्त एकादशी
मास- श्रावण शुक्ल , सोमवार 04 August
नक्षत्र- अनुराधा 09-12 तक ज्येष्ठा
योग - ब्रह्म 07-04 अहोरात्र तक
करण- गर 11-42 तक उप वणिज
विशेष:- सर्वार्थ सिद्धि योग - 06-09 से
व्रत -त्योहार कल पवित्रा एकादशी व्रत सर्वे

विशेष- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है। शुभ फलादेश के लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 07-34 से 09-10 तक

पं महेशचन्द्र शर्मा मो. 9247132654, 9167555710

दिन का चौघड़िया	रात का चौघड़िया
अमृत 05-58 - 07-34 शुभ	चंचल 18-46 - 20-13 शुभ
काल 07-34 - 09-10 अशुभ	रोग 20-13 - 21-36 अशुभ
शुभ 09-10 - 10-46 शुभ	काल 21-36 - 22-59 अशुभ
रोग 10-46 - 12-22 अशुभ	लाभ 22-59 - 00-23 शुभ
उत्पात 12-22 - 13-58 अशुभ	उत्पात 00-23 - 01-46 अशुभ
चंचल 13-58 - 15-34 शुभ	शुभ 01-46 - 03-09 शुभ
लाभ 15-34 - 17-11 शुभ	अमृत 03-09 - 04-33 शुभ
अमृत 17-11 - 18-46 शुभ	चंचल 04-33 - 05-58 शुभ

आपका राशिफल

मेष (चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,)
आपका कार्य के समय हर छोटे बिंदु का मूल्यांकन और हर कार्य को पूरा करने के लिए सावधानी बरतना आपके वरिष्ठ अधिकारियों का ध्यान आपकी और आकर्षित करेगा । आपको और अधिक जिम्मेदारी दी जाएगी ।आपको अपने सामान्य कुशल तरीके से इन से निपटना होगा ताकि ये आपके कैरियर के अवसरों में आने वाले समय में वृद्धि कर सके ।

वृष (ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,)
कुछ मामूली समस्याओं का आपको सामना करना पड़ सकता है , जिससे की अपने कार्यस्थल पर शांति से कार्य करने में बाधा आ सकती है । आज आपको धैर्य की एक बड़ी मात्रा की जरूरत है खासकर जब आप अपने सहकर्मी के साथ कार्य करे । क्रोध को दूर रखे बल्कि उसके साथ समझदारी से निपटे ताकि आपके पूरे समूह के मनोबल पर प्रतिकूल प्रभाव न पडे ।

मिथुन (का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,)
आज आप एक आमंत्रक की भूमिका में रहेंगे ! इसलिए एक मेजबान की जगह एक आयोजक की भूमिका में रहे , आप दोनों ही मामलो में अच्छी राशि पाएंगे परन्तु एक आयोजक की भूमिका लाभप्रद होगी । यह आपकी जन्मजात क्षमताओं में से एक है सिर्फ आप उसकी पहचान नहीं कर पाये थे ।

कर्क (ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,)
ग्रहों की ऊर्जा के प्रभाव के तहत आज आप अपने भीतर की आवाज सुनने के लिए सक्षम हो पायेंगे । इन आवाजों के गहरे अर्थ को आप समझने की कोशिश करे । अगर आप उन्हें समझ लेते हैं, तो आप आसानी से काम कर पायेंगे । इसके अलावा, स्पष्ट रूप से अपने आप को व्यक्त करने में संकोच न करे ।

सिंह (मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,)
आपका व्यवहार आज याद रखने योग्य होगा । अपने लाभ के लिए इसका प्रयोग करें । लोगों से मिले एवं उनसे सकरात्मक बातचीत करे। । एक सकारात्मक शरीर की भाषा बनाए रखें। यहाँ से एक नया अवसर अंकुरित हो सकता है । यह एक नई परियोजना शुरू करने के लिए एक अच्छा सप्ताह है ।

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)
आपकी आय और कैरियर को प्रभावित करने वाले ग्रहों के बीच का गठबंधन अब अपनी मजबूत केंद्र बिंदु पर आ रहा हैं। इसका मतलब यह है की अगर आप अपने कैरियर के लिए अपने समय और ऊर्जा से कार्य करते है, तो आपकी जमा राशि को बढ़ावा मिलेगा ।

तुला (रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,)
आपका ध्यान आज भटकने की संभावना है , हालाँकि आपका कार्य जमा होता जा रहा है, लेकिन आपका ध्यान अनुत्पादक गतिविधियों में लिप्त रहेगा , लेकिन फिर भी आपको आराम करने का अवसर नहीं मिल पायेगा क्योंकि जागरूकता और चिंता हमेशा आपके मन पर हावी रहेगी की आपका कार्य अभी अधूरा है ।

वृश्चिक (तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,)
आज आपके मालिक केवल वे सुनेंगे जो वे सुनना चाहते हैं और यह स्थिति स्वतंत्र रूप से अपने आप को व्यक्त करने से आपको रोकती है। आपके सहयोगियों ने ऐसी स्थितियों में बहुत अच्छी तरह से आप का समर्थन किया है और ये समय उन लोगों से प्राप्त हुई मदद की सराहना करने का समय है। जब आपके मालिक का मन स्थिर होगा , तब आपके धन प्राप्ति के योग है ।

धनु (ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे)
आप यह पता लगाने की कोशिश करें की कौन सी वस्तु या चीज़ से आप अपने आप से सर्वश्रेष्ट कार्य ले सकते है । यह आपकी विचारधाराओ और रचनात्मकता को भी अद्वितीय अनुभूति देगा । हालाँकि , आपके वित्तीय पुरस्कार में विलंब होगा , फिर भी अपने वित्तीय संकट से खुद को बचाने के लिए आपके पास पर्याप्त आय है।

मकर (भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी)
इस बात के काफी मजबूती से संकेत मिल रहे है की आप को अपनी नौकरी की वजह से विदेश जाना पड़ सकता है । जिन विद्यार्थियों ने वीसा के लिए आवेदन किया हुआ है उनका काम आज पूर्ण होने के आसार बन रहे है । आपका कार्य स्थान का परिवर्तन ऐसी जगह हो सकता है जिससे आप अनजान हो ।

कुंभ (गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,)
आप अपने कार्य स्थल की जिंदगी में अपने आप को फंसा हुआ महसूस करेंगे ।आपने अपने लिए उस कार्य क्षेत्र या करियर की कल्पना नहीं की थी जिसमे आप अभी कार्य कर रहे है । आप अपने जुनून को पाने के लिए अचानक अपनी नौकरी का त्याग कर सकते है , हालाँकि ग्रहो के विपरीत प्रभाव के कारण ये समय निर्णय लेने का नहीं है ।

मीन (दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची)
जो लोग सेवा क्षेत्र में हैं , वे अपनी आय में बढ़ोतरी की उम्मीद कर सकते हैं हालाँकि अगर ऐसा नहीं होता है , तो आप खुलकर अपने विचारो को आवाज दे और ये सुनिश्चित रखे की इसे सुना जायेगा । काम का बोझ जो दिन के मध्य में ऊँचा रहेगा परन्तु उम्मीद है कि दिन के अंत तक वह कम होगा ।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

सीएम भजनलाल का बीएपी पर तीखा हमला

कहा- भाजपा गरीबों के लिए काम कर रही, कुछ लोग बच्चों को बरगला रहे

बांसवाड़ा, 3 अगस्त (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा बांसवाड़ा पहुंचे, जहां उन्होंने श्री गोविंद गुरु राजकीय महाविद्यालय के मैदान में आयोजित पीएम किसान सम्मान निधि योजना के राज्य स्तरीय समारोह में शिरकत की। इस दौरान उन्होंने केंद्र सरकार की किसान-हितैषी योजनाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि भाजपा गरीबों और किसानों की भलाई के लिए समर्पित है। लेकिन इस कार्यक्रम में उनका फोकस सिर्फ योजनाओं की घोषणाओं तक सीमित नहीं रहा। उन्होंने बिना नाम लिए भारत आदिवासी पार्टी (बीएपी) पर भी जोरदार निशाना साधा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि कुछ लोग गरीबों के बच्चों को भटका रहे हैं और उन्हें ऐसी राह पर ले जा रहे हैं, जहां उनका भविष्य अंधकारमय हो सकता है। उन्होंने यह भी कहा कि भाजपा सरकार ऐसे तत्वों को बख्शने वाली नहीं है।

'कुछ लोग आपकी पीढ़ी को खत्म करने में तुले हैं'

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने अपने भाषण में किसानों को राष्ट्र का अन्नदाता बताते हुए कहा कि आने वाले समय में राजस्थान का किसान ऊर्जा दाता भी बनेगा। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार दिन में बिजली देकर किसानों को राहत दे रही है, साथ ही 26 हजार आवास लाभार्थियों को उनके घर सौंपे गए हैं। उन्होंने यह भी बताया कि प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि की 20वीं किश्त किसानों के खातों में ट्रांसफर की जा चुकी है।

इसी दौरान उन्होंने बीएपी पर अप्रत्यक्ष हमला बोलते हुए कहा कि कुछ लोग ऐसे हैं जिनका खुद का गरीबी से कभी कोई नाता नहीं रहा, लेकिन वे गरीबों के नाम पर राजनीति कर रहे हैं। उनके अपने बच्चे तो अच्छे संस्थानों में पढ़ रहे हैं, लेकिन वो दूसरों के बच्चों को गुमराह कर रहे हैं। मुख्यमंत्री ने चेतावनी भरे लहजे में कहा कि ऐसे लोगों से सावधान रहना होगा, जो आपकी पीढ़ी को खत्म करने पर तुले हुए हैं।

'1947 से पहले आजाद थे, आज नहीं हैं- यह कैसी मानसिकता है?'

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने बीएपी के कुछ नेताओं के बयानों की आलोचना कर कहा कि जब कोई यह कहता है कि हम 1947 से पहले आजाद थे, आज नहीं हैं, तो यह समझना मुश्किल हो जाता है कि वे किस मानसिकता से ग्रसित हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे लोग समाज को तोड़ने का काम कर रहे हैं और यहां तक कि महिलाएं मंगलसूत्र न पहनें ऐसी बातें भी कर रहे हैं। उन्होंने दोहराया कि राज्य सरकार समाज में एकता बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध है और किसी भी प्रकार के भ्रामक प्रचार को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

बांसवाड़ा के विकास को मिली नई सौगातें

समारोह में मुख्यमंत्री ने बांसवाड़ा के विकास को लेकर कई घोषणाएं भी कीं। उन्होंने कहा कि यहां बांसिया भील के नाम से स्मारक, मक्का प्रोसेसिंग यूनिट और कालीबाई के नाम से संग्रहालय बनाया जाएगा। उन्होंने वागड़ क्षेत्र की प्राकृतिक सुंदरता और सांस्कृतिक विरासत की सराहना कर कहा कि आने वाले समय में यहां नए उद्योग-धंधे शुरू होंगे, जिससे युवाओं को रोजगार के अवसर मिलेंगे। उन्होंने यह भी कहा कि मानगढ़ धाम शौर्य और बलिदान का प्रतीक है और प्रधानमंत्री मोदी का वागड़ से गहरा नाता रहा है, इसलिए यहां विकास के हर जरूरी कार्य को प्राथमिकता दी जाएगी।

'पेपर लीक माफियाओं पर कसा शिकंजा, छह लाख नए रोजगार देंगे'

कार्यक्रम में राज्य के सहकारिता मंत्री गौतम दक ने कहा कि राजस्थान सरकार ने अपने डेढ़ साल के कार्यकाल में 75 लाख किसानों को अतिरिक्त तीन हजार रुपये की किसान सम्मान निधि दी है। इसके साथ ही पेपर लीक माफियाओं पर सख्त कार्रवाई की गई है। उन्होंने दावा किया कि राज्य में आने वाले समय में छह लाख नए रोजगार सृजित किए जाएंगे, जिससे युवाओं में सरकार के प्रति विश्वास और उम्मीद जगी है।

बीजेपी ने बदली तुष्टीकरण की परिभाषा

कहा- मुस्लिम समुदाय को सशक्तिकरण की जरूरत

जयपुर, 3 अगस्त (एजेंसियां)। बीजेपी ने कांग्रेस पर हमेशा मुस्लिम तुष्टीकरण के आरोप लगाए हैं, लेकिन अब इस तुष्टीकरण की व्याख्या बदलती दिखाई दे रही है। बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने जयपुर में आयोजित अल्पसंख्यक मोर्चा की बैठक में कहा कि तुष्टीकरण का मतलब केवल मुस्लिम समुदाय से जोड़ना गलत है। उन्होंने कहा कि तुष्टीकरण का मतलब है किसी को तात्कालिक रूप से संतुष्ट करना, जैसे पोते को टॉफी देकर चुप कराना।

राठौड़ ने इसे उधारी और रोकड़िए से जोड़ा। उन्होंने कहा कि दुकानदार रोकड़िए को अच्छे से सम्मान देगा, बढ़िया सामान देगा। वहीं उधारी वाले को बैठा देगा, और खराब सामान थमा देगा। यही अंतर तुष्टीकरण और सशक्तिकरण में है। उन्होंने कहा कि मुस्लिम समाज को मजबूत बनाओ, उन्हें सक्षम बनाओ ताकि वह खुद अपने पैरों पर खड़े हो सकें।

राठौड़ ने अपनी पत्नी का उदाहरण देते हुए कहा कि वो नाराज हो जाए तो अंगूठी दिला देता हूं, लेकिन असली समाधान यह है कि वह खुद आत्मनिर्भर बने। उन्होंने मुस्लिम समुदाय को संदेश देते हुए कहा कि किसी भी राजनीतिक पार्टी का ठप्पा मत लगने दो, क्योंकि ठप्पा लगने के बाद कोई विकास की चिंता नहीं करता।

बीजेपी अल्पसंख्यक मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जमाल सिद्दीकी ने भी इस मौके पर कांग्रेस को आड़े हाथों लिया और कहा कि तुष्टीकरण का मतलब है किसी को मूर्ख बनाकर अपना काम निकालना, जो कांग्रेस की राजनीति की संस्कृति रही है। उन्होंने दावा किया कि बीजेपी सच्चाई के साथ काम करती है, चाहे वह मुश्किल क्यों न हो।

सिद्दिकी ने 'डॉ. कलाम स्टार्टअप यूथ अवार्ड 2.0' की भी घोषणा की, जो मुस्लिम युवा उद्यमियों को सशक्त बनाने की पहल है। यह कार्यक्रम दिल्ली में आयोजित किया जाएगा, जहां देशभर से मुस्लिम स्टार्टअप उद्यमियों को सम्मानित किया जाएगा।

जयपुर बीजेपी कार्यालय में हुई इस बैठक की अध्यक्षता हमीद खां मेवाती ने की। इसमें प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ के साथ कई अन्य पदाधिकारी भी मौजूद रहे। बैठक का मूल संदेश यही था कि मुस्लिम समाज को तुष्टीकरण नहीं, सशक्तिकरण की ओर बढ़ना होगा।

रेलवे जनसंपर्क विभाग के कर्मचारियों की मांगों पर लोकसभा अध्यक्ष ने दिया सकारात्मक संकेत

कोटा, 3 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। रेलवे जनसंपर्क विभाग के कर्मचारियों की मांगों पर पर लोकसभा अध्यक्ष ने सकारात्मक आश्वासन दिया है। भारतीय रेलवे के इतिहास में पहली बार जनसंपर्क विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा अखिल भारतीय रेलवे जनसंपर्क सेमिनार का भव्य आयोजन कोटा के मेनाल रेलवे ऑफिसर्स क्लब में किया गया।

इस ऐतिहासिक आयोजन में मुख्य अतिथि के रूप में लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला जी ने गरिमामयी उपस्थिति दर्ज की और भारतीय रेलवे जनसंपर्क कैडर की भूमिका को अत्यंत महत्वपूर्ण बताया। मंडल रेल प्रबंधक अनिल कालरा द्वारा मुख्य अतिथि का स्वागत करते हुए रेलवे के जनसंपर्क विभाग द्वारा किए जा रहे महत्वपूर्ण कार्यों की सराहना की गई। इसके बाद जनसंपर्क विभाग के परिचय पर एक संक्षिप्त वीडियो प्रदर्शित किया गया, जिससे जनसंपर्क कर्मियों की बहुआयामी भूमिका का परिचय उपस्थित जनसमूह को मिला। वरिष्ठ जनसंपर्क अधिकारी कमल जोशी द्वारा जनसंपर्क कैडर का विस्तृत परिचय प्रस्तुत किया गया, जिसमें विभाग की वर्तमान कार्यप्रणाली, दायित्व, एवं संरचनात्मक चुनौतियों को रेखांकित किया गया।

इस मौके पर ओम बिरला ने अपने उद्बोधन में कहा कि "रेलवे का जनसंपर्क विभाग सरकार और जनता के बीच विश्वास का सेतु है। इसकी मजबूती से रेलवे की छवि और पारदर्शिता में वृद्धि होती है।" उन्होंने विभाग के हितों की रक्षा और समस्याओं के समाधान हेतु सकारात्मक आश्वासन भी प्रदान किया।

इसके उपरांत सेमिनार सत्र आयोजित किया गया, जिसमें देशभर से आए वरिष्ठ जनसंपर्क अधिकारी, जनसंपर्क अधिकारी एवं प्रचार निरीक्षकों ने अपने विचार, अनुभव एवं कैडर से संबंधित व्यावहारिक सुझाव प्रस्तुत किए।

यह विचार-विमर्श सत्र जनसंपर्क विभाग की कार्यक्षमता, कैडर पुनर्गठन, और भविष्य की दिशा तय करने में मील का पत्थर सिद्ध हुआ। कार्यक्रम में अपर मंडल रेल प्रबंधक ललित कुमार धुरंधर, वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक सौरभ जैन, मंडल वाणिज्य प्रबंधक किशोर पटेल, नेता प्रतिपक्ष लव शर्मा सहित रेलवे के विभिन्न संवर्गों के वरिष्ठ अधिकारियों, कर्मचारी संगठनों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

कलेक्टर पर उम्मेदाराम का बड़ा हमला

भ्रष्टाचार, राष्ट्रीय सुरक्षा उल्लंघन, लगाए गंभीर आरोप

बाड़मेर, 3 अगस्त (एजेंसियां)। बाड़मेर-जैसलमेर-बालोतरा लोकसभा क्षेत्र के सांसद उम्मेदाराम बेनीवाल ने जैसलमेर जिला कलेक्टर प्रताप सिंह पर भ्रष्टाचार, सीलिंग एक्ट के उल्लंघन, रक्षा मंत्रालय की जमीनों के दुरुपयोग और राष्ट्रीय सुरक्षा से खिलवाड़ जैसे गंभीर आरोप लगाए हैं। बाड़मेर स्थित सांसद सेवा केंद्र पर आयोजित प्रेस वार्ता में उन्होंने केंद्र और राज्य सरकार से मामले की उच्च स्तरीय जांच की मांग की।

सांसद ने कहा कि जैसलमेर जैसे संवेदनशील सीमावर्ती जिले में एक जिम्मेदार प्रशासनिक पद पर बैठे अधिकारी पर लगातार भ्रष्टाचार और नियम उल्लंघन के आरोप लग रहे हैं। लेकिन सरकार कार्रवाई करने की बजाय ईमानदार अधिकारियों को दंडित कर रही है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि इन मामलों में जल्द कार्रवाई नहीं हुई, तो यह सीमा सुरक्षा और प्रशासनिक विश्वसनीयता के लिए गंभीर खतरा बन सकता है।

कलेक्टर पर अनैतिक दबाव और रक्षा जमीनों के हस्तांतरण का आरोप

बेनीवाल ने खुलासा किया कि पोकरण उपखंड अधिकारी प्रभजोत सिंह गिल और तहसीलदार विश्व प्रकाश चारण जैसे अधिकारियों ने कलेक्टर प्रताप सिंह के खिलाफ भ्रष्टाचार, सीलिंग एक्ट के उल्लंघन और कॉर्पोरेट कंपनियों को फायदा पहुंचाने के आरोप लगाए हैं। लेकिन इन अधिकारियों को सजा स्वरूप निलंबन या एपीओ कर दिया गया। उन्होंने सवाल किया कि ईमानदारी से काम करने वालों को सजा और आरोपों में घिरे अफसरों को संरक्षण क्यों? उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि कलेक्टर रक्षा मंत्रालय की जमीन की भूमि किस्म बदलवाने के लिए अधीनस्थ अधिकारियों पर दबाव बनाते हैं, जिससे देश की सुरक्षा पर प्रत्यक्ष प्रभाव पड़ सकता है।

कंपनियों के पक्ष में प्रशासनिक कार्रवाई, जनता के खिलाफ रवैया

सांसद ने कहा कि जैसलमेर प्रशासन कॉर्पोरेट कंपनियों के हित में काम कर रहा है। आगोर, गोचर भूमि, परंपरागत जल स्रोत, तालाब, ओरण और आबादी की जमीनें कंपनियों को दी जा रही हैं, जिससे स्थानीय किसान और ग्रामीण प्रभावित हो रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि अधिकारी सरकारी आदेशों की अनदेखी कर कंपनियों के लिए 'मुनीम' की भूमिका निभा रहे हैं।

उन्होंने कहा कि कलेक्टर अब सरकार नहीं, कंपनियों के प्रतिनिधि की तरह काम कर रहे हैं। यह व्यवहार केवल प्रशासनिक अनुशासन का उल्लंघन नहीं, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए सीधी चुनौती है।

बाड़मेर में भी सामने आए अनियमितता के मामले

बेनीवाल ने बाड़मेर जिले के गडरा रोड और रामसर क्षेत्र का जिक्र करते हुए कहा कि यहां पूर्व उपखंड अधिकारी अनिल जैन द्वारा सीलिंग एक्ट और सुरक्षा नियमों के उल्लंघन के मामले सामने आए हैं, लेकिन अभी तक निष्पक्ष जांच नहीं हुई। उन्होंने आरोप लगाया कि संदिग्ध और बाहरी लोगों को जमीनें बेची गईं, जो सुरक्षा के लिहाज से अत्यंत गंभीर है।

सरकार की चुप्पी पर उठाए सवाल

बेनीवाल ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से अपील की कि जैसलमेर व बाड़मेर में हो रहे प्रशासनिक भ्रष्टाचार और सुरक्षा उल्लंघनों की निष्पक्ष जांच करवाई जाए। उन्होंने तीखा सवाल उठाया कि जब खुद प्रशासनिक अधिकारी ही कलेक्टर पर सवाल उठा रहे हैं, तब सरकार की चुप्पी क्या दर्शाती है? क्या ये राजनीतिक संरक्षण का मामला है?

माउंटआबू में 75 मिमी बारिश से लोअर कोदरा डैम ओवरफ्लो

बाजार में पेड़ गिरने से तीन दुकानें क्षतिग्रस्त

सिरोही, 3 अगस्त (एजेंसियां)। राजस्थान के एकमात्र हिल स्टेशन माउंट आबू में बीते 24 घंटों के दौरान तेज हवाओं और झमाझम बारिश का सिलसिला देखने को मिला। रविवार सुबह आठ बजे तक 75 मिमी बारिश रिकॉर्ड की गई, जिससे शहर का मौसम न सिर्फ सुहावना बन गया बल्कि जलाशयों में भी पानी लबालब हो गया। लोअर कोदरा डैम पूरी तरह से ओवरफ्लो हो गया है, जबकि अपर कोदरा डैम महज तीन फीट खाली रह गया है। जल स्रोतों में इस भराव से माउंटआबू शहर की पेयजल आपूर्ति में स्थायित्व आने की संभावना जताई जा रही है। शुरू हुई बारिश का दौर रविवार सुबह तक जारी रहा। हवाओं के साथ हो रही लगातार बारिश ने शहर को भीगने पर मजबूर कर दिया। इस बारिश ने जहां एक ओर गर्मी से राहत दी, वहीं हरियाली ने पूरे क्षेत्र को प्राकृतिक चादर से ढंक दिया है। माउंटआबू के प्राकृतिक नालों में पानी की आवक बढ़ गई है और वातावरण में घनी धुंध छाई रही, जिससे नजारे और भी मनोहारी हो गए।

मां ने देह व्यापार के लिए 11 साल की बेटी को 10 हजार में बेचा, पॉक्सो कोर्ट ने दी 10 साल की सजा

अलवर, 3 अगस्त (एजेंसियां)। अलवर की पॉक्सो कोर्ट संख्या 02 ने एक दिल दहला देने वाले मामले में 11 वर्षीय नाबालिग बेटी को देह व्यापार के लिए बेचने वाली मां को 10 साल के कठोर कारावास की सजा सुनाई है। विशेष न्यायाधीश शिल्पा समीर ने इस मामले में कठोर रुख अपनाते हुए आरोपी मां पर साढ़े पांच लाख रुपये का जुर्माना भी लगाया। कोर्ट ने अपने फैसले में स्पष्ट किया कि ऐसे जघन्य अपराधों में नरमी बरतने से समाज में गलत संदेश जाएगा। यह मामला पश्चिम बंगाल की एक महिला से जुड़ा है, जिसने अपनी 11 साल की बेटी को 10 हजार रुपये में बेच दिया। पीड़िता को कोलकाता से अलवर के गाजूकी गांव लाया गया, जहां उसे छह महीने तक देह व्यापार के लिए मजबूर किया गया। पीड़िता ने बताया कि उसे बिल्लो नाम की एक महिला ने जबरन इस गलत धंधे में धकेला। यह घटना मानवता को शर्मसार करने वाली है, जिसमें एक मां ने अपनी ही बेटी को इस क्रूरता का शिकार बनाया। इस मामले ने समाज में नाबालिगों की सुरक्षा और माता-पिता की जिम्मेदारी को लेकर गंभीर सवाल खड़े किए हैं। सात अगस्त 2016 को तत्कालीन सदर थाना प्रभारी कैलाश चौधरी को गाजूकी गांव में देह व्यापार की गुप्त सूचना मिली थी। सूचना के आधार पर पुलिस ने त्वरित कार्रवाई कर छापामारी की और 11 साल की नाबालिग बच्ची को बिल्लो नाम की महिला के घर से बरामद किया। पूछताछ में बच्ची ने बताया कि उसे छह महीने पहले कोलकाता से लाया गया था और बिल्लो ने उसे जबरन देह व्यापार में धकेला।

आईएएस के भाई की हार्ले डेविडसन बाइक सांड से टकराई, मौत

पडब्ल्यूडी में एसई थे, दिल्ली की ओर से जयपुर लौट रहे थे

जयपुर, 3 अगस्त (एजेंसियां)। जयपुर में पीडब्ल्यूडी के अधीक्षक अभियंता (एसई) अविनाश शर्मा (57) की हार्ले डेविडसन बाइक सांड से टकरा गई। हादसे में उनकी मौत हो गई। एसई ऊर्जा सचिव (आईएएस) अजिताभ शर्मा के भाई थे।

हादसा जयपुर-दिल्ली हाईवे पर दौलतपुरा थाना इलाके में दौलतपुरा टोल के पास हुआ।

एसीपी चौमूं अशोक चौहान ने बताया- अविनाश शर्मा बापू नगर गांधीनगर के रहने वाले थे। अधीक्षक अभियंता (सिटी सर्किल) जयपुर के पद पर कार्यरत थे।

घटनाक्रम के मुताबिक अविनाश शर्मा रविवार दोपहर 12 बजे दिल्ली की ओर से हार्ले डेविडसन बाइक पर अपने घर लौट रहे थे।

दोस्त के कॉल से हुई पहचान

दौलतपुरा एसएचओ नंदलाल ने बताया- एक्सीडेंट की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंच गई थी। गंभीर हालत में बाइक सवार जमीन पर गिरे मिले।

पुलिस जांच करने के दौरान ही बाइक सवार के मोबाइल पर कॉल आया।

पुलिसकर्मी के कॉल उठाने पर उनके दोस्त से बात हुई। दोस्त ने परिचय दिया। एंबुलेंस से तुरंत कांवटिया हॉस्पिटल भिजवाया गया।

हालत गंभीर होने पर एसएमएसहॉस्पिटल रेफर कर दिया गया। जहां डॉक्टर्स ने इलाज के दौरान मृत घोषित कर दिया।

30 फीट दूर पड़ा था हेलमेट

एसएचओ ने बताया- अविनाश शर्मा की बाइक हाईवे पर आए सांड से टकराई थी। सांड के पिछले पैर से टकराने के बाद अनियंत्रित होकर बाइक हाईवे से नीचे उतरकर गिर गई थी।

बाइक सहित जमीन पर गिरने से झटका लगा था। हेलमेट भी निकल गया। सिर पर चोट लगी। हेलमेट बाइक से करीब 30 फीट दूर मिला। बाइक टकराने से घायल सांड भी हाईवे किनारे बैठा हुआ मिला है, जिसका एक पैर टूट गया।

किशोरी से दुष्कर्म

पॉक्सो कोर्ट ने नाबालिग आरोपी को 20 वर्ष की सजा सुनाई

बांसवाड़ा, 3 अगस्त (एजेंसियां)। बांसवाड़ा जिले में एक नाबालिग किशोरी से दुष्कर्म के मामले में विशेष पॉक्सो कोर्ट ने कठोर फैसला सुनाते हुए नाबालिग आरोपी को 20 वर्ष के कठोर कारावास की सजा दी है।

यह सजा विशेष न्यायालय (लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण अधिनियम 2012) की न्यायाधीश तारा अग्रवाल ने सुनाई। इसके साथ ही आरोपी पर 20 हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया गया है। इस घटना ने समाज में नाबालिगों की सुरक्षा को लेकर गंभीर सवाल खड़े किए हैं।

स्कूल के डायरेक्टर का आपत्तिजनक वीडियो वायरल, अभिभावकों ने किया उग्र विरोध-प्रदर्शन

उदयपुर, 3 अगस्त (एजेंसियां)। उदयपुर शहर के प्रतिष्ठित शैक्षणिक संस्थानों में गिने जाने वाले ए-वन सीनियर सेकेंडरी स्कूल के डायरेक्टर डॉ. एम.एल. चांगवाल का एक आपत्तिजनक वीडियो वायरल होने के बाद उदयपुर में माहौल गरमा गया है। यह वीडियो कथित तौर पर खुद चांगवाल के मोबाइल से उनके ही समाज के एक ग्रुप में साझा हुआ, जिसके बाद यह सोशल मीडिया पर तेजी से फैल गया। वीडियो की सामग्री को लेकर समाज और अभिभावकों में गहरा आक्रोश देखा गया। इसे सैकड़ों लोग स्कूल के बाहर एकत्र हो गए और जोरदार विरोध-प्रदर्शन किया। वीडियो सामने आते ही स्कूल से जुड़े अभिभावक और समाज के लोग आक्रोशित हो गए। बड़ी संख्या में लोग स्कूल के बाहर जमा हो गए और डायरेक्टर के खिलाफ 'कड़ी कार्रवाई करो' के नारे लगाने लगे। प्रदर्शनकारियों ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि जो व्यक्ति एक शैक्षणिक संस्था की अगुवाई करता है, उससे इस तरह की अशोभनीय हरकत की उम्मीद नहीं की जा सकती। उन्होंने इसे पूरे शिक्षा जगत की गरिमा पर सवाल खड़ा करने वाला बताया। आक्रोशित अभिभावकों का कहना है कि उनके बच्चों की शिक्षा ऐसे व्यक्ति के नेतृत्व में सुरक्षित नहीं है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि स्कूल प्रशासन और पुलिस जल्द कोई कठोर कदम नहीं उठाते हैं तो वे आंदोलन को और व्यापक करेंगे। स्थिति के बिगड़ने और भीड़ के उग्र रूप लेने से पहले ही भूपालपुरा पुलिस थाना की टीम स्कूल परिसर पहुंची।

लव मैरिज के बाद ठग बन गए पति-पत्नी, करते थे धोखाधड़ी, दोनों गिरफ्तार

अलवर, 3 अगस्त (एजेंसियां)। एनईबी थाना पुलिस ने लोन दिलाने के नाम पर लोगों से ठगी करने के मामले में डीग जिले के कुम्हेर कस्बा निवासी विष्णु और उसकी पत्नी आरती को गिरफ्तार किया है। वर्तमान में दोनों अलवर के 60 फीट रोड, ठाकर वाला कुआं क्षेत्र में रहते हैं। कोर्ट के आदेश पर आरती को न्यायिक अभिरक्षा में भेजा गया है। जबकि उसके पति विष्णु को पुलिस ने दो दिन के रिमांड पर लिया है।

पूछताछ में सामने आया कि आरोपी पति-पत्नी अलवर में 8 लाख रुपए की ठगी कर चुके हैं। इनके खिलाफ भरतपुर और उत्तर प्रदेश के हाथरस में भी ठगी के मामले दर्ज हैं। एनईबी थाना प्रभारी दिनेशचंद ने बताया 3 जुलाई को एक व्यक्ति ने आरोपियों के खिलाफ ठगी का मामला दर्ज कराया था। जांच अधिकारी एएसआई अजय शर्मा ने बताया कि विष्णु व आरती की साल 2019 में लव मैरिज हुई थी। विष्णु एक निजी बैंक में काम करता था। जहां उसकी मुलाकात आरती से हुई थी। इसके बाद वह अपनी पत्नी को छोड़कर आरती के साथ रह रहा था। उन्होंने आधार कार्ड आदि में भी खुद को पति-पत्नी दर्ज करा लिया और बैंक की नौकरी छोड़कर हाथरस चले गए।

होटल में बर्थडे पार्टी की आड़ में चल रही थी रेव पार्टी

पुलिस ने 50 युवक-युवतियों को हिरासत में लिया

उदयपुर, 3 अगस्त (एजेंसियां)। लेकसिटी उदयपुर में कोडियात रोड स्थित होटल गणेश में चल रही एक रेव पार्टी का गिर्वा पुलिस ने भंडाफोड़ किया। रात करीब 11:30 बजे हुई इस कार्रवाई में पुलिस ने 39 युवकों और 11 युवतियों को मौके से पकड़ा। बर्थडे पार्टी की आड़ में चल रही इस पार्टी में तेज डीजे, शराब, नशे की सामग्री और नकली नोट उड़ाए जा रहे थे। पार्टी में शामिल कुछ युवतियों को अन्य राज्यों से विशेष रूप से बुलाया गया था, जिससे पूरे आयोजन के नेटवर्क और मकसद पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। पुलिस ने इस पूरे ऑपरेशन को पूरी गोपनीयता के साथ अंजाम दिया। गिर्वा डीएसपी सूर्यवीर सिंह राठौड़ के नेतृत्व में बनी टीम ने एक प्राइवेट बस से होटल का रुख किया। कुछ पुलिसकर्मी सादी वर्दी में ग्राहक बनकर अंदर घुसे और जैसे ही गतिविधियों की पुष्टि हुई, बाकी टीम ने होटल में रेड कर दी। अचानक हुई कार्रवाई से हड़कंप मच गया और कई युवक-युवतियां छत पर जाकर छिपने लगे, लेकिन पुलिस ने उन्हें भी पकड़ लिया।

बारिश बनी काल; बीकानेर, हनुमानगढ़ और भरतपुर में कई मकान गिरे, तीन लोगों की मौत

बीकानेर, 3 अगस्त (एजेंसियां)। राजस्थान के कई जिलों में शुक्रवार और हुई भारी बारिश जनजीवन के लिए आफत बन गई। राज्य के बीकानेर, हनुमानगढ़ और भरतपुर जिलों में बारिश के कारण पुराने और जर्जर मकान ढह गए, जिनकी चपेट में आकर तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि कई अन्य घायल हो गए हैं। बारिश के चलते कई इलाकों में भारी जलभराव और जान-माल का नुकसान हुआ है। भरतपुर जिले के भुसावर तहसील क्षेत्र की ग्राम पंचायत दीवली के गांव बौराज में शुक्रवार देर रात बारिश का कहर टूटा। 70 वर्षीय राम मीणा और उनकी 60 वर्षीय पत्नी जग्गो देवी घर में सो रहे थे, तभी बारिश के कारण मकान की छत की पट्टियां अचानक धराशायी हो गईं। मकान के मलबे के नीचे दबने से दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। ग्रामीणों की सूचना पर प्रशासन मौके पर पहुंचा और राहत व बचाव कार्य शुरू किया गया, लेकिन तब तक दोनों बुजुर्गों की जान जा चुकी थी। बीकानेर जिले के नोखा कस्बे में शुक्रवार को भारी बारिश के बाद दो मकान जमींदोज हो गए। घटना इतनी भयावह थी कि दोनों मकान करीब 30 फीट गहरे गड्ढे में समा गए। गनीमत रही कि हादसे के वक्त मकानों में कोई मौजूद नहीं था, जिससे बड़े हादसे से बचाव हो गया। घटना की सूचना मिलते ही प्रशासन मौके पर पहुंचा और आसपास के सात मकानों को एहतियातन खाली करवा दिया गया है। क्षेत्रवासियों में डर का माहौल है और कई लोग रात के समय अपने घरों से बाहर निकलकर सुरक्षित स्थानों की ओर जा रहे हैं।

100 प्रतिशत धमाका सेल- शिवराज लक्ष्मीचंद जैन ज्वैलर्स पर जबरदस्त रविवार!

हैदराबाद, 3 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। आज रविवार को हमारे शोरूम पर ग्राहकों की भारी भीड़ देखने को मिली। हैदराबाद, सिकंदराबाद, बोलाराम, मलकाजगिरी और आसपास के इलाकों से बड़ी संख्या में ग्राहक पधारे। सभी ने शिवराज लक्ष्मीचंद जैन ज्वैलर्स की पारंपरिक और ट्रेंडी डिज़ाइनों की खुलकर तारीफ की। वातावरण पूरे दिन उत्सव जैसा रहा।

शिवराज लक्ष्मीचंद जैन ज्वैलर्स के डिज़ाइन्स- हर दिल को भा जाएं ऐसे कलेक्शन :

इस बार के धमाका ऑफर में जो लाइट वेट गोल्ड ज्वेलरी प्रस्तुत की गई है, उसने खासतौर पर महिलाओं को खूब लुभाया। नेकलेस सेट, हाथफूल, झुमके, बोर, बांगल्स- हर डिजाइन पर ग्राहकों की नजर ठहर रही थी। जो एक बार शोरूम में आया, वह कुछ न कुछ जरूर खरीदकर ही गया।

सेविंग स्कीम- गोल्ड में सेविंग, बोनस के साथ :

हमारी लोकप्रिय मंथली गोल्ड सेविंग स्कीम को भी आज भरपूर रिस्पॉन्स मिला। ग्राहक 10,000 प्रतिमाह जमा करके 15 महीने में गोल्ड ले सकते हैं और ऊपर से 15,000 तक का बोनस भी शिवराज लक्ष्मीचंद जैन ज्वैलर्स की तरफ से दिया जा रहा है। यह स्कीम खास उन लोगों के लिए है जो धीरे-धीरे बचत करके ज्वेलरी खरीदना चाहते हैं- बिना ब्याज और टेंशन के।

दूर-दराज़ से भी आ रहे हैं ग्राहक :

इस धमाका ऑफर की चर्चा अब सिर्फ शहरों तक सीमित नहीं रही। आज भी तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, महाराष्ट्र और कर्नाटक के गांवों से कई परिवार शोरूम पर पहुंचे। यह शिवराज लक्ष्मीचंद जैन ज्वैलर्स की विश्वसनीयता और प्रचार की ताक़त का प्रमाण है। बाहरगांव से आए ग्राहकों ने शिवराज लक्ष्मीचंद जैन ज्वैलर्स का नाम सुनकर ही यात्रा तय की और आने पर पूरी संतुष्टि जताई।

कुछ ही दिन शेष- अवसर हाथ से ना जाने दें :

अब यह शानदार ऑफर कुछ ही दिनों तक उपलब्ध रहेगा। ऐसे में जिन ग्राहकों ने अभी तक अवलोकन नहीं किया है, उनसे निवेदन है कि शीघ्र पधारें और इस विशेष अवसर का लाभ उठाएं। इस सेल में ना सिर्फ डिज़ाइन्स बेहतरीन हैं, बल्कि दाम भी बेहद आकर्षक हैं।

ग्राहकों को गुणवत्तापूर्ण सेवाएं देने में सहकारी शहरी बैंकों की भूमिका महत्वपूर्ण : रामचंद्र

बैंक नई ऊंचाइयों को छूने के लिए तैयार : प्रमोद कुमार केडिया

अग्रसेन को-ऑपरेटिव अर्बन बैंक लिमिटेड की 9वीं शाखा का उद्घाटन

हैदराबाद, 3 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। अग्रसेन को-ऑपरेटिव अर्बन बैंक लिमिटेड ने आज एकेआर कॉम्प्लेक्स, गगनपहाड़, राजेंद्र नगर में अपनी 9वीं शाखा का उद्घाटन किया। शाखा का उद्घाटन मुख्य अतिथि एन रामचंदर राव, तेलंगाना भाजपा प्रदेश अध्यक्ष और तेलंगाना उच्च न्यायालय के वरिष्ठ अधिवक्ता ने किया।

इस अवसर पर एन रामचंदर राव ने गगनपहाड़ क्षेत्र में अपनी 9वीं शाखा खोलकर बैंक की उपस्थिति में तेज़ी से विस्तार करने के लिए बैंक को बधाई दी। उन्होंने कहा कि भारत दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है और सभी ग्राहकों को गुणवत्तापूर्ण सेवाएं प्रदान करके इस स्थिति को और बेहतर बनाने में सहकारी शहरी बैंकों की भूमिका भी महत्वपूर्ण है। दिव्य शक्ति ग्रुप ऑफ़ कंपनीज़ के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक रवींद्र कुमार अग्रवाल ने तेलंगाना में स्ट्रांग रूम और सुरक्षित जमा लॉकर सुविधा का उद्घाटन किया। आरकेएस मोटर्स प्राइवेट लिमिटेड के प्रबंध निदेशक विनय आर साबू और नमिश्री ग्रुप ऑफ़ कंपनीज़ के अध्यक्ष मोतीलाल जैन भलगट ने सभी ग्राहकों के उपयोग के लिए बैंक की अन्य बैंकिंग सुविधाओं का उद्घाटन किया।

बैंक के अध्यक्ष प्रमोद कुमार केडिया ने कहा कि बैंक नई ऊंचाइयों को छूने के लिए तैयार है और 17 अगस्त 2025 को कुकटपल्ली में दो और नई शाखाएं खोल रहा है। माधापुर शाखा सितंबर 2025 में खोली जाएगी। उन्होंने यह भी बताया कि बैंक आने वाले महीनों में आरबीआई के दिशानिर्देशों के अनुसार एफएसडब्ल्यूएम श्रेणी (वित्तीय रूप से सुदृढ़ और सुव्यवस्थित बैंक) के अंतर्गत एक उपयुक्त स्थान पर एक और शाखा भी खोलेगा। उद्घाटन कार्यक्रम में निदेशक सीए नवीन कुमार अग्रवाल, वरिष्ठ उपाध्यक्ष, सुरेश कुमार अग्रवाल- उपाध्यक्ष, नारायण दत्त- अध्यक्ष बोर्ड ऑफ मैनेजमेंट, निदेशक: नरसिंह दास, गोपाल चंद अग्रवाल, महेश कुमार अग्रवाल, राजेश कुमार अग्रवाल, श्रीमती अंजू केडिया, बजरंग प्रसाद गुप्ता, सीए पंकज कुमार अग्रवाल और महावीर पित्ती- सदस्य बोर्ड ऑफ मैनेजमेंट उपस्थित थे।

विशेष आमंत्रित अतिथियों में रमेश कुमार अग्रवाल, अशोक कुमार अग्रवाल, रमेश बंग, वी नरसिम्हा रेड्डी, किशन अग्रवाल, जगदीश अग्रवाल, अरुण डाकोतिया, रामदेव अग्रवाल, राम प्रकाश नागला, थोकला श्रीनिवास रेड्डी, सदानंद यादव, जय हिंद यादव, ए जीतेंद्र, राम मोहन गौड़, वेंकट राव, ई अशोक आदि उपस्थित थे। सी.वी. राव- महाप्रबंधक/सी.ई.ओ., आनंद अग्रवाल- उप महाप्रबंधक, सभी शाखाओं के शाखा प्रबंधक और सभी कर्मचारी कार्यक्रम में उपस्थित थे।

आज जामबाग डिवीजन के हिंदू नगर खेल परिसर में आयोजित माथुर वैश्य युवा दल वार्षिक खेल दिवस में जामबाग डिवीजन के नगरसेवक राकेश जयसवाल विशेष अतिथि के रूप में शामिल हुए। अवसर पर राजेश गुप्ता, विशाल गुप्ता, रघु कामले, हिमांशु यश, विकास आदि शामिल हुए।

बिहार एसोसिएशन की कॉवड यात्रा आज

हैदराबाद, 3 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। बिहार एसोसिएशन आज सोमवार को कॉवड यात्रा निकालेगी। महासचिव प्रभास कुमार द्वारा प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से बताया गया कि कॉवड़ यात्रा उप्पल शिवालय से शुरू होकर महिंद्रा हिल्स शिवालय में जाकर जल अर्पण के साथ पूरा होगा। एसोसिएशन के अध्यक्ष हरे राम सिंह ने बताया कि सभी शिव भक्त अधिक से अधिक संख्या में कॅवड़ यात्रा में सम्मिलित होकर पुण्यलाभ लें। एसोसिएशन की महिला शक्ति इस वर्ष भी नई उत्साह संग शोभा यात्रा में जोर शोर से भाग लेने जा रही हैं, जिसकी अगुवाई महिला शक्ति के प्रमुख के द्वारा किया जाएगा। आज कार्यकारिणी मंडल की बैठक कर कॉवड़ शोभा यात्रा तैयारियां पर चर्चा की गई जिसमे मानवेंद्र मिश्रा, उत्तम यादव, रवि शंकर सिंह, दिलीप कुमार, अमरेश मौर्य, प्रवीण कुमार, सुरेश सिंह, एस एस पाठक, पवन सिंह, विक्रम सिंह, भगवान सिंह, सुनील सिंह आदि ने अपने विचार व्यक्त किए।

भगवान के पास जाने की बात कह पांचवीं मंजिल से कूदकर महिला ने जान दी

हैदराबाद, 3 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। हिमायतनगर नितासी पूजा जैन अपने पति अरुण कुमार जैन के साथ रह रही थी। कुछ समय से वे आध्यात्मिक मार्ग पर चल रही थीं। दोनों हिमायतनगर अरबा हॉल के सामने एक अपार्टमेंट की पांचवीं मंजिल पर रहते थे। बताया जा रहा है कि आध्यात्मिक मार्ग पर चलने की वजह से पूजा जैन ने अपार्टमेंट की पांचवीं मंजिल से कूदकर आत्महत्या कर ली, जबकि उनके पति कार्यालय में थे। एक लिखे नोट में लिखा था, अगर तुम दान कर दोगे, तो तुम्हें ईश्वर के करीब जानने का मौका और स्वर्ग मिलेगा।

श्रीवारी मंदिर में 5 से 7 अगस्त तक पवित्रोत्सव

तिरुमला, 3 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। वार्षिक तीन दिवसीय पवित्रोत्सव 5 से 7 अगस्त तक आयोजित किया जाएगा, जिसका 4 अगस्त को अंकुरार्पण होगा। पहले दिन पवित्र प्रतिष्ठा, दूसरे दिन पवित्र समर्पण और अंतिम दिन पवित्र पूर्णाहुति का आयोजन किया जाएगा। प्रत्येक दिन देवताओं का स्नेपना तिरुमंजनम होगा। ऐसा माना जाता है कि यह उत्सव 1962 में शुरू हुआ था ताकि आगम अनुष्ठानों के माध्यम से धार्मिक कर्मचारियों, मंदिर कर्मचारियों, कर्मचारियों और यहां तक कि भक्तों द्वारा वर्ष भर जाने-अनजाने में किए गए पापों का प्रायश्चित किया जा सके।

टीटीडी ने 4 अगस्त को सहस्र दीपंकर सेवा, 5 अगस्त को अस्तदल पद पद्मराधना सेवा और 7 अगस्त को तिरुप्पावड़ा सेवा रद्द कर दी है। इसके अलावा, कल्याणोत्सव, उनजल सेवा, अर्जित ब्रह्मोत्सव और तीनों दिन सहस्र दीपंकर सेवा भी रद्द कर दी गई है।

पंप स्टोरेज का बड़े पैमाने पर उपयोग किया जाना चाहिए : डिप्टी सीएम

जेनको और ट्रांसको अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक

कोल्लापुर, 3 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क ने कहा कि जलविद्युत और पंप स्टोरेज स्रोतों से बिजली उत्पादन और बड़े पैमाने पर उपयोग की आवश्यकता है। उन्होंने बिजली अधिकारियों को राज्य भर में 23 स्थानों की पहचान करने और एक विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत करने का निर्देश दिया। उपमुख्यमंत्री ने रविवार को कोल्लापुर निर्वाचन क्षेत्र के सोमशिला में जेनको और ट्रांसको अधिकारियों के साथ एक समीक्षा बैठक की। उन्होंने जुराला से पुलीचिंतला तक कृष्णा नदी पर स्थित जलविद्युत परियोजनाओं की समीक्षा की और अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए। उन्होंने सुझाव दिया कि यदि आवश्यक हो, तो विश्व-प्रसिद्ध सलाहकारों की सेवाओं का उपयोग किया जाना चाहिए। भट्टी विक्रमार्क ने दिन में उत्पादित सौर ऊर्जा को संग्रहित करने और आवश्यक भंडारण तकनीक एवं अवसंरचना विकसित करके इसे रात में उपयोग के लिए उपलब्ध कराने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने 1978 की कांग्रेस सरकार की दूरदर्शिता की सराहना की, जिसने तोशिबा और मित्सुबिशी जैसी विश्व-प्रसिद्ध जापानी कंपनियों की मदद से उन्नत तकनीकों को प्रस्तुत किया और उस समय रिवर्स पंपिंग प्रणालियों पर गहन अध्ययन किया। भट्टी ने उस युग के नेताओं और इंजीनियरों की दूरदर्शी सोच की प्रशंसा की। उन्होंने अधिकारियों को भावी पीढ़ियों के कल्याण को ध्यान में रखते हुए पर्यावरण के अनुकूल बिजली उत्पादन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। राज्य में लगातार बढ़ती बिजली की मांग को देखते हुए, उन्होंने जेनको अधिकारियों को अगले 20 वर्षों की बिजली आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए व्यापक योजनाएं तैयार करने का निर्देश दिया। इसके अलावा, जेनको के निदेशकों और अधिकारियों को बढ़ती मांग के अनुरूप अगले 10 से 20 वर्षों में पर्याप्त बिजली उत्पादन की योजनाएं तैयार करने के निर्देश दिए गए। उपमुख्यमंत्री ने उन कर्मचारियों के प्रयासों की सराहना की जिन्होंने इस वर्ष उच्च मांग के बावजूद निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित की। उन्होंने निर्देश दिया कि सीएमडी से लेकर निचले स्तर के कर्मचारियों तक, तकनीकी क्षमताओं को विकसित करने के प्रयास किए जाने चाहिए और संबंधित तकनीकी अनुभव वाले योग्य विशेषज्ञों के मार्गदर्शन में तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के लिए एक पाठ्यक्रम तैयार किया जाना चाहिए।

उन्होंने वैकल्पिक ऊर्जा स्रोतों जैसे ग्रीन हाइड्रोजन, फ्लोटिंग सोलर, रूफटॉप सोलर, थर्मल पावर, पवन ऊर्जा, परमाणु ऊर्जा और बैटरी स्टोरेज सिस्टम के उपयोग को बढ़ाने की आवश्यकता पर बल दिया।

रामनिवास बृजगोपाल भूतड़ा परिवार (फाइनकैब) द्वारा 13 से 17 अगस्त तक पूरन फॉर्म्स, गगन पहाड़ रोड, शमशाबाद मे प्रदीप मिश्रा के मुखारविंद से आयोजित होने वाले श्री शिव महापुराण कथा के संदर्भ में विभिन्न विषयों पर चर्चा करते हुए आयोजक ब्रिजगोपाल भूतडा एवं अन्य।

निजामाबाद कांग्रेस पार्टी का एक मजबूत गढ़ है : टीपीसीसी प्रमुख

हैदराबाद, 3 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। टीपीसीसी प्रमुख महेश कुमार गौड़ ने रविवार को कहा कि निजामाबाद ज़िला सत्तारूढ़ कांग्रेस पार्टी का एक मजबूत गढ़ है और पार्टी की जीत सुनिश्चित करने की ज़िम्मेदारी ज़िले के पार्टी नेताओं के कंधों पर है। उन्होंने स्पष्ट किया कि पार्टी के लिए अपना सब कुछ कुर्बान करने वाले सभी नेताओं को पार्टी आलाकमान पुरस्कृत करेगा और उन्होंने नए नेताओं की नियुक्ति पूरी तरह से जांच-पड़ताल के बाद की है। उन्होंने कहा कि पार्टी में पुराने और नए नेताओं का मेल होना चाहिए और उन्होंने पीसीसी की राज्य कार्यकारिणी में 15 प्रतिशत नए नेताओं को मौका दिया है। ये नए नेता कोई और नहीं, बल्कि वे लोग हैं जो अतीत में पार्टी छोड़कर वापस आए हैं। उन्होंने कहा कि पार्टी नेता राहुल गांधी ने राज्य में पार्टी की प्रस्तावित पदयात्रा को अपनी मंज़ूरी दे दी है। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के साथ अपने भाईचारे के रिश्ते का ज़िक्र करते हुए, महेश ने कहा कि मुख्यमंत्री, उपमुख्यमंत्री और राज्य के मंत्री राज्य के विकास के लिए एक टीम की तरह काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि पार्टी की पदयात्रा पार्टी को राज्य की जनता के और करीब ले जाएगी।

माँ की ममता में समाया है धरती का स्वर्ग

तेलंगाना के राज्यपाल जिष्णु देव वर्मा ने गुरुजनों से लिया आशीर्वाद

हैदराबाद, 3 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। राष्ट्र-संत चन्द्रप्रभ जी ने माँ की ममता व खुद के जीवन से जुड़े जीवंत घटना प्रसंगों का जिक्र किया तो हर सत्संगप्रेमी रो पड़े। वे नामपल्ली के एग्जिबिशन ग्राउंड में आयोजित सोचो अगर मां न होती विषय पर प्रवचन दे रहे थे। राष्ट्र-संत ने कहा कि माँ का रिश्ता जीवन में सबसे पहले होता है क्योंकि जन्म से नौ महीने पहले शुरू हो जाता है। माँ बिना जीवन वैसे ही सूना है जैसे बिना माली का बगीचा और बिना मांझी की नाव। उन्होंने कहा कि माँ के एक शब्द में पूरी दुनिया के शब्द समाहित हैं।

स्वर्ग भले ही आसमान में होगा, पर उसका सुकून तो माँ के चरणों में ही समाया है। उन्होंने कहा कि माँ से बढ़कर न तो कोई मजहब है न कोई शास्त्र दुनिया में ईश्वर तुल्य अगर कोई है तो माँ-बाप हैं।

संतश्री ने कहा कि हमें गर्व है कि हम उस माता-पिता की संतान हैं जिन्होंने संन्यास धारण किया और हम वो संतानें हैं जिन्होंने माता-पिता की सेवा के लिए संन्यास लिया। माँ की ममता गाते हुए संतप्रवर ने कहा कि आत्मा हो या महात्मा, अथवा परमात्मा सबके अंत में माँ तो है ही। माँ की महिमा के अंत में भी माँ ही है। माँ की किससे उपमा करोगे क्योंकि उपमा में भी माँ ही है। भगवान को बाद में पूज लेना, पहले माँ की पूजा कर लो क्योंकि भगवान को जन्म देती है माँ। जो व्यक्ति अपने माँ की सुखमय जीवन की व्यवस्था नहीं कर पाता वो किसी देवी के मंदिर में जाकर उसे चूंदड़ी ओढा दे ऐसे किसी भी व्यक्ति से दुनिया की कोई देवी-माँ खुश नहीं होती। राष्ट्र-संत ने कहा कि दुनिया में तीर्थंकर हो या पैगम्बर, अवतार हो या सिकंदर ऐसा कोई नहीं जो माँ के दूध का कर्जदार न हो। उन्होंने कहा कि जो व्यक्ति इनके सामने घुटने टिकाकर प्रणाम कर लेता है, उसे किसी के सामने घुटने नहीं टिकाने पड़ते।

हम कहीं भी दान दें तो हमें अपना नाम लिखाने की बजाय सम्मान पूर्वक अपने माता-पिता का नाम लिखाना चाहिए। किसी व्यक्ति की भाग्यदशा प्रतिकूल हो तो नौ माह तक श्रद्धापूर्वक अपने माता-पिता को प्रणाम करे ले तो उसके जीवन में चमत्कार हो जाएगा और भाग्यदशा अनुकूल हो जाएगी। इससे पूर्व डॉ. मुनि शांति प्रिय सागर महाराज ने नवकार महामंत्र का सामूहिक संगान करवाया। इस अवसर पर साध्वी श्री सुलोचना जी महाराज के साध्वी मंडल और साध्वी श्री कनक प्रभा जी महाराज आदि साध्वी मंडल ने सभा को आशीर्वाद दिया।

अंतरराज्यीय घोड़ा सट्टेबाजी रैकेट में चार गिरफ्तार

हैदराबाद, 3 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। राचकोंडा पुलिस ने रविवार को अंतरराज्यीय घोड़ा सट्टा रैकेट चलाने के आरोप में चार लोगों को गिरफ्तार किया। पुलिस ने 2 लाख रुपये नकद जब्त किए और 2.47 लाख रुपये की राशि वाले एक बैंक खाते को फ्रीज कर दिया। गिरफ्तार किए गए लोगों में ठकला नागेश (45), बर्रा वेंकैया चौधरी (45), चल्ला रमेश बाबू (48) और डी सुनील (55) शामिल हैं। दो अन्य एम राजेश कुमार और वेंकट चौधरी फरार हैं।

पुलिस के अनुसार, आंध्र प्रदेश का मूल निवासी नागेश, वेंकट और राजेश की मदद से घोड़ों पर सट्टा लगवा रहा था। डीसीपी (मलकाजगिरी) ए रमना रेड्डी ने कहा, नागेश ने एक व्हाट्सएप ग्रुप 'शाइनवेल एंटरप्राइजेज' बनाया और सट्टेबाजी में भाग लेने वाले 105 लोगों को इसमें जोड़ा।

दुर्व्यवहार की शिकार तेलंगाना की महिला को बचाने के लिए आगे आए केटीआर

हैदराबाद, 3 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामाराव ने एक बार फिर अपनी मानवीय प्रतिबद्धता का परिचय देते हुए ओमान में दुर्व्यवहार का शिकार हुई 28 वर्षीय तेलंगाना की एक महिला को बचाया। वह रविवार को सुरक्षित भारत पहुंच गई। गोदावरीखानी की रहने वाली आफरीन एक एजेंट के आश्वासन पर ओमान में नौकरी के लिए गई थी। घरेलू सहायिका के रूप में काम करते हुए, उसे अपने नियोक्ता द्वारा गंभीर उत्पीड़न का सामना करना पड़ा, जिसने उसे घर में बंद कर दिया, खाना नहीं दिया और लगातार शारीरिक और मानसिक शोषण किया। भागने की उसकी कोशिशें नाकाम रहीं और कई लोगों से मदद मांगने पर भी कोई मदद नहीं मिली।

एक बीआरएस कार्यकर्ता के ज़रिए उसकी तकलीफ़ के बारे में जानने के बाद, रामा राव ने तुरंत कार्रवाई की और रामागुंडम से पार्टी नेता हरीश रेड्डी को हस्तक्षेप करने का निर्देश दिया। जल्द ही बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष के कार्यालय ने ओमान स्थित भारतीय दूतावास से संपर्क किया। उसकी रिहाई सुनिश्चित करने के लिए, एक स्थानीय एजेंट को 1.2 लाख रुपये दिए गए और उसे सुरक्षित हैदराबाद वापस लाया गया। रविवार को अफरीन तेलंगाना भवन पहुंचीं और रामा राव का व्यक्तिगत रूप से धन्यवाद किया। भावुक होकर उन्होंने उनकी कलाई पर राखी बांधी और उन्हें अपना रक्षक बड़ा भाई बताया। बदले में, उन्होंने निरंतर सहयोग का आश्वासन दिया और बचाव अभियान की देखरेख में हरीश रेड्डी के प्रयासों की सराहना की।

नशे में गाड़ी चलाने के लिए 527 लोगों पर मामला दर्ज

हैदराबाद, 3 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। साइबराबाद पुलिस ने नशे में गाड़ी चलाने के विशेष अभियान के दौरान 527 लोगों को पकड़ा और उनके खिलाफ मामले दर्ज किए। पकड़े गए लोगों में दो पहिया वाहन- 404, तीन पहिया वाहन- 24, चार पहिया वाहन- 93 और भारी वाहन- 6 शामिल हैं। केपीएचबी ट्रैफिक पुलिस ने सबसे अधिक 64 लोगों को पकड़ा, इसके बाद शमशाबाद और मियापुर में 50-50 लोगों को, चेवेल्ला में 44 और गाच्चीबावली में 39 लोगों को पकड़ा गया। कुल 24 लोगों में बीएसी का स्तर 301 मिलीग्राम/100 मिलीलीटर से लेकर 500 मिलीग्राम/100 मिलीलीटर तक था।c

जो कहते हो, वही करो : केटीआर ने दलबदल विरोधी कानून पर राहुल गांधी को दी चुनौती

हैदराबाद, 3 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामाराव ने रविवार को कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर भारत की चुनाव प्रणाली और संविधान पर दिए गए उनके बयान को लेकर तीखा हमला बोला। उन्होंने कांग्रेस नेता से पूछा कि क्या वह अपने उपदेशों पर अमल करने और बीआरएस के 10 बागी विधायकों को इस्तीफा देकर नया जनादेश हासिल करने के लिए तैयार हैं। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष ने इस बात का उपहास किया कि राहुल गांधी संविधान की प्रति लहराते हुए घोषणा करते हैं कि भारत की चुनाव प्रणाली मृत हो चुकी है, जबकि तेलंगाना में कांग्रेस सरकार दलबदल को प्रोत्साहित करती है।

उन्होंने कहा, विडंबना लाखों बार मरती है। उनकी नाक के नीचे, उनकी ही पार्टी के सहयोगी और मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने बीआरएस के 10 विधायकों को अपने पाले में कर लिया। रामाराव ने याद दिलाया कि सुप्रीम कोर्ट की फटकार के बाद भी, कांग्रेस पार्टी ने अयोग्यता याचिकाओं पर कार्रवाई करने से इनकार कर दिया था।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस के घोषणापत्र में दलबदल विरोधी कड़े कानून का दावा तो किया गया है, लेकिन तेलंगाना में वह इसके ठीक उलट काम कर रही है। उन्होंने कहा, अगर कांग्रेस वास्तव में संवैधानिक मूल्यों और चुनावी लोकतंत्र में विश्वास करती है, तो उन 10 विधायकों को इस्तीफा दे देना चाहिए और नया जनादेश मांगना चाहिए।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

एशिया कप, भारत-पाकिस्तान 14 सितंबर को दुबई में खेलेंगे

फाइनल समेत सुपर-4 के एक मैच को छोड़कर सभी मैच यहीं होंगे; टूर्नामेंट 9 सितंबर से

दुबई, 3 अगस्त (एजेंसियां)। एशियन क्रिकेट काउंसिल ने एशिया कप 2025 के लिए सभी वेन्यू का ऐलान कर दिया है। 9 सितंबर से यूएई में एशिया कप का आगाज होने वाला है। दुबई और अबू धाबी में एशिया कप के सभी मुकाबले खेले जाएंगे। बता दें कि भारत और पाकिस्तान का महामुकाबला दुबई इंटरनेशनल स्टेडियम में 14 सितंबर को खेला जाएगा। टूर्नामेंट में भारत और पाकिस्तान की टीमें एक ही ग्रुप में हैं। ऐसे में रविवार (21 सितंबर) को सुपर 4 मैच में फिर से उनके आमने-सामने होने की उम्मीद है।

आपको बता दें कि अबू धाबी 11 मैचों की मेजबानी करेगा जबकि शेष 8 मैच दुबई में खेले जाएंगे जिसमें 28 सितंबर को होने वाला फाइनल भी शामिल है। एशिया कप के इस सीजन में कुल 19 मैच खेले जाएंगे जिनमें 8 टीमें हिस्सा लेंगी। भारत और पाकिस्तान को ग्रुप ए में यूएई और ओमान के साथ रखा गया है, जबकि श्रीलंका, बांग्लादेश, अफगानिस्तान और हांगकांग को ग्रुप बी में रखा गया है। ग्रुप चरणों में टीमें एक-दूसरे से एक-एक बार भिड़ेंगी और प्रत्येक ग्रुप से शीर्ष दो टीमें सुपर 4 में पहुंचेंगी जहां वे एक बार फिर एक-दूसरे से भिड़ेंगी।

भारत के अभियान की शुरुआत 10 सितंबर को यूएई के खिलाफ

टीम इंडिया एशिया कप में अपने अभियान की शुरुआत 10 सितंबर को यूएई के खिलाफ करेगा। एशिया कप के लिए आयोजन स्थल का फैसला 24 जुलाई को एसीसी की बैठक में किया गया था। बैठक में सभी 25 सदस्य देशों ने भाग लिया था।

बीसीसीआई कर रही है एशिया कप की मेजबानी

इस बार बीसीसीआई इस टूर्नामेंट का मेजबान है। टूर्नामेंट का आयोजन संयुक्त अरब अमीरात में इसलिए हो रहा है, क्योंकि भारत और पाकिस्तान के बीच मौजूदा तनाव के कारण दोनों देशों ने 2027 तक केवल तटस्थ स्थानों पर ही मैच खेलने पर आपसी सहमति जताई है। इसी के तहत इसी साल मार्च में चैंपियंस ट्रॉफी का मेजबान पाकिस्तान था, पर भारत ने सारे मुकाबले दुबई में खेले थे और चैंपियनशिप अपने नाम की थी।

एशिया कप का शेड्यूल

9 सितंबर- अफगानिस्तान - हॉन्ग कॉन्ग, अबू धाबी
10 सितंबर- भारत - यूएई, दुबई
11 सितंबर- बांग्लादेश - हॉन्ग कॉन्ग, अबू धाबी
12 सितंबर- पाकिस्तान - ओमान, दुबई
13 सितंबर- बांग्लादेश - श्रीलंका, अबू धाबी
14 सितंबर- भारत - पाकिस्तान, दुबई
15 सितंबर- यूएई - ओमान, अबू धाबी
15 सितंबर- श्रीलंका - हॉन्ग कॉन्ग, दुबई
16 सितंबर- बांग्लादेश - अफगानिस्तान, अबू धाबी
17 सितंबर- पाकिस्तान - यूएई, दुबई
18 सितंबर- श्रीलंका - अफगानिस्तान, अबू धाबी
19 सितंबर- भारत - ओमान, अबू धाबी
20 सितंबर- बी1 - बी2, दुबई
21 सितंबर- ए1 - ए2, दुबई
23 सितंबर ए2 - बी1, अबू धाबी
24 सितंबर- ए1 - बी2, दुबई
25 सितंबर- ए2 - बी2, दुबई
26 सितंबर- ए1 - बी1, दुबई
28 सितंबर- फाइन, दुबई

साइना नेहवाल का यू-टर्न, तलाक नहीं लेंगीं?

पारुपल्ली कश्यप से अलग होने का किया था ऐलान

नई दिल्ली, 3 अगस्त (एजेंसियां)। स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी साइना नेहवाल बीते दिनों अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर एकाएक चर्चाओं में आ गई थीं, जब उन्होंने अपने पति पारुपल्ली कश्यप से अलग होने का ऐलान किया। उनके इस फैसले ने हर किसी को चौंकाकर रख दिया। हालांकि अब साइना और पारुपल्ली फिर शादी को दूसरा मौका देने जा रहे हैं।

'कभी-कभी दूरी आपको...'

जी हां, साइना नेहवाल ने सोशल मीडिया के जरिए अपने इस फैसले के बारे में फैंस को जानकारी दी। बैडमिंटन प्लेयर ने पारुपल्ली कश्यप संग अपनी एक फोटो शेयर की और लिखा, ₹कभी-कभी दूरी आपको मौजूदगी का महत्व सिखाती है। लीजिए, हम फिर से कोशिश कर रहे हैं।₹

13 जुलाई को पोस्ट कर दी थी अलग होने की जानकारी

इससे पहले 13 जुलाई को साइना नेहवाल ने एक पोस्ट के जरिए अपने और पारुपल्ली कश्यप से अलग होने की जानकारी दी थी। उन्होंने लिखा था, ₹जिंदगी कभी-कभी हमें अलग-अलग दिशाओं में ले जाती है। बहुत सोच-विचार के बाद कश्यप परुपल्ली और मैंने अलग होने का फैसला किया है। हम अपने और एक-दूसरे के लिए शांति, तरक्की और राहत चुन रहे हैं। मैं उन यादों के लिए आभारी हूं और आगे के लिए शुभकामनाएं देती हूं। इस दौरान हमारी निजता को समझने और उसका सम्मान करने के लिए धन्यवाद।₹

शादी से पहले लंबे समय तक किया था डेट

हालांकि दोनों अब अपनी शादी को एक और मौका देने जा रहे हैं। लंबे वक्त तक एक-दूसरे को डेट करने के बाद साइना और परुपल्ली साल 2018 को शादी के बंधन में बंधे थे। दोनों ही बैडमिंटन के बड़े खिलाड़ी रहे हैं। बताया जाता है कि दोनों ने हैदराबाद में पुलेला गोपीचंद बैडमिंटन एकेडमी में ट्रेनिंग ली और एक साथ ही इस खेल में आगे बढ़े।

रिपोर्ट्स के मुताबिक साइना और पारुपल्ली साल 1997 से एक-दूसरे को जानते थे। 2004 में जब गोपीचंद ने हैदराबाद में अपनी बैडमिंटन एकेडमी स्थापित की, तो दोनों उनके अंडर ट्रेनिंग लेने चले गए। यहीं से उनकी नजदीकियां बढ़ीं। पहले दोस्ती हुई जो बाद में प्यार में बदल गई। साल 2018 में शादी होने तक इनके रिलेशनशिप की किसी को भनक तक नहीं थी।

साउथ अफ्रीका चैंपियंस ने डब्ल्यूसीएल का खिताब जीता

फाइनल में पाकिस्तान चैंपियंस को 9 विकेट से हराया, एबी डिविलियर्स ने नाबाद 120 रन बनाए

लंदन, 3 अगस्त (एजेंसियां)। वर्ल्ड चैंपियनशिप ऑफ़ लीजेंड्स के फाइनल में पाकिस्तान चैंपियंस ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 195 रन बनाए. ये बड़ा लक्ष्य भी एबी डिविलियर्स की तूफानी पारी के आगे बौना सा लगा, साउथ अफ्रीका ने 16.5 ओवरों में इसे हासिल कर 9 विकेट से बड़ी जीत दर्ज की. डिविलियर्स को फाइनल और डब्ल्यूसीएल 2025 टूर्नामेंट का सर्वश्रेष्ठ प्लेयर चुना गया.

पाकिस्तान ने दिया था 196 का लक्ष्य

मोहम्मद हफीज ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया था. सलामी बल्लेबाज शरजील खान ने 44 गेंदों में 76 रनों की ताबड़तोड़ पारी खेली थी, इसमें उन्होंने 4 छक्के और 9 चौके लगाए थे. उम्र अमीन ने अंत में 19 गेंदों में 3 छक्के और इतने ही चौके लगाकर नाबाद 36 रन बनाए. आसिफ अली ने 15 गेंदों में 28 रन बनाए. पाकिस्तान चैंपियंस ने 20 ओवरों में 195 रन बनाए.

एबी डिविलियर्स ने पाकिस्तानी गेंदबाजों को जमकर धोया

लक्ष्य का पीछा करते हुए हाशिम आमला और एबी डिविलियर्स ने पहले विकेट के लिए 6 ओवरों में 72 रन बनाए. आमला 14 गेंदों में 18 रन बनाकर साइड अजमल की गेंद पर कैच आउट हुए. डिविलियर्स ने विस्फोटक अंदाज में पारी का आगाज किया और इसे पहले विकेट गिर जाने के बाद भी जारी रखा.

डिविलियर्स ने शतकीय पारी खेली. उन्होंने 60 गेंदों में 200 की स्ट्राइक रेट से नाबाद 120 रन बनाए, इस पारी में उन्होंने 7 छक्के और 12 चौके जड़े. सोहैल तनवीर ने 2 ओवर डाले, जिसमें उन्होंने 16 की इकॉनमी से 32 रन दिए. इमाद वसीम ने 2 ओवरों में 38 रन खर्चे. इम्पैक्ट प्लेयर बनकर आए वहाब रियाज ने 3 ओवरों में 33 रन दिए. कुल मिलाकर डिविलियर्स ने पाकिस्तान के हर मुख्य गेंदबाज की पिटाई की.

साउथ अफ्रीका ने जीता डब्ल्यूसीएल 2025 का खिताब

जीन पॉल डुमनी ने भी 28 गेंदों में 50 रनों की महत्वपूर्ण पारी खेली, इसमें उन्होंने 2 छक्के और 4 चौके जड़े. साउथ अफ्रीका ने 19 गेंद शेष रहते 9 विकेट से मुकाबले को जीत लिया. डिविलियर्स की पत्नी इसके बाद ग्राउंड पर आईं, वह बहुत खुश थे.

एबी डिविलियर्स ने डब्ल्यूसीएल में लगाया तीसरा शतक

डिविलियर्स को मैच और वर्ल्ड चैंपियनशिप ऑफ़ लीजेंड्स 2025 का सर्वश्रेष्ठ प्लेयर चुना गया. ये डिविलियर्स का इस संस्करण का तीसरा शतक था, इससे पहले उन्होंने इंग्लैंड (116) और ऑस्ट्रेलिया (123) के खिलाफ सेंचुरी लगाई थी. इंडिया चैंपियंस के खिलाफ भी उन्होंने नाबाद 61 रन बनाए थे. इस टूर्नामेंट के दौरान उनका एक बयान काफी वायरल हुआ था, जिसमें वह बोल रहे थे कि कौन कहता है कि मैं इंडियन नहीं हूं. वह भारत में सबसे ज्यादा पसंद किए जाने वाले विदेशी प्लेयर्स में से एक हैं.

फीफा ने भारत में शुरू की प्रतिभाओं की खोज

हैदराबाद में युवाओं के लिए अकादमी शुरू की

हैदराबाद, 3 अगस्त (एजेंसियां)। फीफा (फुटबॉल की वैश्विक संचालक संस्था) ने भारत के उभरते हुए प्रतिभाशाली फुटबॉल खिलाड़ियों को उत्कृष्ट प्रशिक्षण प्रदान करने के मकसद से अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) के सहयोग से देश में युवाओं के लिए अपनी पहली प्रतिभा अकादमी की शुरुआत की। फीफा ने इस अकादमी के लिए एआईएफएफ और तेलंगाना सरकार के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया है। यह फुटबॉल के 'समावेशी और जमीनी स्तर के विकास के लिए भारत की प्रतिबद्धता को सुदृढ़ करेगा'।

एआईएफएफ की एक विज्ञप्ति के अनुसार, यह अकादमी यहां गाचीबावली स्टेडियम परिसर में स्थित होगी और 60 उत्कृष्ट खिलाड़ियों (अंडर 14 वर्ग के 30 लड़के और अंडर 16 वर्ग की 30 लड़कियां) को आवासीय सुविधाओं, शिक्षा, चिकित्सा देखभाल, पोषण और मानसिक स्वास्थ्य के साथ साल भर उच्च प्रदर्शन प्रशिक्षण प्रदान करेगी, जिसमें प्रत्येक वर्ग में तेलंगाना के 10 खिलाड़ी शामिल होंगे। एआईएफएफ अध्यक्ष कल्याण चौबे ने इस शुरुआत को भारत में इस खेल के लिए के लिए एक 'निर्णायक क्षण' करार दिया।

चौबे ने कहा, 'लड़कियों के लिए भारत की पहली और लड़कों के लिए दूसरी फीफा कौशल अकादमी का शुभारंभ, समान फुटबॉल विकास की दिशा में हमारी यात्रा में एक निर्णायक क्षण है। तेलंगाना सरकार के साथ फीफा की वैश्विक प्रतिभा विकास योजना के तहत यह सहयोग, पूरे देश से युवा प्रतिभाओं (खासकर लड़कियों) को पहचानने, पोषित करने और सशक्त बनाने के हमारे सामूहिक संकल्प को दर्शाता है।'

उन्होंने कहा कि यह अकादमी देश को अंडर-17 पुरुष और महिला फीफा विश्व कप के लिए क्वालीफाई करने के सपने को साकार करने में मदद करेगी। एआईएफएफ फीफा के साथ समन्वय में संचालन, तकनीकी ढांचा, देश भर में प्रतिभा की खोज और प्रशिक्षण पाठ्यक्रम का नेतृत्व करेगा, जबकि तेलंगाना सरकार का खेल प्राधिकरण खिलाड़ियों के बुनियादी ढांचे, रसद, शिक्षा, वित्तीय और कल्याणकारी सहायता की देखरेख करेगी।

कजाकिस्तान में श्रीशंकर का लंबी कूद में जलवा

नई दिल्ली, 3 अगस्त (एजेंसियां)। लंबी कूद के अनुभवी भारतीय खिलाड़ी मुरली श्रीशंकर ने लंबी चोट से वापसी करते हुए कजाकिस्तान के अल्माटी में कोसानोव मेमोरियल एथलेटिक्स मीट में शीर्ष स्थान के साथ लगातार तीसरी प्रतियोगिता में खिताब पर कब्जा कर लिया। इस 26 साल के खिलाड़ी ने विश्व एथलेटिक्स कॉन्टिनेंटल टूर कांस्य स्तर (श्रेणी सी) मीट में अपने पहले प्रयास में 7.94 मीटर की छलांग के साथ खिताब पक्का किया।

उनके अन्य प्रयास 7.73 मीटर, 7.58 मीटर, 7.57 मीटर, 7.80 मीटर और 7.79 मीटर थे। उनका व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ 8.41 मीटर है। यह घुटने की चोट से वापसी के बाद श्रीशंकर की तीसरी प्रतियोगिता थी। उन्हें यह चोट पिछले साल अप्रैल में लगी थी। उन्होंने इसकी सर्जरी करवाई थी जिसके बाद पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालीफाई करने के बावजूद वह भाग नहीं ले पाए थे।

तूर ने इंडियन ग्रांप्री में गोला फेंक स्पर्धा जीती

तूर सीनियर राष्ट्रीय चैंपियनशिप के लिए तैयार

एशियाई खेलों के दो बार के स्वर्ण पदक विजेता गोला फेंक एथलीट तजिंदरपाल सिंह तूर ने इंडियन ग्रां प्री के तीसरे चरण में शीर्ष स्थान हासिल किया। इससे दिखता है कि वह इस महीने के अंत में चेन्नई में होने वाली अंतर-राज्यीय सीनियर राष्ट्रीय चैंपियनशिप के लिए तैयार हैं। 30 वर्षीय तूर ने गुरु नानक स्टेडियम में 18.93 मीटर की दूरी तक 'आयरन बॉल' फेंकी। इससे वह 20-24 अगस्त तक चलने वाली चेन्नई प्रतियोगिता के लिए अच्छी फॉर्म में दिखे। यह सितंबर में होने वाली तोक्यो विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप के लिए अंतिम क्वालीफिकेशन प्रतियोगिता होगी।

तमिलनाडु की हांग्झोउ एशियाई खेलों की पदक विजेता विथ्या रामराज ने महिलाओं की 400 मीटर बाधा दौड़ का खिताब जीता जबकि महाराष्ट्र के सर्वेश अनिल कुशारे ने पुरुषों की ऊंची कूद में आसानी से जीत हासिल की। राजस्थान के उभरते हुए भाला फेंक एथलीट यशवीर सिंह ने 77.79 मीटर के प्रयास के साथ पहला स्थान हासिल किया।

पीसीबी का बड़ा फैसला, अब डब्ल्यूसीएल में नहीं खेलेगा पाकिस्तान

भारत के न खेलने पर लगाया पूरी तरह से बैन; साउथ अफ्रीका चैंपियन बना

इस्लामाबाद, 3 अगस्त (एजेंसियां)। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड इस समय सदमे में है। उसे चारों तरफ से सिर्फ मुंह की खानी पड़ रही है और इसकी वजह भारत है। पहलगाम हमले के बाद पाकिस्तान के खिलाफ पूरे विश्व में माहौल बना है और इसका हर कदम पर उसे खामियाजा उठाना पड़ रहा है। इसी बात से झल्ला के पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने एक बड़ा फैसला किया है और एक टूर्नामेंट को पूरी तरह से बैन कर दिया है। पीसीबी के चेयरमैन मोहसिन नकवी ने ये फैसला किया है और कहा है कि आने वाले दिनों में पाकिस्तान की टीम या खिलाड़ी इस टूर्नामेंट में हिस्सा नहीं लेंगे। नकवी ने इसी के साथ टूर्नामेंट के आयोजकों को भी जमकर खरी खोटी सुनाई है। ये टूर्नामेंट है वर्ल्ड चैंपियंस लीग जिसके फाइनल में पाकिस्तान चैंपियंस टीम को साउथ अफ्रीका चैंपियंस के हाथों फाइनल में हार का सामना करना पड़ा है। इस टूर्नामेंट में इंडिया चैंपियंस नाम की टीम ने हिस्सा लिया था और दो बार ऐसा मौका आया है कि इंडिया चैंपियंस का सामना पाकिस्तान चैंपियंस से होना था और दोनों ही बार भारतीय खिलाड़ियों ने पाकिस्तान के खिलाफ खेलने से मना कर दिया। इस टूर्नामेंट में क्रिकेट को अलविदा कहने वाले खिलाड़ी खेलते हैं। इंडिया चैंपियंस की तरफ से खेलने वाले शिखर धवन, युवराज सिंह, सुरेश रैना, इरफान पठान और युसूफ पठान ने पाकिस्तान के खिलाफ खेलने से मना किया था। फिर दोनों टीमें सेमीफाइनल में आ गई थीं और फिर एक बार इंडिया चैंपियंस ने मुकाबला से नाम वापस ले लिया। इस कारण पाकिस्तान की टीम सेमीफाइनल में पहुंची, लेकिन खिताब जीतने में महरूम रह गई। इस बात से नाराज होकर पसीबी ने इस टूर्नामेंट में हिस्सा लेने पर बैन लगा दिया गया है। नकवी ने बोर्ड की मीटिंग में इस बात का एलान किया। दरअसल, पाकिस्तान को ये बात चुभ गई कि जब ग्रुप स्टेज में इंडिया चैंपियंस ने खेलने से मना किया था तो फिर बराबर अंक क्यों दिए गए।

बयान में कहा गया है, पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ये एलान करता है कि वह वर्ल्ड चैंपियंस ऑफ लीजेंड में हिस्सा लेने पर पूर्ण प्रतिबंध लगाता है। पीसीबी ने अपनी 79वीं बीओजी मीटिंग में चेयरमैन मोहसिन नकवी की अध्यक्षता में ये फैसला किया है। नकवी ने ये फैसला डब्ल्यूसीएल के आयोजन और उनके द्वारा जारी की गई प्रेस रिलीज को देखने के बाद लिया है।

विक्टोरिया एमबोको ने कोको गॉफ को हराकर किया उलटफेर

मांट्रियल, 3 अगस्त (एजेंसियां)। कनाडा की युवा खिलाड़ी विक्टोरिया एमबोको ने शीर्ष वरीय कोको गॉफ को हराकर उलटफेर करते हुए नेशनल बैंक ओपन टेनिस टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। दुनिया की 85वें नंबर की खिलाड़ी और 18 वर्षीय एमबोको ने एक घंटा और 22 मिनट में गॉफ को 6-1 6-4 से हराया।

फ्रेंच ओपन जीतने के बाद से गॉफ की पांच मैच में यह तीसरी हार है। फ्रेंच ओपन का खिताब जीतने के बाद उन्हें बर्लिन और विंबलडन में पहले दौर में हार का सामना करना पड़ा। मुकाबले में गॉफ ने पांच डबल फॉल्ट किए। उन्होंने पहले मैच में डेनियली कोलिन्स के खिलाफ 23 और वेरोनिका कुदरमेतोवा के खिलाफ 14 डबल फॉल्ट किए थे।

मई में गॉफ ने रोम में एमकोबो के खिलाफ पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए 3-6 6-2 6-1 से जीत दर्ज की थी। अन्य मुकाबलों में 24वीं वरीय यूक्रेन की मार्ता कोस्तयुक ने अमेरिका की मैकार्टनी केसलर को 5-7 6-3 6-3, जबकि कजाखस्तान की नौंवी वरीय एलेना रिबाकिना ने यूक्रेन की डायना यास्त्रेमस्का को 5-7 6-2 7-5 से हराया। क्वार्टर फाइनल में कोस्तयुक और यास्त्रेमस्का आमने-सामने होंगी।

पोपिरिन नेशनल बैंक ओपन के क्वार्टर फाइनल में

ऑस्ट्रेलिया के गत चैंपियन एलेक्सी पोपिरिन ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए तीन सेट तक चले मुकाबले में जीत दर्ज करके नेशनल बैंक ओपन टेनिस टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। अमेरिकी ओपन की तैयारी के सिलसिले में महत्वपूर्ण इस प्रतियोगिता में 18वीं वरीयता प्राप्त पोपिरिन ने डेनमार्क के पांचवीं वरीयता प्राप्त होल्गर रूण को 4-6, 6-2, 6-3 से हराया।

अमेरिका के एलेक्स मिशेलसन भी क्वार्टर फाइनल में पहुंच गए हैं। उन्होंने हमवतन लर्नर टिएन को 6-3, 6-3 से हराया। मिशेलसन का अगला मुकाबला रूस के 11वीं वरीयता प्राप्त कारेन खाचानोव से होगा, जिन्होंने नॉर्वे के आठवीं वरीयता प्राप्त कैस्पर रूड को 6-4, 7-5 से पराजित किया।

वेस्टइंडीज ने दूसरा टी-20 जीता: पाकिस्तान को 2 विकेट से हराया

लॉडरहिल, 3 अगस्त (एजेंसियां)। जेसन होल्डर और गुडाकेश मोती के शानदार ऑलराउंड प्रदर्शन की बदौलत वेस्टइंडीज ने टी20 में अपनी लगातार छह हार का सिलसिला तोड़ते हुए तीन मैचों की सीरीज के दूसरे टी20 मैच में पाकिस्तान को तीन विकेट से हराकर सीरीज 1-1 से बराबर कर ली। अब दोनों टीमें सोमवार को सीरीज के आखिरी टी20 मैच में आमने-सामने होंगी। जेसन होल्डर ने चार विकेट लिए और फिर मैच की आखिरी गेंद पर चौका जड़कर वेस्टइंडीज को पाकिस्तान पर दो विकेट से रोमांचक जीत दिलाई।

इससे पहले, पाकिस्तान के कप्तान सलमान आगा ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। हालांकि, उनका यह फैसला उल्टा पड़ गया जब जेसन होल्डर ने दूसरे ओवर की आखिरी गेंद पर सईम अयूब (7) को विकेट के पीछे कैच करा दिया और अगले ही ओवर में उनके सलामी जोड़ीदार साहिबजादा फरहान (7) को भी आउट कर पाकिस्तान का स्कोर 16/2 कर दिया। फरहान का विकेट होल्डर का 79वां टी20 विकेट भी था, जिससे वह वेस्टइंडीज के लिए टी20ई में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज बन गए हैं, और ड्वेन ब्रावो के 78 विकेटों के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया है। अकील होसेन ने फिर मोहम्मद हारिस (4) को आउट करके वेस्टइंडीज की बोलिंग को आगे बढ़ाया, जेसन होल्डर ने मिड-विकेट पर उनका शानदार कैच लपका और होसेन को विकेट लेने में मदद की। फखर जमान (20) ने फिर पाकिस्तान को वापसी दिलाने की कोशिश की, लेकिन रोस्टन चेज की गेंद पर अपना विकेट गंवा बैठे और मेहमान टीम का स्कोर 53/4 हो गया। हालांकि, कप्तान सलमान आगा और हसन नवाज (40) ने पांचवें विकेट के लिए तेजी से 60 रन जोड़े, लेकिन जब पाकिस्तान अच्छे स्कोर की ओर अग्रसर था, होल्डर ने अपने वापसी वाले स्पेल में नवाज को आउट कर वेस्टइंडीज को वापसी दिलाई। इसके बाद गुडाकेश मोती ने होल्डर का साथ दिया और अगले ही ओवर में लगातार दो गेंदों पर सलमान आगा (38) और फहीम अशरफ (0) को आउट कर पाकिस्तान का स्कोर 7 विकेट पर 117 रन कर दिया। मोहम्मद नवाज (2) आउट होने वाले अगले बल्लेबाज थे और जेसन होल्डर ने फिर से विकेट लिया। हसन अली (8) ने आखिरी ओवर में जोसेफ की गेंद पर अपना विकेट गंवा दिया। 20 ओवर के बाद पाकिस्तान का स्कोर 9 विकेट पर 133 रन था। वेस्टइंडीज को शुरुआती मुश्किलों का सामना करना पड़ा, जब पावरप्ले में मोहम्मद नवाज के हाथों दोनों सलामी बल्लेबाज आउट हो गए। सईम अयूब ने दो विकेट लिए, जिसमें रोस्टन चेज का अहम विकेट भी शामिल था, जबकि नवाज ने विंडीज के कप्तान शाई होप को भी आउट किया। गुडाकेश मोती के तेज 28 रनों और रोमारियो शेफर्ड (15) और जेसन होल्डर (16*) की मजबूत पारियों के चलते वेस्टइंडीज ने पाकिस्तान पर दो विकेट से रोमांचक जीत हासिल कर सीरीज 1-1 से बराबर कर दी।

पानी की एक भी बूंद नहीं छोड़ी जाएगी : भट्टी

खम्मम, 3 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क ने स्पष्ट किया कि तेलंगाना के अधिकार क्षेत्र वाले सिंचाई जल की एक भी बूंद नहीं छोड़ी जाएगी और राज्य हित राजनीति से ज़्यादा महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने कहा कि बनकाचेरला मुद्दे का दोष पूरी तरह से बीआरएस पर है और आंध्र प्रदेश सरकार की साजिशों और छल-कपट का डटकर मुकाबला किया जाएगा।

भट्टी विक्रमार्क ने रविवार को खम्मम ज़िले के मुदिगोंडा मंडल के कमलापुरम गांव में तेलंगाना राज्य भंडारण निगम के तत्वावधान में 10 करोड़ की लागत से बनने वाले 10,000 मीट्रिक टन क्षमता वाले गोदामों के निर्माण की आधारशिला रखी। उन्होंने कहा, पहले किसानों के लिए 5.91 लाख मीट्रिक टन क्षमता वाले गोदाम उपलब्ध थे। हमारी सरकार के सत्ता में आने के मात्र डेढ़ साल के भीतर, हमने 10.75 लाख मीट्रिक टन क्षमता वाले अतिरिक्त गोदामों का निर्माण किया है। हमारी सरकार किसानों के कल्याण और कृषि के विकास के लिए पूरी ईमानदारी से काम कर रही है।

यही कारण है कि तेलंगाना देश में सबसे अधिक धान उत्पादन करने वाला राज्य बनकर उभरा है। उपमुख्यमंत्री ने बताया कि संयुक्त आंध्र प्रदेश के दौरान तेलंगाना को सिंचाई के मामले में घोर अन्याय का सामना करना पड़ा था और कहा कि समाज के सभी वर्गों के लोगों ने अलग राज्य के लिए संघर्ष किया। अभी भी, हमारे राज्य के खिलाफ इसी तरह की साजिशें रची जा रही हैं। सभी को सतर्क रहना चाहिए और उनका प्रभावी ढंग से मुकाबला करना चाहिए। हमारा पड़ोसी राज्य आंध्र प्रदेश अवैध परियोजनाओं का निर्माण शुरू कर रहा है जिससे हमारे खेत सूखने का खतरा है। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी और मंत्री उत्तम कुमार रेड्डी द्वारा दिल्ली में प्रभावी ढंग से तर्क प्रस्तुत करने के कारण ही बनकाचेरला परियोजना रुकी है।

बीआरएस ने सिंचाई क्षेत्र के विकास के लिए दस सालों में कुछ नहीं किया। हमारे खेतों की सिंचाई की ज़रूरतें आज भी कांग्रेस सरकारों के दौरान कृष्णा और गोदावरी नदियों पर बनी परियोजनाओं से पूरी हो रही हैं। उनके शासनकाल में एक भी उपयोगी परियोजना का निर्माण नहीं हुआ। कालेश्वरम परियोजना पर 1 लाख करोड़ खर्च करने के बाद भी, एक एकड़ ज़मीन को भी पानी नहीं मिला है। बीआरएस नेताओं को हमारी आलोचना करना बंद करना चाहिए और असली मुद्दों को समझना चाहिए। जब पोलावरम का निर्माण हो रहा था, तो वे बस देखते रहे।

जब बनकाचेरला का निर्माण शुरू हुआ, तो उन्होंने कोई चिंता नहीं दिखाई। यहां तक कि जब पानी बेकार समुद्र में बह रहा था, तब भी वे उदासीन रहे। इसके अलावा, उन्होंने आंध्र प्रदेश के नेताओं का लाल कालीन बिछाकर स्वागत किया और हमारे राज्य के हितों को गिरवी रख दिया।

यहां तक कि जब सात मंडलों को एक अध्यादेश के जरिए आंध्र प्रदेश में मिला दिया गया, जो पुनर्गठन अधिनियम में शामिल नहीं था, तब भी उन्होंने कोई प्रतिक्रिया नहीं दी। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि बीआरएस तेलंगाना के लिए एक अभिशाप है और राज्य सरकार पिछले दस वर्षों में हुई सभी गलतियों को एक-एक करके सुधार रही है।

हम कृष्णा और गोदावरी नदियों के जल का पूर्ण उपयोग करने और राज्य के प्रत्येक एकड़ तक सिंचाई सुनिश्चित करने के लिए एक ठोस कार्य योजना के साथ आगे बढ़ रहे हैं। राज्य की वित्तीय स्थिति में सुधार के साथ-साथ, हम कल्याणकारी योजनाओं और विकास परियोजनाओं को भी कुशलतापूर्वक लागू कर रहे हैं।

चुनाव आयोग ने दिल्ली बैठक के लिए बीआरएस प्रतिनिधिमंडल को आमंत्रित किया

हैदराबाद, 3 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। भारतीय चुनाव आयोग (ईसीआई) ने भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के एक प्रतिनिधिमंडल को 5 अगस्त को दोपहर 3 बजे नई दिल्ली स्थित निर्वाचन सदन, ईसीआई मुख्यालय में होने वाली राजनीतिक दलों की बैठक में भाग लेने के लिए आधिकारिक रूप से आमंत्रित किया है। बीआरएस प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व पार्टी के कार्यकारी अध्यक्ष और विधायक के.टी. रामाराव करेंगे। प्रतिनिधिमंडल में संसदीय दल के नेता केआर सुरेश रेड्डी, उपनेता और राज्यसभा सांसद वद्दीराजू रविचंद्र, पूर्व सांसद बी विनोद कुमार, बाल्का सुमन और वरिष्ठ नेता आरएस प्रवीण कुमार शामिल हैं। यह निमंत्रण औपचारिक रूप से भारतीय चुनाव आयोग के सचिव अश्विनी कुमार मोहल द्वारा एक आधिकारिक पत्र के माध्यम से जारी किया गया। यह पत्र तेलंगाना के मुख्य निर्वाचन अधिकारी के माध्यम से बीआरएस अध्यक्ष को भी भेजा गया। मीडिया सूत्रों के अनुसार, बैठक में चुनाव सुधार, बीआरएस सहित विभिन्न राजनीतिक दलों द्वारा प्रस्तुत लंबित ज्ञापन, आदर्श आचार संहिता और संबंधित चुनावी प्रक्रियाओं पर चर्चा जैसे प्रमुख मुद्दों पर ध्यान केंद्रित किए जाने की उम्मीद है। यह बैठक कई राज्यों में चल रहे राजनीतिक घटनाक्रम और कई राज्य एवं राष्ट्रीय चुनावों की तैयारी के मद्देनजर विशेष महत्व रखती है।

कविता ने बीआरएस पर पलटवार किया

पार्टी नेताओं पर हमलों को बढ़ावा देने का आरोप लगाया

हैदराबाद, 3 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस एमएलसी कविता ने अपनी पार्टी के नेताओं के खिलाफ सनसनीखेज टिप्पणी की है। हालांकि उन्होंने सीधे तौर पर उनका नाम नहीं लिया, लेकिन पूर्व मंत्री और बीआरएस विधायक जगदीश रेड्डी को लिलिपुट बताया और दावा किया कि उनके खिलाफ की गई उनकी टिप्पणी के पीछे पार्टी के एक प्रमुख नेता का हाथ है। हाल ही में एक समाचार चैनल को दिए साक्षात्कार में, जगदीश रेड्डी ने कविता के बारे में आलोचनात्मक टिप्पणी की। अपनी प्रतिक्रिया में, उन्होंने इस बात पर गुस्सा जताया कि नलगोंडा में बीआरएस के पतन में योगदान देने वाला नेता उनके बारे में बोलने की हिम्मत कैसे करेगा।

रविवार को यहां अपने आवास पर मीडिया को संबोधित करते हुए, कविता ने नलगोंडा जिले के नेता की आलोचना करते हुए कहा कि उन्होंने अपना पद ऐसे जीता जैसे वे मौत के कगार पर हों और चुनावों में पार्टी नेताओं की हार के लिए जिम्मेदार हैं। बीआरएस पार्टी से असंबंधित एक व्यक्ति ने मुझ पर कई तरह के आरोप लगाए हैं।

नलगोंडा ज़िले के लिलिपुट नेता मेरे बारे में चर्चा कर रहे हैं। इससे यह सवाल उठता है कि जो व्यक्ति बीआरएस के सत्ता में आने

के बाद ही पार्टी में शामिल हुआ है, वह मुझ पर ऐसे आरोप क्यों लगा रहा है? इस व्यक्ति ने कभी किसी जन आंदोलन में हिस्सा नहीं लिया। अगर यह केसीआर नहीं हैं, तो यह लिलिपुट नेता कौन है? कविता ने अपना गुस्सा जाहिर किया। उन्होंने बताया कि किसी भी बीआरएस नेता ने विपक्षी नेताओं द्वारा उन पर की गई अपमानजनक टिप्पणियों का जवाब नहीं दिया है। कविता ने दावा किया कि उनके खिलाफ की गई अपमानजनक टिप्पणियों के पीछे एक वरिष्ठ बीआरएस नेता का हाथ है।

जब मेरे खिलाफ अनुचित टिप्पणी की जाती है, तो इसका असर तेलंगाना के सभी लोगों पर पड़ता है। फिर भी, बीआरएस नेता चुप हैं, और इसके अलावा, पार्टी के एक प्रमुख नेता को मेरे बारे में अपमानजनक टिप्पणी करने में मज़ा आता है। कविता ने दावा किया कि कुछ बीआरएस नेता उनके बारे में जानकारी इकट्ठा करने के लिए दस लोगों को नियुक्त करके अपनी चतुराई दिखाने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि उन्हें पता होना चाहिए कि उन्हें भी बीआरएस कार्यालय में क्या हो रहा है, इसकी जानकारी मिल जाएगी। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर उनका उद्देश्य उन्हें अलग-थलग करना और अपनी शक्ति का आनंद लेना है, तो उनका भी यही हश्र हो सकता है। तेलंगाना भाजपा नेताओं के पिछड़ा वर्ग आरक्षण के विरोध को हास्यास्पद बताते हुए, कविता ने कहा कि भाजपा सदस्य होने के नाते राज्यपाल ने अभी तक पिछड़ा वर्ग आरक्षण विधेयक पर हस्ताक्षर नहीं किए हैं। उन्होंने भाजपा के प्रदर्शन की तुलना "चोर दूसरे को चोर कह रहा है" कहावत से की। तेलंगाना का प्रतिनिधित्व करने वाले दो केंद्रीय मंत्रियों से, उन्होंने संसद में पिछड़ा वर्ग विधेयक को शीघ्र पारित कराने के लिए केंद्र सरकार पर दबाव डालने का आग्रह किया। कविता ने जोर देकर कहा कि न्याय पिछड़े वर्ग के बच्चों के लिए आरक्षण केवल केंद्र सरकार के स्तर पर कार्रवाई से ही प्राप्त किया जा सकता है, इसीलिए वह इस विरोध प्रदर्शन में भाग ले रही हैं।

वेश्यालय का भंडाफोड़ 5 महिलाओं को बचाया

हैदराबाद, 3 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। बालापुर पुलिस ने शनिवार रात शाहीननगर स्थित एक वेश्यालय पर छापा मारकर एक आयोजक और दो ग्राहकों को पकड़ा। पुलिस ने 5 पीड़ित महिलाओं को भी बचाया। एक गुप्त सूचना के आधार पर, पुलिस ने वादी-ए-सालेहीन स्थित एक घर पर छापा मारा, जहां मोहम्मद अब्दुल वहाब (52) नामक व्यक्ति वेश्यावृत्ति का धंधा चला रहा था। वहाब पीड़ित महिलाओं की मदद से ग्राहकों को घर में बुलाता था।

वह इस सेवा के लिए ग्राहकों से कमीशन लेता था। सूचना मिलने पर, बालापुर इंस्पेक्टर एम. सुधाकर के नेतृत्व में एक टीम ने घर पर छापा मारा। आयोजक वहाब और दो ग्राहकों को गिरफ्तार कर लिया गया। पीड़ितों को पुनर्वास गृह में स्थानांतरित कर दिया गया।

गजवेल कांग्रेस में आंतरिक कलह

राशन कार्ड कार्यक्रम के दौरान गुटों में झड़प

सिद्दीपेट, 3 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। गजवेल कांग्रेस के भीतर आंतरिक मतभेद उस समय सामने आ गए जब राशन कार्ड वितरण कार्यक्रम के दौरान प्रतिद्वंद्वी गुटों में झड़प हो गई, जबकि श्रम मंत्री गड्डम विवेकानंद असहाय होकर देखते रहे। यह घटना ज़िला प्रशासन द्वारा नए राशन कार्ड वितरित करने के लिए आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान हुई। ज़िला कांग्रेस कमेटी (डीसीसी) के अध्यक्ष तुमुकुंटा नरसा रेड्डी और उनके पार्टी प्रतिद्वंद्वी बंडारू श्रीकांत राव के बीच तीखी बहस हुई। तनाव तब भड़क उठा जब आत्मा समिति के अध्यक्ष मल्ला रेड्डी, जो श्रीकांत राव के कट्टर समर्थक हैं, ने मंच पर जाने की कोशिश की। उन्हें नरसा रेड्डी के समर्थकों ने रोक दिया, जिन्होंने डीसीसी अध्यक्ष को आमंत्रित किए जाने से पहले उनकी उपस्थिति पर आपत्ति जताई। जब मल्ला रेड्डी ने कहा कि वह केवल प्रोटोकॉल का पालन कर रहे थे, तो दोनों गुटों के बीच बहस शुरू हो गई।

यह बहस जल्द ही हाथापाई में बदल गई, जिसके बाद पुलिस को हस्तक्षेप करना पड़ा और दोनों गुटों को तितर-बितर करके कार्यक्रम को जारी रखने की अनुमति दी गई। हालांकि मंत्री विवेकानंद ने प्रतिद्वंद्वी नेताओं को शांत करने की कोशिश की, लेकिन किसी भी पक्ष ने उनकी अपील पर ध्यान नहीं दिया। समर्थकों के एक-दूसरे पर चिल्लाने से सभा स्थल नारों से गूंज उठा। नरसा रेड्डी, जिन्होंने गजवेल से पूर्व मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव के खिलाफ असफल चुनाव लड़ा था, और श्रीकांत राव, जो अगले चुनाव में इसी सीट से चुनाव लड़ने के इच्छुक हैं, कई वर्षों से प्रतिद्वंद्वी गुटों का नेतृत्व कर रहे हैं। उनके बीच चल रहे विवाद ने इस निर्वाचन क्षेत्र में पार्टी की एकता को बार-बार बाधित किया है।

6 अगस्त से अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन की मेजबानी करेगा हैदराबाद

हैदराबाद, 3 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। वीएनआर विज्ञान ज्योति इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी (वीएनआरवीजेआईईटी), हैदराबाद 6 से 8 अगस्त तक कंप्यूटर इंजीनियरिंग और संचार प्रणालियों में प्रगति पर 6वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (आईसीएसीईसीएस 2025) का आयोजन कर रहा है।

तीन दिवसीय सम्मेलन में कंप्यूटर इंजीनियरिंग और संचार प्रणालियों में प्रगति पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा और इसमें राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय वैज्ञानिक, शोधकर्ता और शैक्षणिक नेता भाग लेंगे। यह कार्यक्रम विज्ञान ज्योति प्रबंधन संस्थान (वीजेआईएम), हैदराबाद, इंस्टीट्यूट माइन्स-टेलीकॉम बिजनेस स्कूल, फ्रांस, काजीरंगा विश्वविद्यालय, असम और मोहन बाबू विश्वविद्यालय, आंध्र प्रदेश के सहयोग से आयोजित किया जा रहा है।

मेट्रो कॉरिडोर के काम में आई तेजी

पुनर्डिजाइन से संपत्ति पर कम हुआ प्रभाव

हैदराबाद, 3 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद के पुराने शहर में एमजीबीएस और चंद्रायनगुट्टा के बीच प्रस्तावित मेट्रो रेल कॉरिडोर के लिए सड़क चौड़ीकरण कार्य में तेजी आ गई है।

एचएएमएल के प्रबंध निदेशक एनवीएस रेड्डी ने कहा कि संरेखण को सावधानीपूर्वक डिजाइन किया गया है, ताकि प्रभावित संपत्तियों की संख्या को न्यूनतम रखते हुए इसे इष्टतम बनाया जा सके। रेड्डी ने कहा, शुरूआत में, हमने अनुमान लगाया था कि लगभग 1,100 संपत्तियां प्रभावित होंगी। हालांकि, इंजीनियरिंग पुनर्रचना और पुनर्संरेखण के माध्यम से, हम इस संख्या को घटाकर लगभग 900 कर चुके हैं। अब तक 412 संपत्तियों के लिए अवार्ड जारी किए जा चुके हैं और 380 संपत्तियों का ध्वस्तीकरण कार्य पूरा हो चुका है। प्रभावित संपत्ति मालिकों को कुल 360 करोड़ रुपये का मुआवजा पहले ही वितरित किया जा चुका है।

उन्होंने आगे कहा, घने शहरी इलाकों में घर एक-दूसरे से सटे होते हैं, और ऊपर से गुज़रने वाली कई बिजली की तारें और बिजली की लाइनें अतिरिक्त जटिलताएं पैदा करती हैं। हम व्यवधानों से बचने के लिए सावधानी से काम कर रहे हैं और जनता की असुविधा को कम करने के लिए ज़्यादातर रात में काम कर रहे हैं। शेष संपत्तियों का अधिग्रहण करने तथा ध्वस्तीकरण का कार्य शीघ्र पूरा करने के लिए एक विस्तृत कार्य योजना तैयार की गई है। निर्माण के मोर्चे पर, मेट्रो का काम शुरू करने के लिए ज़मीनी काम चल रहा है।

आगामी मेट्रो पिलरों के लिए जगह की पहचान कर ली गई है और मार्किंग का काम शुरू हो गया है। पुल को सहारा देने वाले खंभों के बीच लगभग 25 मीटर (करीब 82 फीट) की दूरी होगी। मेट्रो स्टेशनों और खंभों की तैयारी के लिए, मिट्टी की वहन क्षमता परीक्षण करने के लिए एक भू-तकनीकी एजेंसी नियुक्त की गई है, जो जल्द ही शुरू होगी।

खाद्य लाइसेंस का क्यूआर कोड प्रदर्शन अनिवार्य

हैदराबाद, 3 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। सार्वजनिक स्वास्थ्य और खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए एक बड़े फैसले में, अब सभी खाद्य प्रतिष्ठानों के लिए, चाहे उनका आकार कुछ भी हो, न केवल हैदराबाद में बल्कि पूरे राज्य और देश में, अपने क्यूआर कोड खाद्य लाइसेंस को उन क्षेत्रों में प्रदर्शित करना अनिवार्य है, जिन्हें ग्राहक आसानी से देख सकें। खाद्य सुरक्षा नियामक प्राधिकरण भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) ने रेस्तरां, ढाबा, कैफे और भोजनालयों सहित सभी खाद्य व्यापार संचालकों (एफबीओ) को निर्देश दिया है कि वे अपने एफएसएसएआई लाइसेंस/पंजीकरण प्रमाण पत्र को खाद्य सुरक्षा कनेक्ट ऐप के क्यूआर कोड के साथ सभी ग्राहक-दृश्य क्षेत्रों जैसे प्रवेश द्वार, बिलिंग काउंटर और यहां तक कि बैठने के क्षेत्रों में प्रदर्शित करें।

खाद्य नियामक प्राधिकरण ने कहा कि इस तरह के उपाय का उद्देश्य उपभोक्ताओं को शिकायत निवारण के लिए एक सीधा और उपयोगकर्ता-अनुकूल मंच प्रदान करके उन्हें सशक्त बनाना है, उन्होंने कहा कि उसने खाद्य सुरक्षा कनेक्ट ऐप का क्यूआर कोड एफएसएसएआई लाइसेंस और पंजीकरण के पहले पृष्ठ पर उपलब्ध कराया है। एफएसएसएआई ने देशव्यापी परामर्श जारी कर सभी आकार के खाद्य एवं औषधि प्रशासन (एफबीएस) को अपने परिसरों में क्यूआर कोड प्रदर्शित करने का निर्देश दिया है। एफएसएसएआई ने कहा कि क्यूआर कोड प्रदर्शित करने से खाद्य सुरक्षा निगरानी को मज़बूत करने और उपभोक्ताओं को सशक्त बनाने में काफ़ी मदद मिलेगी।

क्यूआर कोड प्रदर्शित करना एफएसएस (खाद्य व्यवसायों का लाइसेंस और पंजीकरण) विनियम, 2011 की लाइसेंस संख्या 1 की शर्त के अनुपालन में है। एफबीओ को यह भी कहा गया है कि वे अपनी डिजिटल संपत्तियों पर 'फूड सेफ्टी कनेक्ट' ऐप के लिए क्यूआर कोड या सीधा डाउनलोड लिंक प्रदर्शित करें, जिसमें वेबसाइट और ऑनलाइन ऑर्डरिंग प्लेटफॉर्म शामिल हैं, जहां भी लागू हो।

'ऑपरेशन सिंदूर' श्रद्धांजलि कार्यक्रम का आयोजन

हैदराबाद, 3 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ (एबीआरएसएम) ने भारतीय सशस्त्र बलों को श्रद्धांजलि देने के लिए गच्चीबावली स्थित इंजीनियरिंग स्टाफ कॉलेज ऑफ इंडिया में 'हमारे नायकों को सलाम - ऑपरेशन सिंदूर' का आयोजन किया। यह कार्यक्रम ऑपरेशन सिंदूर की याद में आयोजित किया गया था- पहलगाम आतंकी हमले में 7 मई, 2025 को भारत की सटीक सैन्य प्रतिक्रिया, जिसमें 26 लोगों की जान चली गई थी। भारत के पूर्व उपराष्ट्रपति एम. वेंकैया नायुडू ने युवाओं से देशभक्ति को जीवन का हिस्सा बनाने का आग्रह किया, जबकि डीआरडीओ के पूर्व अध्यक्ष डॉ.जी. सतीश रेड्डी ने अभियान की तकनीकी और रणनीतिक उत्कृष्टता की प्रशंसा की। गुंथा लक्ष्मण ने शिक्षा को राष्ट्रीय मूल्यों से जोड़ने में एबीआरएसएम की भूमिका पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम के दौरान श्री बल्लेपल्ली मोहन द्वारा रचित और श्री अगाराम वसंत और श्री रमण वनमाला द्वारा रचित आधिकारिक थीम गीत 'शौर्य गीतम- सैनिकों को सलाम' का लोकार्पण किया गया। इस कार्यक्रम में सांस्कृतिक प्रस्तुतियां, सैन्य अधिकारियों का अभिनंदन और राष्ट्रीय एकता की पुनः पुष्टि भी शामिल थी।

छात्र ने मां पर लगाया दुर्व्यवहार का आरोप, पुलिस से किया संपर्क

संगारेड्डी, 3 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। वटपल्ली मंडल के मार्वेल्ली गांव के 15 वर्षीय कक्षा 10 के छात्र ने अपनी मां के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है, जिसमें उसने बिना उकसावे के शारीरिक रूप से प्रताड़ित करने का आरोप लगाया है। राजू नाम के इस लड़के ने आरोप लगाया है कि उसकी माँ अनुराधा ने शनिवार शाम को उसके सिर पर पत्थर से वार किया, जिससे उसके सिर से खून बहने लगा। उसकी शिकायत के आधार पर पुलिस ने उसे इलाज के लिए जोगीपेट के क्षेत्रीय अस्पताल में भर्ती कराया। राजू ने पुलिस को यह भी बताया कि उसकी माँ उसके पिता को बिना वजह अक्सर परेशान करती रहती थी। शुरूआती पूछताछ में पुलिस को पता चला कि अनुराधा का कथित तौर पर कंसनपल्ली निवासी येसु नाम के एक व्यक्ति के साथ प्रेम संबंध था। मामले की जांच चल रही थी।

NOTICE FOR REGISTRATION OF NEW POLITICAL PARTY

(Published as per the directions of Telangana State Election Commission)

Dated : 04.08.2025

Notice is hereby given to the general public that Sri.**DASARI NAGULU**, President intends to register a political party without reserved symbol with the State Election Commission, Telangana, under the name and style of **JANA GALAM PARTY** (Name of the Party) with location of its head office 1-1-79 RTC "X" Roads, Jawahar Nagar, Musheerabad, Hyderabad Telangana-500020 under the Registration of Political parties and Allotment of Symbols Order, 2018. The main office bearers of the Party are **1).Sri. DASARI NAGULU,** President **2).Sri. KONDAM SRINIVAS GOUD,** General Secretary **3).Sri. ALIJALA VARUN TEJ,** Treasurer. Objections, if any, for such registration from the general public, shall be sent to the Secretary, State Election Commission, Telangana, 1st Floor, DTCP Building, Opp: PTI Building, A.C. Guards, Hyderabad - 500 004 within 15 days from the date of publication of this notice. If no objections are received within the time stipulated, the Commission will process to register **JANA GALAM PARTY** (Name of the Party) as a Political Party to contest elections to Local Bodies (Sthanika Samsthalu) held on party basis in Telangana State.

President
DASARI NAGULU
JANA GALAM PARTY

मादक पदार्थों की तस्करी का प्रमुख केंद्र बनकर उभरा हैदराबाद

हैदराबाद, 3 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। मादक पदार्थों की तस्करी करने वाले गिरोह मादक पदार्थों की खेपों के परिवहन के लिए हैदराबाद और अन्य राज्यों के बीच सड़क और रेल संपर्क का पूरा उपयोग कर रहे हैं। हाल के दिनों में, निषेध एवं आबकारी विभाग की टीमों और तेलंगाना पुलिस ने कई गिरोहों को पकड़ा है जो शहर को मादक पदार्थों की तस्करी के लिए पारगमन बिंदु के रूप में इस्तेमाल कर रहे थे।

कानून प्रवर्तकों ने रेलवे स्टेशनों, बस स्टेशनों और राजमार्गों पर भारी मात्रा में मादक पदार्थ, विशेष रूप से गांजा, बरामद किया, जो अन्य राज्यों को भेजा जा रहा था।

मद्यनिषेध एवं आबकारी विभाग के एक अधिकारी ने बताया, केंद्रीकृत स्थान के कारण हैदराबाद को प्राथमिकता दी जाती है। आंध्र प्रदेश से महाराष्ट्र या अन्य राज्यों में भेजा जाने वाला गांजा तेलंगाना के रास्ते लाया जाता है। शहर के बाहरी इलाके में चलने वाला आउटर रिंग रोड गांजा तस्करी करने वाले गिरोहों के लिए गांजा परिवहन का एक महत्वपूर्ण मार्ग है। राचकोंडा और साइबराबाद पुलिस की विशेष ऑपरेशन टीमों, ड्रग लॉ एनफोर्समेंट के लिए एलीट एक्शन ग्रुप (ईएजीएलई) और स्थानीय पुलिस ने ओआरआर पर सैकड़ों किलोग्राम ड्रग्स जब्त किए हैं।

राचकोंडा एसओटी के एक पुलिस अधिकारी ने बताया, ओआरआर मार्ग महाराष्ट्र, कर्नाटक, तेलंगाना और आंध्र प्रदेश को जोड़ने वाले विभिन्न राजमार्गों को जोड़ता है। इसलिए कार, वैन, लॉरी या ट्रकों में गांजा की तस्करी करने वाले लोग ओआरआर को प्राथमिकता देते हैं। ओआरआर टोल नाकों पर पुलिस हमेशा सतर्क रहती है और तस्करों का पता लगाकर उन्हें पकड़ने में सक्षम रही है। रेलवे स्टेशनों में से, सिकंदराबाद रेलवे स्टेशन तस्करों के लिए सबसे पसंदीदा जगह है। एक रेलवे पुलिस अधिकारी ने बताया, आंध्र प्रदेश से ट्रेनों के ज़रिए लाया गया गांजा सिकंदराबाद रेलवे स्टेशन पर फेंक दिया जाता है। फिर गिरोह के दूसरे सदस्य इसे उठाकर दूसरी ट्रेन से गंतव्य तक पहुंचा देते हैं। बस स्टेशनों पर भी नशीले पदार्थों की तस्करी के मामले सामने आते रहते हैं। एक पुलिस अधिकारी ने बताया, यह शहर निजी और सरकारी बसों के ज़रिए दूसरे राज्यों के शहरों और कस्बों से अच्छी तरह जुड़ा हुआ है।

ड्रग्स के इस्तेमाल के आरोप में 6 तकनीशियन गिरफ्तार

हैदराबाद, 3 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। आबकारी विभाग के अधिकारियों ने रविवार को बताया कि हैदराबाद के निकट एक फार्महाउस में जन्मदिन की पार्टी में कथित तौर पर मादक पदार्थ का सेवन करने के आरोप में छह आईटी पेशेवरों को गिरफ्तार किया गया। आधिकारिक विज्ञप्ति के अनुसार, विशिष्ट खुफिया सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए आबकारी राज्य कार्यबल (एसटीएफ) ने शनिवार रात चेवेल्ला स्थित फार्महाउस पर छापा मारा और एलएसडी ब्लॉट्स, 20.21 ग्राम हशीश, शराब की बोतलें और तीन कारें जब्त कीं। इसमें कहा गया है कि सभी उपस्थित लोगों की ड्रग डिटेक्शन किट से जांच की गई और वे ड्रग सेवन के लिए पॉजिटिव पाए गए। आईटी क्षेत्र में कार्यरत छह व्यक्तियों को हिरासत में लिया गया है। फार्महाउस के मालिक समेत दो अन्य लोग फरार हैं। मामला दर्ज कर लिया गया है और आगे की जांच जारी है।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.